बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता विकास अभियान

शिक्षक संदर्शिका

भाषा – हिंदी

2024-25

कक्षा
1

समग्र शिक्षा, छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग

इस संदर्शिका में उपयोग होने वाले संकेत (Icon) का विवरण

	पृष्ठ संख्या
	दिवस/पाठ/गतिविधि का उद्देश्य
	शिक्षण योजना
	गतिविधि के चरण
	साप्ताहिक आकलन (मैंने सीख लिया)
	पुनरावृत्ति
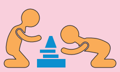	गतिविधि
	मौखिक भाषा विकास और लेखन
	डिकोडिंग
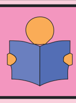	पठन
	निर्धारित समय
	शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा
	तैयारी और सामग्री
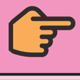	ध्यान देने योग्य बातें
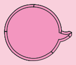	शिक्षक या बच्चे का कथन
	कैलेंडर (सप्ताह/दिवस)

आभार:
लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन (एल.एल.एफ.) छत्तीसगढ़

संदेश

'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' भी बुनियादी शिक्षा के महत्व को रेखांकित करती है। बुनियादी शिक्षा और कौशलों के महत्व को दृष्टि में रखते हुए भारत सरकार द्वारा देशव्यापी 'निपुण भारत मिशन' की शुरुआत की गई है। छत्तीसगढ़ राज्य में इस परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखते हुए 'बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मकता विकास अभियान' के अंतर्गत कार्य किया जा रहा है। इस कार्यक्रम से राज्य में प्राथमिक कक्षाओं के शिक्षण को एक नई दिशा मिल पा रही है। इसी क्रम में वर्ष 2023-24 की कार्ययोजना तैयार की गई है। इस कार्ययोजना द्वारा आगामी वर्षों में प्रयास होगा कि बच्चे अपनी आयु और कक्षा के अनुरूप निर्धारित दक्षताएँ प्राप्त कर पाएँ। इस कड़ी में कक्षा 1 से 3 तक के बच्चों के लिए 'अभ्यास पुस्तिकाएँ' और शिक्षकों के लिए 'शिक्षक संदर्शिकाएँ' विकसित की गई हैं। ये 'संदर्शिकाएँ' शिक्षकों को शिक्षण विधियों, गतिविधियों, आकलन के तरीकों, पुनरावृति अभ्यास की रणनीतियों आदि से परिचित कराएँगी।

इस संदर्शिका में 'निपुण भारत मिशन' के सभी उद्देश्यों को केंद्र में रखा गया है। अकादमिक सत्र 2023-24 की संदर्शिका में मौखिक भाषा विकास, डिकोडिंग, पठन और लेखन अधिगम लक्ष्यों के लिए प्रयुक्त विषयवस्तु को 'साप्ताहिक' और 'दैनिक शिक्षण योजना' में विभाजित किया गया है। यह शिक्षण योजना कक्षा में उपलब्ध सभी शिक्षण अधिगम सामग्री और लक्षित दक्षताओं के आधार पर बनाई गई है। संदर्शिका में शामिल सावधिक आकलन और पुनरावृत्ति भी शिक्षकों के लिए मददगार होगी।

शिक्षक संदर्शिकाओं को तैयार करने में 'लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन' द्वारा किए गए विशेष सहयोग के लिए मैं उनका आभार व्यक्त करता हूँ।

मैं आशा करता हूँ, कि यह संदर्भ सामग्री वर्तमान परिस्थितियों में शिक्षकों के लिए मददगार होगी, जिसकी मदद से बच्चों के भाषा शिक्षण की प्रक्रिया सरल और सहज होगी और हम बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मकता विकास अभियान को सफल बना पाएंगें।

धन्यवाद

प्रबंध संचालक
समग्र शिक्षा, छत्तीसगढ़

विषय सूची

1. संदर्शिका का उपयोग 1
2. बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता विकास अभियान छत्तीसगढ़ 2
3. सीखने की परिकल्पना 3
4. सीखने-सिखाने के कुछ आधारभूत सिद्धांत 4
5. बच्चों के घर की भाषा को आधार बनाकर भाषा शिक्षण 5
    5.1 मौखिक भाषा विकास पर ज़ोर 5
    5.2 कक्षा में बच्चों की भाषा को महत्व देना 6
    5.3 हिंदी भाषा सिखाने के लिए अच्छा माहौल बनाना 7
6. कक्षा-1 में भाषा शिक्षण की एप्रोच 8
7. कक्षा-1 के लिए लक्षित दक्षताएँ (2023-24) 13
8. कक्षा-1 में भाषा शिक्षण की रूपरेखा 14
9. भाषा शिक्षण में उपयोग होने वाली सामग्री 15
    9.1 कक्षा में इस्तेमाल की जाने वाली सामग्री का निर्माण 16
10. कक्षा-1 में भाषा शिक्षण की वार्षिक योजना 18
11. साप्ताहिक शिक्षण योजना की रूपरेखा 19
12. साप्ताहिक व दिवसवार योजना 20
13. कक्षा-1 की गतिविधियों पर कैसे कार्य करें? 47
    13.1 मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन की गतिविधियाँ 48
    13.2 डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन की गतिविधियाँ 60
    13.3 पठन गतिविधियाँ 68
14. आकलन एवं पुनरावृत्ति 74
    14.1 दैनिक गतिविधियों के दौरान अनौपचारिक आकलन/समीक्षा 74
    14.2 साप्ताहिक योजना में आकलन 75
    14.3 सावधिक आकलन प्रक्रिया 76
15. साप्ताहिक आकलन ट्रैकर 77
16. प्रिंट रिच वातावरण 81
17. कक्षा प्रबंधन 82

1. संदर्शिका का उपयोग

शिक्षक संदर्शिका कक्षा–1 में संतुलित भाषा शिक्षण पद्धति के अंतर्गत शिक्षण प्रक्रिया की विभिन्न गतिविधियों के बारे में (क्या, क्यों और कैसे) विस्तार से बताया गया है। कक्षा शिक्षण में कक्षा प्रबंधन, कक्षा का वातावरण इत्यादि की भी बहुत बड़ी भूमिका होती है। अत: इन बिंदुओं को भी संदर्शिका में शामिल किया गया है। शिक्षक संदर्शिका का मुख्य उद्देश्य भाषा शिक्षकों के लिए भाषा शिक्षण के सिद्धांत और एप्रोच एवं अकादमिक सत्र 2023–24 के लिए निर्धारित की गई दक्षताओं पर शिक्षण कार्य करने की रणनीति, शिक्षण गतिविधि और सामग्री के उपयोग को विस्तार से प्रस्तुत करना है।

संदर्शिका की विषयवस्तु को समझना

शिक्षक संदर्शिका को एक बार ठीक से पढ़ लें। संदर्शिका पढ़ते समय अपने लिए नोट ज़रूर बना लें। शिक्षण कार्यशाला के दौरान इस संदर्शिका का उपयोग किया जाएगा। संदर्शिका के प्रमुख भाग अग्रानुसार हैं–

सैद्धांतिक पहलू

संदर्शिका के इस भाग में भाषा शिक्षण की एप्रोच और सिद्धांतों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई है।

पृष्ठ 2 से 12

अधिगम लक्ष्य और भाषा शिक्षण की रणनीति

इस वर्ष के लिए तय वार्षिक लक्ष्य, वार्षिक और साप्ताहिक योजना, सामग्री इत्यादि के बारे में बताया गया है। इन्हें ही आधार बनाकर आगे की दैनिक योजनाएँ तैयार की गई हैं।

पृष्ठ 13 से 19

साप्ताहिक/दैनिक योजना और संबंधित गतिविधियों पर कार्य

संदर्शिका के इस भाग को शिक्षण प्रक्रिया के दौरान उपयोग करें। इस अकादमिक सत्र में 26 सप्ताह के शिक्षण कार्य की योजना है, जिसमें मौखिक भाषा विकास, डिकोडिंग, पठन और लेखन के अधिगम लक्ष्यों के लिए प्रयुक्त विषयवस्तु को साप्ताहिक व दैनिक शिक्षण योजना में विभाजित किया गया है।

- दिन की शुरुआत में पहले उस दिन की दिवसवार योजना देखें।
- योजना के अनुसार प्रत्येक गतिविधि के लिए सामग्री और अन्य तैयारी कर लें।
- गतिविधि के लिए बताए गए चरणों और शिक्षण योजना का अनुसरण करें।
- गतिविधि के दौरान और बाद में अनौपचारिक आकलन या समीक्षा अवश्य करें।
- गतिविधि के अंत में ट्रैकर वाले कॉलम में अपने हस्ताक्षर और दिनाँक दर्ज करें।

पृष्ठ 20 से 73

आकलन और पुनरावृत्ति

इस भाग में बच्चों के सीखने के स्तर के आकलन की रणनीति बताई गई है। आकलन के बाद बच्चों के स्तर में सुधार के लिए पुनरावृत्ति कार्य और आकलन ट्रेकर भी इसी खंड में दिए गए हैं।

पृष्ठ 74 से 80

प्रिंट रिच और कक्षा प्रबंधन

यहाँ शिक्षण को प्रभावी बनाने के लिए बेहतर कक्षा प्रबंधन और प्रिंट रिच वातावरण निर्माण के बारे में बताया गया है।

पृष्ठ 81 से 82

- कक्षा प्रक्रिया के दौरान इस संदर्शिका को अपने पास रखें। कक्षा में जाने से पूर्व योजना और गतिविधियों के तरीकों को एक बार पढ़ लें।
- ब्लॉक या संकुल स्तर पर होने वाली बैठकों में संदर्शिका अपने साथ ज़रूर लेकर जाएँ, ताकि अकादमिक चर्चा में संदर्भ के रूप में आप इसका उपयोग कर सकें।

2. बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता विकास अभियान छत्तीसगढ़

बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान कौशलों पर समय रहते निपुणता हासिल करना बहुत महत्वपूर्ण है, परंतु हमारे देश के अधिकतर बच्चे इन बुनियादी कौशलों को प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं। विभिन्न शैक्षिक सर्वे एवं शोध जैसे कि एनसीईआरटी द्वारा किया गया राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण व प्रथम संस्था द्वारा किया गया ASER सर्वेक्षण भी इस बात को पुख्ता करते हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, द्वारा साझा किए गए आँकड़ों के अनुसार, वर्तमान में प्राथमिक विद्यालय में 5 करोड़ से भी अधिक संख्या में शिक्षार्थियों ने बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान प्राप्त नहीं किया है। यह स्थिति निश्चित रूप से बहुत गंभीर है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, बुनियादी कौशलों को महत्व देते हुए कहती है कि:

> ''सभी बच्चों के लिए बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान हासिल करने के लिए तुरंत प्रभाव से एक राष्ट्रीय मिशन बनना चाहिए, जिसे कई मोर्चों पर किए जाने वाले तात्कालिक उपायों और स्पष्ट लक्ष्यों के साथ अल्पावधि में प्राप्त किया जाए। शिक्षा प्रणाली की सर्वोच्च प्राथमिकता यह होनी चाहिए कि 2025 तक प्राथमिक विद्यालय में सार्वभौमिक बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान हासिल कर लिया जाए''।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 द्वारा निर्देशित 'बुनियादी साक्षरता व संख्या ज्ञान मिशन' (FLN मिशन) एक राष्ट्रीय मिशन है। इसे जुलाई 2021 में, 'निपुण भारत' नाम से लाया गया है। इसका केंद्रीय उद्देश्य ऐसे वातावरण का निर्माण करना है, जिसके माध्यम से 2026-27 तक कक्षा-3 के अंत में सभी बच्चे पढ़ने-लिखने व संख्या ज्ञान की दक्षताओं को हासिल कर पाएँ। यह मिशन 3 वर्ष से लेकर 9 वर्ष तक के बच्चों पर केंद्रित है। एफ.एल.एन. मिशन, छत्तीसगढ़ इन लक्ष्यों को पाने के लिए योजनाबद्ध तरीके से काम कर रहा है।

'बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता विकास अभियान' छत्तीसगढ़, राज्य की पाठ्यचर्या के अधिगम उद्देश्यों के अनुरूप ही विकसित किया गया है। इस अभियान की प्रमुख विशेषताओं को नीचे दिए गए चित्रात्मक प्रस्तुति द्वारा दर्शाया गया है-

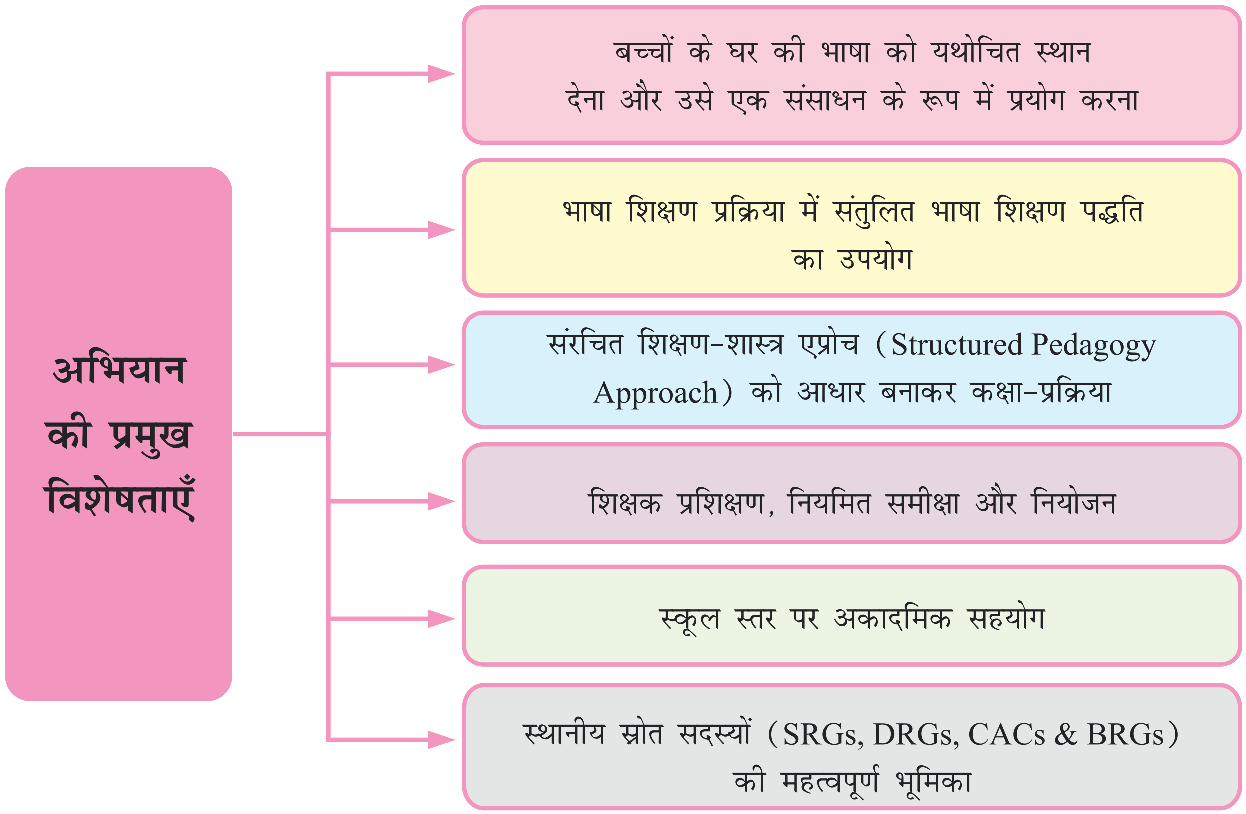

3. सीखने की परिकल्पना

3.1 बच्चे कैसे सीखते हैं?

बच्चों में सीखने की जन्मजात क्षमता होती है। जन्मजात क्षमता के साथ-साथ सीखने के लिए अनुकूल एवं उत्साहजनक परिवेश का होना भी ज़रूरी है। ये दोनों घटक 'जन्मजात क्षमता' एवं 'सामाजिक परिवेश' साथ मिलकर बच्चों के अनुभव और समझ को गढ़ते हैं।

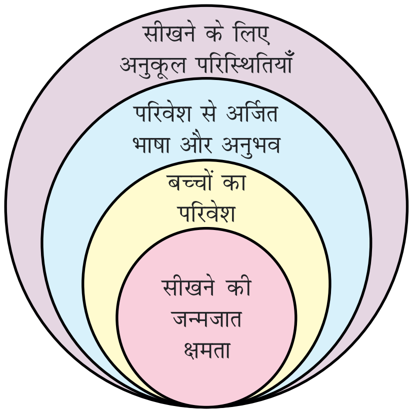

बच्चे अपनी इस समझ और अनुभव को स्वाभाविक रूप से अपने हाव-भाव के साथ घर की भाषा में सहजता से अभिव्यक्त करते हैं। इसलिए, यह कथन कि 'बच्चे जब पहली बार विद्यालय आते हैं तो वे खाली तख्ती की तरह नहीं होते हैं', बिलकुल सही है। बच्चे जब पहली बार विद्यालय आते हैं तो अपने साथ समृद्ध अनुभव लेकर आते हैं, जिसे वे घर की भाषा में मौखिक रूप से अभिव्यक्त कर सकते हैं।

बच्चों के सीखने में विद्यालयों की भूमिका

ऐसी स्थिति में यदि हम विद्यालयों में बच्चों के परिवेश, उनके अभी तक के अनुभव, समझ और उनके घर की भाषा के लिए जगह बनाते हैं और उनका प्रोत्साहन करते हैं तो उनके 'सीखने के अनुभव' और 'गति' को बल मिलता है। इसके साथ ही, इस तरह के अनुकूल वातावरण बच्चों में आत्मविश्वास और सीखने के प्रति रुचि एवं उत्साह को विकसित करते हैं।

3.2 सीखने की प्रक्रिया

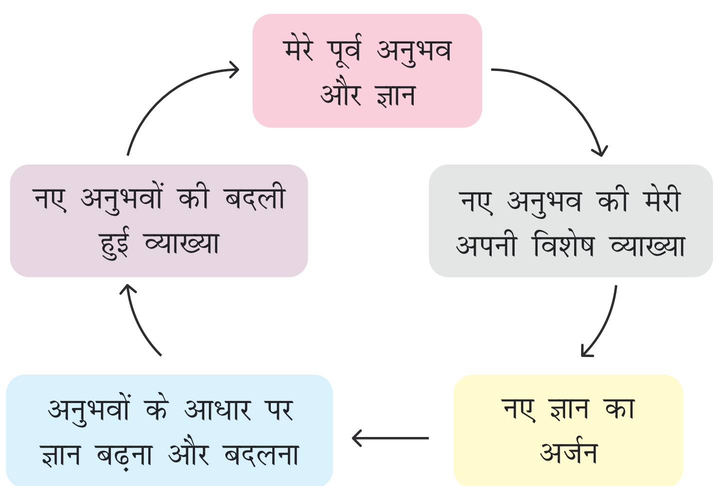

सीखना एक सतत प्रक्रिया है- यह बच्चों के लिए उतनी ही स्वाभाविक एवं निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है जितनी बड़ों के लिए। इस प्रक्रिया में सीखने वाले (बच्चे) सक्रिय तौर पर नए अनुभवों को ग्रहण करते एवं गढ़ते हैं। वे नए अनुभवों को अपने मस्तिष्क में व्यवस्थित करके नए विचारों को बनाते हैं। इस तरह नए अनुभव, उनके पहले के (संबंधित) अनुभवों से जुड़ते हैं और उनकी समझ को बढ़ाते एवं समृद्ध करते हैं या इन नए अनुभवों के कारण पहले के अनुभवों की समझ में बदलाव या संशोधन होता है।

हम शिक्षकों को सीखने की इस प्रक्रिया को याद रखना चाहिए, ताकि हम हमेशा सजग रहें कि हम अपने सिखाने के तरीकों, बच्चों को अभ्यास के लिए दिए जाने वाले मौकों, शिक्षण अधिगम सामग्री, बच्चों को दिए जा रहे प्रोत्साहन एवं सीखने में आ रही कठिनाइयों की पहचान कर सकें साथ ही, लक्षित दक्षताओं को हासिल करने में बच्चों की मदद कर पाएँ। इससे बच्चे अपने पुराने अनुभव और समझ को समृद्ध कर पाएँगे या उनमें संशोधन कर, बिल्कुल नए अनुभव और समझ की रचना कर पाएँगे। यह उनके आगे के सीखने की यात्रा में उपयोगी सिद्ध होगा।

4. सीखने-सिखाने के कुछ आधारभूत सिद्धांत

सीखने-सिखाने के कुछ आधारभूत सिद्धांत हैं, जो कक्षा-कक्ष में बच्चों के सीखने में प्रभावी रहे हैं। शिक्षक कक्षा में इन सिद्धांतों को अपनाकर कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया को और बेहतर बना सकते हैं।

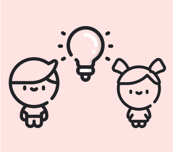

1. **सभी बच्चे सीख सकते हैं :** सभी बच्चों के मस्तिष्क की बनावट एक जैसी होती है, इस कारण सभी बच्चे सीखने के लिए समान रूप से तैयार होते हैं। यह ज़रूर है कि कुछ बच्चों को दूसरे बच्चों की तुलना में थोड़े अधिक सहयोग एवं अभ्यास की आवश्यकता हो सकती है। यह प्रायः इस बात पर निर्भर करता है कि उन्हें सीखने के कितने मौके मिले या नियमित रूप से मिलते हैं और इस दौरान कार्य में उनकी सक्रिय रूप से सहभागिता कितनी रही।

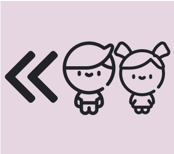

2. **कक्षा में बच्चों के पूर्वज्ञान और अनुभव का उपयोग करना :** अगर हम कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया को बच्चों के पूर्वज्ञान और अनुभवों से जोड़ दें, तो जहाँ एक तरफ बच्चों की समझ को मान्यता एवं जगह मिलती है, वहीं दूसरी तरफ, कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया रोचक और प्रभावी हो जाती है। बच्चों के पूर्वज्ञान और अनुभवों को कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया में जोड़ने से उनकी अभिव्यक्ति के अवसर बढ़ जाते हैं, जो सीखने के लिए बहुत ही आवश्यक हैं।

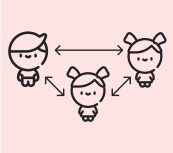

3. **बच्चों को सहपाठियों के साथ सीखने के अवसर देना :** कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया केवल शिक्षक केंद्रित नहीं होनी चाहिए। बच्चे अपने हम-उम्र साथियों के साथ ज़्यादा सहज होते हैं और उनके साथ जुड़कर आसानी से नई बातें सीख सकते हैं। ऐसे में अगर योजनाबद्ध तरीके से बच्चों को उनके सहपाठियों के साथ सीखने के अवसर दिए जाएँ तो इसके परिणाम बेहतर होंगे।

4. **सीखने में बच्चों की मदद करना :** शिक्षक शिक्षण प्रक्रिया में ज़्यादातर समय एक मार्गदर्शक की भूमिका में रहें तो बच्चों को खुद से कार्य या अभ्यास करने के अवसर मिलते हैं। इस मार्गदर्शन के दौरान शिक्षकों को बच्चों के कार्य का अवलोकन करना चाहिए और बच्चों को समस्या आने पर ज़रूरत के हिसाब से शिक्षक को उनकी मदद करनी चाहिए।

5. **कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाना :** यह ज़रूरी है कि कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया सौहार्दपूर्ण वातावरण में हो। इसके लिए शिक्षक कक्षा की शुरुआत में गीत/कविता/खेल आदि करवा सकते हैं। शिक्षक और बच्चों के बीच, बच्चों और बच्चों के बीच संबंध जितने सहज होंगे, सीखने की प्रक्रिया उतनी ही रोचक और बेहतर परिणाम देने वाली होगी।

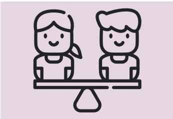

6. **सीखने की प्रक्रिया में सभी बच्चों का जुड़ाव सुनिश्चित करना :** एक शिक्षक के तौर पर हमारी शिक्षण प्रक्रिया ऐसी होनी चाहिए, जिससे सभी बच्चे सीख सकें। इसके लिए बच्चों के अनुभव और अधिगम स्तर को देखते हुए उन्हें समूहों में बाँटा जा सकता है और शिक्षण की अलग-अलग रणनीतियाँ बनाई जा सकती हैं।

7. **सोचने की प्रक्रिया के मौके और प्रोत्साहन देना :** कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया के दौरान हमारी शिक्षण रणनीति कुछ ऐसी होनी चाहिए, जिसमें बच्चों को थोड़ा रुककर सोचने के मौके मिलें। साथ ही, हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि उन्हें सोचने और कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया में सहभागिता के दौरान नियमित रूप से प्रोत्साहन मिले।

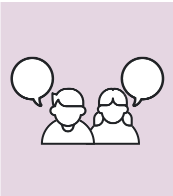

8. **बच्चों के घर की भाषा का उपयोग एवं सघन बातचीत के अवसर देना :** प्रारंभिक कक्षाओं के बच्चे सबसे ज़्यादा अपने घर की भाषा में सहज महसूस करते हैं। इसके साथ ही इस भाषा में वे मौखिक रूप से बहुत सारा चिंतन संबंधी कार्य करते हैं। इसलिए उनके घर की भाषा एवं चिंतन कौशल का उपयोग कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया में एक संसाधन के रूप में करना चाहिए। बच्चों को बातचीत के जितने अधिक अवसर मिलेंगे, वे भाषायी रूप से उतने ही बेहतर बनेंगे। साथ ही, उनमें अभिव्यक्ति-क्षमता और कल्पना-शक्ति का भी विकास होगा।

9. **सतत आकलन :** कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया को बेहतर करने के लिए सतत आकलन बहुत आवश्यक है। सतत आकलन के द्वारा शिक्षक यह पता लगा सकते हैं कि कौन-सा बच्चा किस स्तर पर है और उसके लिए कौन-सी शिक्षण रणनीति ज़्यादा कारगर होगी।

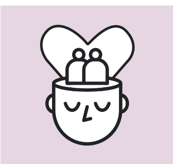

10. **सामाजिक और भावनात्मक विकास पर काम :** अनेक शोध इस बात की पुष्टि करते हैं कि अगर बच्चे सामाजिक और भावनात्मक रूप से मज़बूत हैं तो उनका संज्ञानात्मक विकास भी अच्छा होता है। ऐसे में, हमें बच्चों के सामाजिक और भावनात्मक विकास के अलग-अलग पहलुओं पर भी काम करते रहना होगा।

5. बच्चों के घर की भाषा को आधार बनाकर भाषा शिक्षण

प्रारंभिक कक्षाओं में बच्चों की बेहतर ढंग से भाषा एवं साक्षरता शिक्षण की शुरुआत के लिए निम्नलिखित घटकों की समझ महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

भाषा शिक्षण के बुनियादी घटक

- मौखिक भाषा विकास पर ज़ोर
- कक्षा में बच्चों की भाषा का प्रयोग करना
- हिंदी भाषा सिखाने के लिए अच्छा माहौल बनाना
- उभरती साक्षरता पर ध्यान देना
- भाषा शिक्षण की संतुलित पद्धति अपनाना
- व्यवस्थित रूप से डिकोडिंग सिखाना

5.1 मौखिक भाषा विकास पर ज़ोर

मौखिक भाषा के विकास का अर्थ वास्तविक तौर पर केवल बोलने और सुनने की क्षमता से कहीं ज़्यादा होता है। पढ़ना और लिखना, एक तरह से मौखिक भाषा के पहलुओं तथा सुनकर समझने और बोलकर अपनी बात कह पाने का ही विस्तार है। इस प्रकार, मौखिक भाषा का विकास ही पठन और लेखन का आधार बनता है। जब बच्चे कक्षा में कहानियाँ सुनते हैं और बातचीत करते हैं तो उनका परिचय नए शब्दों से होता है। साथ ही उनका सामान्य ज्ञान भी बढ़ता है। यह उनके आगे होने वाले पठन और लेखन के लिए पृष्ठभूमि का काम करता है। जिन बच्चों के घर की भाषा स्कूल की भाषा से अलग होती है, उनके साथ शुरुआत में हर रोज़ मौखिक भाषा की गतिविधियाँ की जाएँ, जैसे- चित्रों पर चर्चा, अनुभवों पर चर्चा, कहानी, कविता और गीत को हाव-भाव से सुनाना और चर्चा करना आदि। इससे बच्चों को भाषा विकास में बहुत मदद मिलती है। बच्चे धीरे-धीरे स्कूल की औपचारिक भाषा समझने लगते हैं।

आइए, ज़रा नज़र डालें कि मौखिक भाषा का विकास क्यों आवश्यक है?

मौखिक भाषा के विकास के लाभ

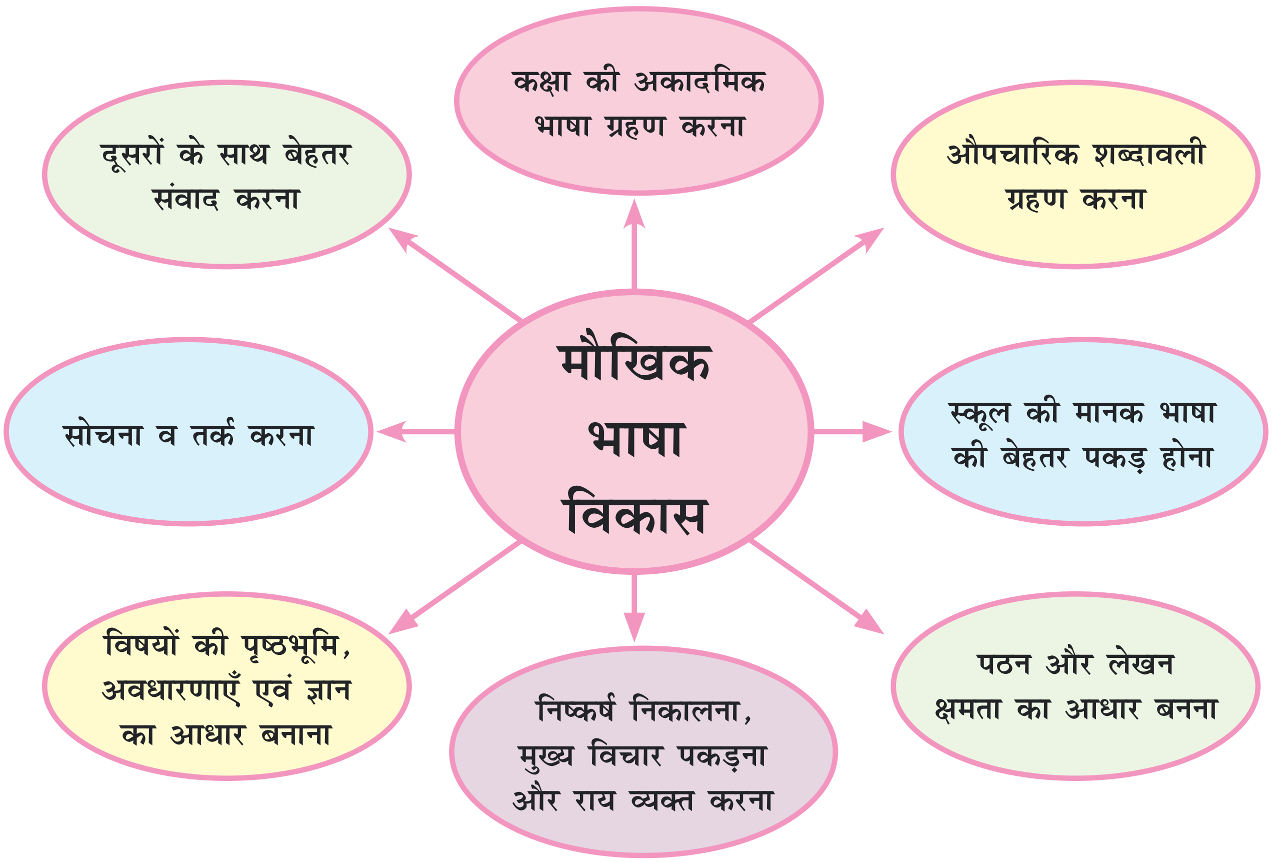

ऊपर दिए गए सभी कारणों से प्रारंभिक कक्षाओं में बच्चों को सुनकर समझने और बोलने के पर्याप्त अवसर मिलने चाहिए। यही नहीं, यह भी बहुत ज़रूरी है कि बच्चों को शुरुआत में उसी भाषा में बात करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए, जिसे वे स्कूल में आने से पहले जानते हों।

मौखिक भाषा का विकास ही वह नींव है, जिस पर पढ़ने और लिखने की इमारत बनती है। अगर प्रारंभिक कक्षाओं में मौखिक भाषा का मज़बूत विकास हो जाए तो यह सीखने की अन्य प्रक्रियाओं के लिए एक ठोस 'नींव' बनती है।

5.2 कक्षा में बच्चों की भाषा को महत्व देना

बच्चों को उनकी भाषा का प्रयोग करने और सुनने-समझने के पूरे मौके दिए जाएँ क्योंकि:

- भाषा सोचने, समझने और सीखने का एक साधन है। बच्चे केवल उस भाषा के माध्यम से ही बेहतर सोच और समझ सकते हैं, जिसे वे अच्छी तरह जानते हैं।
- अगर कक्षा में बच्चों की मातृभाषा का भी प्रयोग किया जाए तो उन्हें इस भाषा के सहारे स्कूली भाषा तक आने के लिए समय और मदद दोनों मिलते हैं। इस तरह, वे अपनी भाषा में प्राप्त बहुत से कौशलों और जानकारियों का प्रयोग स्कूली भाषा में कर सकते हैं। जैसे-संदर्भ से अनुमान लगाकर किसी शब्द का अर्थ निकालना।
- बच्चों को ज्ञात से अज्ञात, परिचित से अपरिचित की ओर बढ़ना चाहिए (NCF-2022, NEP-2020)। जिस भाषा में बच्चे

सबसे अच्छी तरह समझते हैं (मातृभाषा), वे उसका उपयोग अपने पूर्व ज्ञान और अनुभवों द्वारा नए ज्ञान का सृजन करने में करते हैं। इससे कक्षा भी अधिक बाल केंद्रित बन जाती है।

- सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में बच्चों की भाषा को शामिल करने से उनकी पहचान, संस्कृति, भाषा और अब तक अर्जित किए गए ज्ञान को सम्मान मिलता है। इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और वह स्कूल समुदाय के निकट आता है।
- बच्चों की भाषा को कक्षा में स्थान देने से स्कूल की भाषा (हिंदी) के विकास को नुकसान नहीं पहुँचता। हमारे देश में किए गए कुछ अध्ययनों में पाया गया है कि जिन बच्चों की पढ़ाई उनकी अपनी भाषा में हुई है, उनका भाषा और गणित में प्रदर्शन ऐसे बच्चों के मुकाबले बेहतर रहता है, जो मातृभाषा की बजाय किसी अन्य भाषा के माध्यम से पढ़कर आए हैं।
- नीचे दी गई चित्रात्मक प्रस्तुति द्वारा यह दर्शाया गया है कि घर की भाषा को स्कूल में क्यों सम्मिलित किया जाना चाहिए।

घर की भाषा क्यों?

- परिचित भाषा में सोचना, समझना और सीखना आसान
- ज्ञात से अज्ञात की ओर बढ़ने से ज्ञान का सृजन
- बच्चों की संस्कृति को सम्मान और उनके आत्मविश्वास को बढ़ावा
- बच्चों की बेहतर भागीदारी और अभिव्यक्ति

बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मकता विकास अभियान में बच्चों की भाषा के प्रयोग को पूरा प्रोत्साहन दिया जाएगा। मातृभाषा का प्रयोग मुख्य रूप से मौखिक भाषा विकास, सोचने-समझने और हिंदी सीखने में मदद के लिए किया जाए। मातृभाषा और हिंदी चरणबद्ध और सोची-समझी योजना के अनुसार कक्षा में प्रयोग में लाई जाए, जिसके बारे में आगे हम विस्तार से जानेंगे।

5.3 हिंदी भाषा सिखाने के लिए अच्छा माहौल बनाना

- यदि दूसरी भाषा सिखाने के लिए भी बच्चों को घर की भाषा सीखने जैसा माहौल दिया जाए तो वे अधिक आसानी से सीख सकते हैं। अत: यह समझना ज़रूरी है कि बच्चे घर में अपनी भाषा इतनी आसानी से कैसे सीख लेते हैं?
- इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए, बच्चों को हिंदी सिखाने के लिए कुछ विशेष कदम उठाए जाएँ, जो इस प्रकार हैं-

हिंदी बोलने और सुनने के अधिक से अधिक मौके दिए जाएँ	हिंदी का प्रयोग बच्चों के संदर्भ में जुड़ा हुआ और सार्थक हो	हिंदी भाषा के प्रयोग के अवसर रुचिकर और मज़ेदार हों	कक्षा में चिंतामुक्त और खुशनुमा माहौल हो
हिंदी सिखाने के लिए अनुकूल माहौल			
पढ़ने-लिखने और मौखिक गतिविधियों में सरल हिंदी काम में लाई जाए, जो आसानी से बच्चों को समझ में आ जाए	हिंदी भाषा को चित्रों/ भाव-भंगिमा/स्पष्ट उच्चारण/ सरल वाक्य संरचना आदि तरीकों द्वारा बच्चों के लिए समझने योग्य बनाया जाए	हिंदी के प्रयोग का या परीक्षा का अनावश्यक दबाव न डाला जाए	आरंभ में हिंदी में की गई गलतियों को सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा मानें और बहुत सुधार करने से बचें।

6. कक्षा-1 में भाषा शिक्षण की एप्रोच

6.1 उभरती साक्षरता

पढ़ने-लिखने के शुरुआती दौर में बच्चा पढ़ने-लिखने के बारे में जिन अवधारणाओं का सृजन करता है, उसे उभरती साक्षरता का नाम दिया गया है। कई सुप्रसिद्ध चिंतकों और शोधकर्ताओं ने यह स्थापित किया है कि जो बच्चे औपचारिक स्कूली कक्षाओं से पहले उभरती साक्षरता के कौशल ग्रहण कर लेते हैं, उनका पढ़ने-लिखने से एक रिश्ता कायम हो जाता है। यह उन्हें औपचारिक साक्षरता शिक्षण में मदद करता है। परंतु हमारे देश में कई बच्चे संसाधन एवं अवसर की कमी के कारण उभरती साक्षरता के कौशल ग्रहण नहीं कर पाते हैं, इसलिए उन्हें कक्षा-1 के प्रारंभिक दिनों में ही इस कौशल को व्यवस्थित रूप से सिखाए जाने की आवश्यकता है।

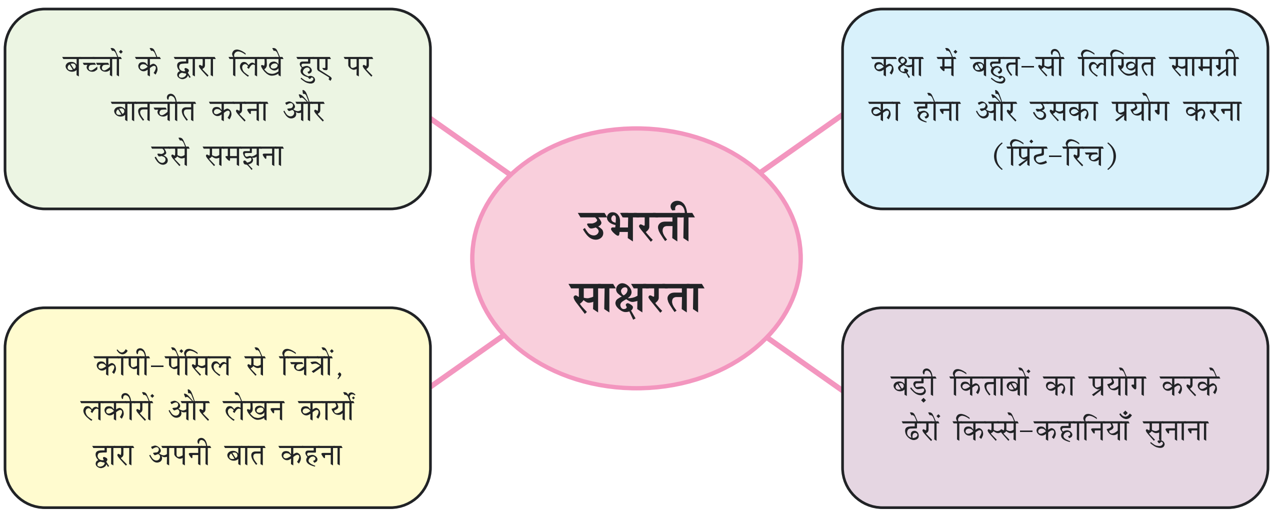

6.2 संतुलित भाषा शिक्षण पद्धति

पढ़ने की वास्तविक प्रक्रिया को यदि समझने का प्रयास करें तो हम पाएँगे कि 'शब्द-पहचान' और 'अर्थ निर्माण' की क्रिया साथ-साथ हो रही होती है। कुशल पठन न तो शब्दों को पहचाने बिना और न ही अर्थ समझे बिना किया जा सकता है। संतुलित भाषा पद्धति में बच्चों के साथ शब्द पहचान (डिकोडिंग) और अर्थ निर्माण पर साथ-साथ कार्य किया जाता है।

6.2.1 शब्द पहचान/डिकोडिंग :

शब्द पहचान, ध्वनि/वर्ण के संबंध को समझते हुए शब्द को पढ़ पाने की क्षमता है। डिकोडिंग सिखाने की प्रक्रिया को अंश आधारित भाषा शिक्षण कहा जाता है।

6.2.2 अर्थ निर्माण :

अर्थ निर्माण का आशय भाषा के विभिन्न पहलुओं की समझ से है। इसके तहत समृद्ध शब्द-भंडार, सांसारिक समझ, वाक्य-विन्यास की समझ जैसे अर्थ निर्माण के कौशल आते हैं। सांसारिक समझ से तात्पर्य यह है कि स्कूल बोलने से बच्चे को स्कूल की पूरी तस्वीर और अनुभव नज़र आए। अर्थ निर्माण के कौशल के तहत कई चीज़ें आती हैं, जैसे- अपने पूर्व ज्ञान का इस्तेमाल करना अथवा पाठ को अपने अनुभवों से जोड़ पाना, अनुमान लगाना, पाठ के अलग-अलग हिस्सों को आपस में जोड़ पाना, निष्कर्ष निकालना इत्यादि। समग्र भाषा शिक्षण में इन पहलुओं पर अत्यधिक ज़ोर दिया जाता है।

भाषा शिक्षण में दोनों तरह के कौशलों के कार्य में संतुलन होना चाहिए और बच्चों को इन दोनों प्रक्रियाओं को साथ-साथ विकसित करने के मौके मिलने चाहिए। इसे संतुलित भाषा शिक्षण पद्धति कहा जाता है।

संतुलित भाषा पद्धति में मौखिक भाषा विकास, डिकोडिंग, पठन और लेखन सभी पर व्यवस्थित एवं नियमित रूप से कार्य करने की ज़रूरत है। प्रारंभिक कक्षाओं में प्रत्येक दिन निम्नलिखित चारों घटकों के अंतर्गत भाषा शिक्षण का कार्य किया जाना चाहिए।

6.3 भाषा शिक्षण की संतुलित पद्धति के चार मुख्य घटक

मौखिक भाषा विकास	डिकोडिंग	पठन	लेखन
कक्षा में बातचीत/कहानी/कविता के द्वारा भाषा विकास	ध्वनि चेतना, डिकोडिंग, शब्द/सरल वाक्य स्तर की गतिविधियाँ	शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना, बच्चों के द्वारा शिक्षक के मार्गदर्शन में और स्वतंत्र रूप से पढ़ना	बुनियादी लेखन और उच्चस्तरीय लेखन

6.3.1 मौखिक भाषा विकास

स्कूल आ रहे बच्चे मौखिक भाषा का उपयोग वैसे ही करते हैं, जैसे वयस्क कर रहे होते हैं। उनका ज्ञान और समझ मौखिक भाषा में होता है। वे अपनी भाषा में संवाद के तरीके और इसकी शब्दावली से परिचित होते हैं। पढ़ना और लिखना एक तरह से मौखिक भाषा को सुनकर और बोलकर अपनी बात कहने का ही विस्तार है। बहुत से बच्चों के घर की भाषा स्कूल की भाषा से अलग होती है, इसलिए बच्चों द्वारा स्कूल में स्थानीय भाषा के उपयोग को हतोत्साहित नहीं किया जाना चाहिए। बच्चे अपनी भाषा में जो जानते हैं, उसका उपयोग साक्षरता अर्जित करने में किया जाना चाहिए। मौखिक भाषा से जुड़ाव शुरुआती कक्षाओं में पढ़ना-लिखना सीखने के लिए ज़रूरी है। सोचने, समझने, तर्क और विश्लेषण करने के कौशल मौखिक भाषा की गतिविधियों के माध्यम से अच्छी तरह विकसित होते हैं, जो पढ़कर समझने और लिखकर अपनी बात कहने की बुनियाद बनते हैं।

6.3.2 डिकोडिंग

पढ़ने के संदर्भ में डिकोडिंग को समझें तो यह कह सकते हैं कि अक्षर-ध्वनि संबंधों के ज्ञान का प्रयोग करके किसी शब्द को प्रिंट से ध्वनि में बदलने को डिकोडिंग कहा जाता है। इसमें नीचे चित्र में दी गई प्रक्रिया होती है।

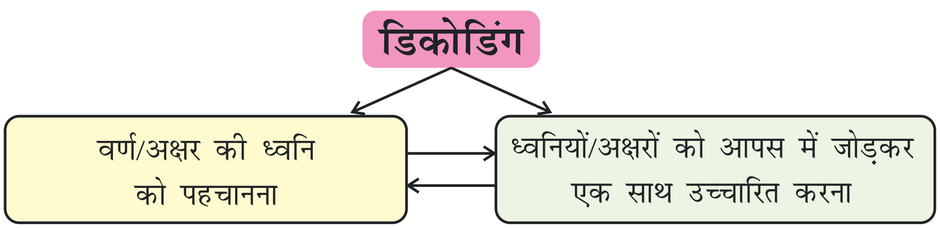

डिकोडिंग कौशल के लिए ज़रूरी है कि इन दोनों प्रक्रियाओं को अच्छे से करने की क्षमता हासिल की जाए। यह तभी संभव है, जब वर्णों/अक्षरों को तेज़ी से पहचाना जाए और उन्हें जोड़कर पढ़ने की कला सीखी जाए। शुरुआत में बच्चे ध्वनियों का अलग-अलग उच्चारण करते हैं पर जब उन्हें ध्वनियों को जोड़कर एक साथ बोलने का अधिक से अधिक अभ्यास मिलता है, तो वे जल्दी ही सीधे-सीधे पूरे शब्दों को पढ़ना शुरू कर देते हैं। इसके लिए ज़रूरी है कि वर्ण/अक्षर सिखाने का एक क्रम काम में लिया जाए, जिससे बच्चे कुछ वर्णों और अक्षरों को पहचान के साथ ही शब्द बनाना और पढ़ना सीखने लगें।

पठन

बच्चों के पठन कौशल विकास के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने की ज़रूरत होती हैं। सिर्फ शब्द पहचान का कौशल आ जाने से बच्चे स्वत: पढ़ना नहीं सीख जाते। उन्हें कई स्तरों पर मदद की आवश्यकता होती है। किताबों के प्रति लगाव और प्रिंट चेतना से शुरुआत करके स्वतंत्र पठन तक बच्चों को कैसे ले जाएँ, इस पर एक रणनीति बनाकर कार्य किया जाना चाहिए। जब बच्चे विद्यालय में आते हैं, तो किताबों को पढ़कर सुनाने और साझा पठन के माध्यम से उन्हें पढ़ने की प्रक्रिया में शामिल करने की रणनीति प्रभावी मानी जाती है। यह न सिर्फ बच्चों को किताबों के साथ जुड़ने और पढ़ने के अनुभव लेने के मौके प्रदान करती है, बल्कि लिखित भाषा के स्वरूप को समझने और उनसे अर्थ निकालने की प्रक्रिया भी सही से प्रारंभ हो जाती है। जैसे-जैसे बच्चे पढ़ना सीख रहे होते हैं, अलग-अलग रणनीति का उपयोग कर उन्हें मदद करने की ज़रूरत पड़ती है।

6.8.4 लेखन

बच्चे स्वतंत्र रूप से अपनी बात लिख पाएँ, यह प्रारंभिक कक्षा के बच्चों के लिए एक बड़ी उपलब्धि होती है। बच्चे उभरते लेखन से प्रारंभ होकर रचनात्मक लेखन के सफर तक न सिर्फ आकृति को लिखकर अपनी बात बता पाते हैं, बल्कि उनके सोचने और अभिव्यक्त करने के तरीके में सकारात्मक बदलाव आना शुरू हो जाता है। इसलिए पढ़ना सीखने के साथ-साथ लेखन कौशल के विकास में भी एक कारगर रणनीति की ज़रूरत होती है।

लेखन के लिए आवश्यक कौशलों को इन दो वर्गों में बाँटकर देखा जा सकता है-

- **बुनियादी लेखन :** लिपि और ध्वनि के संबंध की समझ, सही वाक्य-संरचना और विराम चिह्नो की समझ, ये लेखन के बुनियादी कौशल हैं।
- **उच्चस्तरीय लेखन :** क्या लिखना है, इस बारे में सोचना, बात को क्रमबद्ध और तार्किक तरीके से व्यक्त करने का कौशल। ये लेखन के उच्चस्तरीय और रचनात्मक कौशल हैं।

बच्चों के बुनियादी लेखन को समृद्ध करने के साथ-साथ स्वतंत्र और अभिव्यक्ति लेखन का अभ्यास कराया जाना चाहिए। उच्चस्तरीय लेखन ज़्यादातर मौखिक गतिविधि से जुड़े होंगे। बुनियादी लेखन डिकोडिंग संबंधित लेखन से जुड़े होंगे।

कक्षा 1 में लेखन की गतिविधियाँ इस प्रकार हैं-

पाठ्यपुस्तक पर कार्य एवं मौखिक भाषा से संबंधित लेखन

अभ्यास पुस्तिका पर कार्य एवं डिकोडिंग से संबंधित लेखन

6.4 शब्द पहचान और भाषायी समझ के बीच संतुलन भाषा शिक्षण कार्य का आधार

शब्द पहचान और भाषायी समझ के बीच संतुलन कक्षा में भाषा शिक्षण कार्य का आधार है और कक्षा में इन दोनों तरह के कार्यों के लिए सामंजस्य बना पाना हमारी प्राथमिकता है।

शब्द पहचान (डिकोडिंग) × भाषा के विभिन्न पहलुओं की समझ (अर्थ निर्माण) = समझ के साथ पढ़ना

भाषा शिक्षण व्यवस्थित रणनीतियों की मदद से मौखिक वर्णों/अक्षरों को सिखाने के साथ डिकोडिंग बच्चों के शब्द पहचान को मज़बूत करने के लिए उन्हें छोटे-छोटे पाठ पढ़ने के मौके देने की आवश्यकता है। साथ ही, बच्चों के लेखन को शब्द व वाक्य स्तर पर समृद्ध करने के लिए छोटे-छोटे अभ्यास की आवश्यकता है।

6.4.1 भाषायी समझ को समृद्ध करने की रणनीति इस प्रकार है-

- बच्चे अपनी भाषा में जो जानते हैं, उसका उपयोग साक्षरता अर्जित करने में किया जाना चाहिए।
- मौखिक भाषा से जुड़ाव शुरुआती कक्षाओं में पढ़ना-लिखना सीखने के लिए ज़रूरी है।
- सोचने, समझने, तर्क और विश्लेषण करने के कौशल मौखिक भाषा की गतिविधियों के माध्यम से अच्छी तरह विकसित होते हैं, जो पढ़कर समझने और लिखकर अपनी बात कहने की बुनियाद बनते हैं।
- बहुत से बच्चों की घर की भाषा स्कूल की भाषा से अलग होती है, इसलिए बच्चों की भाषा के उपयोग को हतोत्साहित नहीं किया जाना चाहिए।
- कक्षा में बच्चों की भाषा में बातचीत और उच्चस्तरीय चिंतन के अवसर।
- चित्रों पर चर्चा, कहानी सुनाना और चर्चा, कहानी पढ़कर सुनाना और चर्चा, मौखिक खेल गतिविधियाँ आदि का योजना अनुसार आयोजन।
- बच्चों से उनकी भाषा में खुले छोर के प्रश्नों के माध्यम से चर्चा।
- हिंदी भाषा में कहानी पढ़कर सुनाना और समझ आधारित (सामान्य एवं विस्तृत) चर्चाएँ।

6.4.2 शब्द पहचान को समृद्ध करने की रणनीति इस प्रकार है-

वर्ण/अक्षर की पहचान को शब्द पठन के रूप में दुरुस्त करना: डिकोडिंग के प्रारंभ में जब बच्चे शब्द पढ़ना शुरू करते हैं, तो वे अलग-अलग वर्णों/अक्षरों को पहचान और जोड़कर शब्द बोलते हैं। शब्द पठन में दो प्रक्रियाएँ– 'वर्णों/अक्षरों की पहचान करना' और 'उनको जोड़कर उच्चारित करना' साथ-साथ चल रही होती हैं। दोनों तरह की प्रक्रिया में कुशलता पाने के लिए काफी अभ्यास की आवश्यकता होती है, जिसके बाद ही बच्चे शब्दों को सीधे पढ़ना सीख पाते हैं। सीधे शब्द पढ़ पाने के लिए वर्ण/अक्षर पहचानने का कार्य बिल्कुल स्वचालित होना चाहिए। अलग-अलग तरीकों से वर्ण/अक्षर पहचान के कार्य के साथ-साथ इनसे बने शब्दों को पढ़ने के लिए बच्चों को पर्याप्त अभ्यास करवाना चाहिए। शब्द पठन में कुशलता के लिए शब्दों को सीधे पढ़ने के अलावा छोटे-छोटे अर्थपूर्ण पाठों में भी पढ़ने का अभ्यास करवाया जाए। ऐसे पाठों को डिकोडेबल पाठ भी कहा जाता है। बच्चों को स्वतंत्र रूप से और शिक्षक के साथ ऐसे छोटे और सरल पाठ पढ़ने के मौके मिलने चाहिए। इसके बारे में हम डिकोडिंग की रणनीति के दौरान विस्तृत चर्चा करेंगे।

डिकोडिंग प्रारंभ करने से पहले इन बातों को सुनिश्चित कर लें-

- बच्चे मौखिक भाषा की गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। (जो आगे जारी रहेगी)
- बच्चे शब्दों को ध्वनियों में जोड़-तोड़ पा रहे हैं और प्रथम ध्वनि को पहचान रहे हैं।
- बच्चों ने लिखने के लिए आवश्यक हस्त-संतुलन बना लिया है और आड़ी-टेढ़ी रेखाएँ बना रहे हैं।
- बच्चे कुछ-कुछ शब्दों को देखकर पहचान जाते हैं।
- बच्चे कक्षा संचालन के सामान्य निर्देशों को अच्छे से समझ पा रहे हैं।
- आकृति भेद की गतिविधियाँ भी करवाई जा चुकी हैं।

बच्चों को उनके पठन स्तर के अनुसार छोटे-छोटे पाठ देकर उनके पढ़ने की गति और सटीकता को निखारना: डिकोडेबल पाठ के अभ्यास से जहाँ वर्णों/अक्षरों की पहचान और शब्द पठन के कौशल को मज़बूती मिलती है, वहीं छोटी-छोटी कहानियाँ, जो आकर्षक चित्रों के साथ किसी किताब या कार्ड के रूप में उपलब्ध हों, पढ़ने से बच्चे समझकर पढ़ने का अभ्यास कर पाते हैं। इस तरह के अभ्यास से उनको पढ़ने का आनंददायक अनुभव मिलता है। यह पढ़ना सीख रहे बच्चों के लिए बहुत प्रभावी है। ऐसी कहानियाँ बच्चों के पठन स्तर, संदर्भ, रूचि इत्यादि को ध्यान में रखकर बनाई जानी चाहिए। बच्चे इन कहानियों को प्रारंभ में शिक्षक के मार्गदर्शन में पढ़ने का अभ्यास करें और फिर स्वतंत्र रूप से पढ़ें। इस कार्य के लिए अभ्यास पुस्तिका के खंड-2 में पठन के पाठ दिए गए हैं।

प्राथमिक कक्षाओं में बच्चों के डिकोडिंग का आधारभूत कौशल अच्छी तरह से विकसित हो, इसके लिए शिक्षक को पूरा ध्यान और समय देना चाहिए। यही आगे चलकर प्रवाहपूर्ण पठन के आधार का काम करेगा।

7. कक्षा-1 के लिए लक्षित दक्षताएँ

लक्षित दक्षताओं को अकादमिक सत्र में प्राप्त करने के लिए शिक्षण योजनाएँ बनाई गई हैं, जो इस शिक्षक संदर्शिका में दी गई हैं। इन शिक्षण योजनाओं में विभिन्न गतिविधियों एवं शिक्षण सामग्री को काम में लिया गया है, जो क्रमिक रूप से बच्चों को लक्षित दक्षताओं को प्राप्त करने में मदद करेंगी। प्रत्येक शिक्षण योजना किसी निर्धारित शिक्षण उद्देश्य पर आधारित है। जैसा कि हमने पहले भी बात की है कि ये शिक्षण योजनाएँ 'संतुलित भाषा शिक्षण पद्धति' पर आधारित हैं। अतः मौखिक भाषा, डिकोडिंग, पठन एवं लेखन, इन सभी आयामों पर साथ-साथ कार्य किया जाएगा।

इन दक्षताओं को राज्य के सीखने के प्रतिफल के साथ संरेखित किया गया है।

	दक्षताएँ	राज्य के सीखने के प्रतिफल
मौखिक भाषा विकास	**सुनकर समझना और प्रतिक्रिया देना** • कहानी सुनने से पहले कहानी के बारे में सामान्य अनुमान लगाना और सरल प्रश्नों की चर्चा में भाग लेना। **मौखिक शब्दावली** • अपने आसपास से जुड़ी मुख्य वस्तुओं, जानवरों, कार्यों इत्यादि के बारे में घर की भाषा में बता पाना। **मौखिक अभिव्यक्ति व वर्णन** • किसी चित्र/घटना/वस्तु इत्यादि के बारे में घर की भाषा में एक वाक्य में बता पाना।	LH101 LH102 LH105 LH106
डिकोडिंग	**ध्वनियों में जोड़-तोड़ कर पाना** • शब्द की प्रथम ध्वनि पहचानना (अलग-अलग वर्णों की ध्वनि के साथ) और इससे अन्य शब्द बताना। **वर्ण पहचान** • वर्ण/अक्षर पहचान कर उसकी ध्वनि को पहचानना और बताना। **शब्द पहचान/पढ़ना** • 2-3 वर्णों/अक्षरों को जोड़कर एक साथ शब्द की तरह उच्चारित करना।	LH103 LH107 LH111
पठन	**पढ़कर समझना** • पढ़ने के सामान्य नियमों (प्रिंट संबंधी चेतना) को समझना। • कहानी की किताबों को देखकर पाठ के बारे में अनुमान लगाना, समझना और कुछ शब्दों को पहचान (लोगोग्राफिक) पाना।	LH104 LH108 LH109 LH112
लेखन	**लेखन** • परिचित चित्र में रंग भरना (पहले एक रंग, बाद में अलग-अलग रंग)। • 2 वर्णों/अक्षरों वाले सरल शब्दों (बिना मात्रा वाले) को सुनकर लिखना। • अपने अनुभव से जुड़े विषय पर चित्र बनाना और उसके बारे में बताना। **(रचनात्मक लेखन)**	LH113 LH114

8. कक्षा-1 में भाषा शिक्षण की रूपरेखा

इस संदर्शिका में 26 सप्ताह के शिक्षण कार्य की योजना है, जिसमें पहले 6 सप्ताह उभरती साक्षरता/विद्या प्रवेश तथा अंतिम 20 सप्ताह डिकोडिंग पर आधारित है। इस चरण में डिकोडिंग का मुख्य जोर इस बात पर रहेगा कि बच्चे वर्ण/अक्षर वाले शब्द, छोटे सरल वाक्य प्रवाह के साथ पढ़ सकें। इसके साथ-साथ मौखिक और पठन की गतिविधियों को क्रमवार व्यवस्थित किया गया है। इन आयामों के अंतर्गत गतिविधियों को इस तरह शामिल किया गया है-

कक्षा-1 की सामान्य रूपरेखा

26 सप्ताह | 90 मिनट दैनिक योजना

1-6 सप्ताह	मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन (40-45 मिनट)	ध्वनि चेतना एवं लेखन (20-25 मिनट)	पठन (15-20 मिनट)
7-26 सप्ताह	मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन (20-25 मिनट)	डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन (40-45 मिनट)	पठन (15-20 मिनट)

गतिविधियाँ	गतिविधियाँ	गतिविधियाँ
• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • मौखिक कहानी सुनाना और चर्चा करना • चित्र चार्ट पर चर्चा • खेल गतिविधि एवं हिंदी शब्दावली विकास की गतिविधियाँ • आड़ी-टेढ़ी रेखाएँ खींचना, चित्र बनाना और किसी चित्र/घटना इत्यादि के बारे में शब्द लिखने का प्रयास करना। • बच्चों के अनुभव को शिक्षक द्वारा शब्द/वाक्य में लिखना	• ध्वनि चेतना की गतिविधियाँ • लेखन अभ्यास • वर्ण/अक्षर पहचान की गतिविधियाँ • सीखे गए वर्ण/मात्रा से बने शब्दों को पढ़ना • अभ्यास पुस्तिका पर डिकोडिंग से संबंधित कार्य (वर्ण/अक्षर/शब्द पठन), अन्य लेखन एवं श्रुतलेख (वर्ण/अक्षर/शब्द लिखना)	• बच्चों को बिग बुक/पुस्तकालय की किताबों से कहानी पढ़कर सुनाना और उस पर चर्चा करना (शिक्षक द्वारा) • लोगोग्राफिक रूप से शब्द पहचान के मौके • बच्चों द्वारा किताबें उलटना- पलटना

सामग्री	सामग्री	सामग्री
पाठ्यपुस्तक, तरिया के दरपन (कविता व कहानी संकलन), चित्र चार्ट, कविता पोस्टर, नोटबुक, पेंसिल और रंग के सामान	अभ्यास पुस्तिका, वर्ण/अक्षर कार्ड, ग्रिड कार्ड, पाठ्यपुस्तक	बिग बुक, कहानियों की किताबें

9. भाषा शिक्षण में उपयोग होने वाली सामग्री

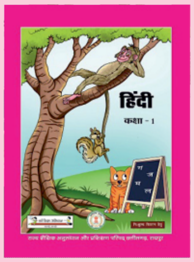

पाठ्यपुस्तक

राज्य की पाठ्यपुस्तक का उपयोग कई तरह की गतिविधियों के लिए किया जाएगा।

अभ्यास पुस्तिका

कक्षा-1 के सभी बच्चों के लिए अभ्यास पुस्तिका उपलब्ध रहेगी, जिसका उपयोग विद्याप्रवेश, डिकोडिंग, पठन और लेखन के लिए किया जाएगा।

बिग बुक

कक्षा-1 में बिग बुक और पुस्तकालय की किताबों का उपयोग मुख्य रूप से बच्चों के साथ साझा पठन, लोगोग्राफिक पठन के लिए किया जाएगा।

कविता पोस्टर

कविता पोस्टर मौखिक भाषा विकास के लिए उपयोगी है, इनका उपयोग प्रिंट रिच वातावरण तैयार करने के लिए किया जाएगा।

चित्र चार्ट

कक्षा-1 में सभी बच्चों के लिए बड़े आकार के चित्र चार्ट का उपयोग मुख्य रूप से बच्चों के साथ मौखिक भाषा विकास की गतिविधियों के लिए किया जाएगा।

तरिया के दरपन

'तरिया के दरपन' में शिक्षकों के लिए छत्तीसगढ़ी और हिंदी भाषा की कविताओं, पहेलियों और कहानियों का संकलन किया गया है। इसके अलावा बच्चों के स्तर की कहानी, कविता सुनाने के लिए पुस्तकालय की किताबों का उपयोग किया जाएगा।

ग	का
आ	र

वर्ण/अक्षर कार्ड

कक्षा-1 में वर्ण/अक्षर कार्ड उपलब्ध रहेंगे। शिक्षक इनका उपयोग बच्चों को वर्ण और अक्षरों की पहचान के लिए करेंगे। इस तरह के वर्ण/अक्षर कार्ड स्कूल स्तर पर भी बनाए जा सकते हैं।

म	मा
प	पा
श	शा
ल	ला

ध	धा
क	का
ह	हा
च	चा

ग	र	म
ग	म	न
न	र	म
त	प	ह

भा	ओ	ली
खा	री	ये
खी	रि	ला
ई	का	जा

ग्रिड कार्ड

कक्षा-1 में ग्रिड कार्ड का उपयोग बच्चों के साथ वर्ण और अक्षर की पहचान के साथ-साथ वर्णों/अक्षरों को जोड़कर शब्द बनाकर पढ़ने के अभ्यास के लिए भी कर सकेंगे।

- इनमें से कुछ सामग्री कक्षा में उपलब्ध रहेगी और कुछ सामग्री बनाने का तरीका आगे के पृष्ठ 16 से 18 पर दिया गया है।

9.1 कक्षा में इस्तेमाल की जाने वाली सामग्री का निर्माण

9.1.1 ग्रिड कार्ड बनाने का तरीका

कक्षा कक्ष में सीखने–सिखाने की प्रक्रिया में ग्रिड कार्ड बच्चों के वर्ण/अक्षर/शब्द पहचान तथा पठन अभ्यास के लिए बहुत उपयोगी हैं। ग्रिड कार्ड की सहायता से बच्चे समूह या खुद से ही सीखने का प्रयास कर सकते हैं। इससे खेल–खेल में ही वर्णों, अक्षरों और शब्दों के पहचान की गतिविधियाँ कराई जा सकती हैं।

ग्रिड के प्रकार :

1. क्रमिक ग्रिड – यह ग्रिड किसी खास मात्रा की पहचान के लिए है।
2. अक्रमिक ग्रिड – इस ग्रिड में सप्ताह में सिखाए गए लक्षित वर्णों/ अक्षरों को लिया जाता है। इसमें दिए वर्णों / अक्षरों को मिलाकर शब्द बनाए भी जा सकते हैं।

ग	गा
म	मा
न	ना
र	रा

ज	जी
न	नी
प	पी
त	ती

क्रमिक ग्रिड

ग	मा	ला	मु
अ	म	जा	क
दी	वा	ल	हा
दा	वी	क	स

अक्रमिक ग्रिड

सामग्री : कार्ड शीट (कोई भी रंग की) स्केल, पेंसिल, स्केच पेन, कैंची, चॉक, ब्लैक बोर्ड

बनाने का तरीका :

- ग्रिड कार्ड बनाने के लिए कार्ड शीट लें और उसे एक बड़े चौकोर आकार में काट लें।
- कार्ड शीट पर स्केल की मदद से (4 x 2) या (3 x 3 या 4 x 4) के खाने बनाएँ।
- कार्ड शीट पर वर्णों/अक्षरों को बड़े आकार में (वर्ण/अक्षर को एक- एक खाने में) लिख लें।
- वर्ण/अक्षर का आकार इतना बड़ा हो कि दूर बैठा बच्चा भी उसे पढ़ सके।

ध्यान रखें :

बच्चों द्वारा उस सप्ताह तक सीखे गए वर्णों/अक्षरों / मात्राओं को ही लें, यह ग्रिड बोर्ड पर भी बनाई जा सकती हैं।

9.1.2 कविता पोस्टर बनाने का तरीका

सामग्री – चार्ट पेपर, गोंद, स्केच पेन /बोल्ड मार्कर पेन

बनाने का तरीका :

- कोई एक कविता चुन लें। चुनी गई कविता से संबंधित चित्र अखबार और पत्रिकाओं से काट लें।
- चार्ट पेपर पर मोटे व स्पष्ट अक्षरों में कविता लिखें।
- संबंधित चित्र रुचि पूर्ण तरीके से इस पर चिपका दें। (यदि चित्र उपलब्ध है तो)
- अगर आप चित्र बना सकते हैं तो स्वयं भी उपयुक्त चित्र बना सकते हैं।
- चार्ट पर ले–आउट इस तरह से करें कि उपयुक्त हिस्सा छोड़कर शेष पूरे चार्ट पेपर का उपयोग हो सके।
- पाठ्यपुस्तक की कविता का पेज प्रदर्शित किए जाने के लिहाज से छोटा है। इसको स्केच पेन या बोल्ड मार्कर पेन से चार्ट पर लिखकर लगाया जा सकता है।

9.1.3 बिग बुक बनाने का तरीका

बिग बुक बड़े-बड़े चित्रों और शब्दों में लिखी रंगीन कहानी की किताब है, जिसके चित्र और शब्द दूर से ही दिख जाते हैं। उस बिग बुक को कक्षा-कक्ष में बातचीत के समय विस्तार से निम्नांकित उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए किया जा सकता है।

- पढ़कर सुनाना और चर्चा
- साझा पठन (शिक्षक और बच्चों का साथ-साथ पढ़ना)
- लोगोग्रफिक पठन
- स्वतंत्र पठन

कहानी का चयन

- कोई छोटी कहानी जो रोचक और सरल हो।
- कहानी में परिचित संदर्भ और पात्र हो और पात्रों की संख्या 2 से 3 ही हो।
- कहानी 8-10 सरल वाक्यों वाली हो।
- अर्थ के मामले में सरल और परिचित शब्दों का इस्तेमाल किया गया हो।

चित्र

- ऐसी किताब का चयन करें जिसके चित्र बड़े और रंगीन हों।
- प्रत्येक पृष्ठ पर एक चित्र हो।
- चित्र बच्चों के लिए स्पष्ट और रोचक हो।
- चित्र का जुड़ाव पाठ से और उस पृष्ठ पर दिए गए वाक्य से हो, जिससे पाठ पर आसानी से समझ बन पाए।
- चित्र और कहानी समावेशी प्रवृत्ति के ही हों।

ध्यान रखें: चित्र को पेज में ऊपर/नीचे की तरफ लगाएँ और शब्दों के लिए भी यही प्रक्रिया अपनाएँ। कहानी की ऐसी किताब अगर नहीं मिलती है, तो आप पुस्तकालय से ऐसी कहानी की किताब खोज लें और कहानी बोर्ड या चार्ट पर लिख कर कार्य करें। बिग बुक बनाते समय शब्दों का आकार इतना बड़ा हो कि 9-10 मीटर की दूरी से भी अच्छी तरह से दिखाई दे और सहजता से पढ़ा जा सके।

बिग बुक की कहानी का एक नमूना:

कवर पृष्ठ

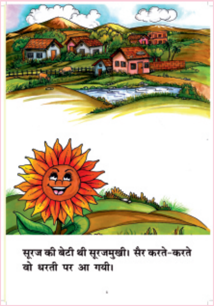

पृष्ठ 1

पृष्ठ 2

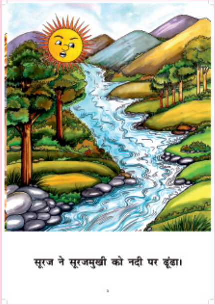

पृष्ठ 3

पृष्ठ 4

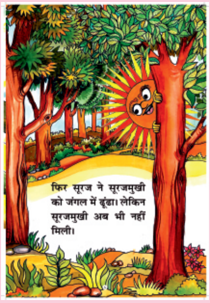

पृष्ठ 5

पृष्ठ 6

पृष्ठ 7

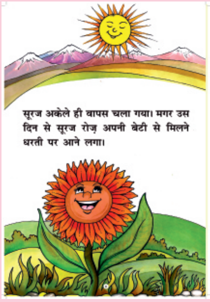

पृष्ठ 8

◀ **बिग बुक का एक उदाहरण देखने व पढ़ने के लिए QR कोड का प्रयोग करें।**

9.1.4 शब्द दीवार/शब्द चार्ट बनाने का तरीका

शब्दों या वाक्यों का समूह जिन्हें चार्ट/कार्ड/ब्लैक बोर्ड पर बड़े अक्षरों में लिखकर कक्षा–कक्ष की दीवारों पर लगाया जाता है। जिसका उपयोग बच्चे पढ़ना सीखने की प्रक्रिया में करते हैं। भाषा शिक्षण के दौरान पढ़ने की विभिन्न गतिविधियों में शब्द दीवार का उपयोग कर सकते हैं।

सामग्री :

- कार्ड / चार्ट शीट, बोल्ड मार्कर/ स्केच पेन/ चॉक
- 20 से 25 शब्दों / वाक्यांशों /वाक्यों की सूची

बनाने का तरीका :

- बोर्ड या बड़े चार्ट पेपर पर बड़े–बड़े अक्षरों में चुने गए शब्द/वाक्यांश/वाक्य लिखें।
- चार्ट पेपर पर लिखे शब्दों /वाक्यांशों /वाक्यों को कक्षा की दीवार पर उस जगह चिपका दें, जहाँ बच्चों की पहुँच हो और बच्चों द्वारा आसानी से देखा और पढ़ा जा सके।

पंखा चरखा बंदर रोटी

बाँट दौड़ अजगर अखबार

मेहनत पिंजरा प्याज कैंची

रहमत के पास एक कैंची थी

राधा को झूलना बहुत पसंद था

पतंग आसमान में लहरा रही थी।

गुड़िया तब गाना सुना रही थी।

ध्यान रखें कि :

- शब्द / वाक्यांश / वाक्य बच्चों के स्तर के अनुसार हो।
- इन शब्दों/वाक्यांशों/वाक्यों का चयन आप पाठ्यपुस्तक/अभ्यास–पुस्तिका/कविता/कहानी आदि से कर सकते हैं।
- पाठ्यपुस्तक/अभ्यास–पुस्तिका में सप्ताहवार आए पाठों से ही शब्दों/वाक्यांशों/वाक्यों का चयन करें।

9.1.5 वर्ण/ अक्षर कार्ड बनाने का तरीका

कक्षा–कक्ष में वर्ण /अक्षर पहचान के लिए वर्ण /अक्षर कार्ड की गतिविधि होती है। यह गतिविधि खेल–खेल में कराई जाती है। जिसमें बच्चे वर्णों/अक्षरों के साथ चित्रात्मक सामंजस्य बैठा पाते हैं।

ना	आ
क	ग

सामग्री– कार्ड, स्केल, पेंसिल, स्केच पेन, कैंची, चॉक, ब्लैक बोर्ड

बनाने का तरीका : वर्ण कार्ड बनाने के लिए शीट पर स्केल से (3 x 3 या 4 x 4) के खाने बनाएँ और काट लें।

कार्ड शीट पर वर्णों/ अक्षरों को स्केच पेन से बड़े आकार में (एक खाने में एक वर्ण) लिख लें।

ध्यान रखें : बच्चों द्वारा उस सप्ताह सीखे गए वर्णों/ अक्षरों को ही लेकर यह गतिविधि बोर्ड पर भी की जा सकती है।

9.1.6 चित्र चार्ट बनाने का तरीका

यदि आपकी कक्षा में चित्र–चार्ट उपलब्ध हैं, तो आप उन्हीं चार्ट का इस्तेमाल करें, अन्यथा चित्र पर चर्चा के लिए निम्नांकित प्रकार से चित्र की व्यवस्था करें।

- कक्षा के बाहर बच्चों को ले जाएँ और आस–पास में दिखाई देने वाली चीज़ों पर चर्चा करें।
- चित्र–चार्ट के लिए पाठ्यपुस्तक/ पुस्तकालय की किताबों से बड़े आकार के चित्र खोजकर चर्चा करें।
- चार्ट पेपर पर एक बड़ा–सा सघन चित्र बनाएँ, जिसमें कई प्रकार की गतिविधियाँ होती दिख रही हों। जैसे– किसी मेले का चित्र, पार्क का चित्र, होली खेलते बच्चे और उनके आस–पास का चित्र आदि।

10. कक्षा-1 में भाषा शिक्षण की वार्षिक योजना

सप्ताह संख्या	किए जाने वाले काम का विवरण
सप्ताह 1 से 6 तक	• उभरती साक्षरता और विद्याप्रवेश की गतिविधियाँ • पाठ्यपुस्तक के पाठों (पाठ सं. 1 से 5 तक) पर काम • अभ्यास पुस्तिका के पाठ 1 से 24 पर कार्य • हिंदी शब्दावली विकास की गतिविधियाँ • बिग बुक/पुस्तकालय की किताबों से कहानी पढ़कर सुनाना और चर्चा • संबंधित लेखन
सप्ताह 7 से 12 तक	• पाठ्यपुस्तक के पाठों (पाठ सं. 6 से 11 तक) पर काम • मौखिक भाषा विकास (अनुभव, चित्र चार्ट पर चर्चा, कहानी पर चर्चा और मौखिक खेल गतिविधियाँ) • अभ्यास पुस्तिका के पाठ 25 से 54 पर कार्य • मार्गदर्शन में पठन
सप्ताह 13 सावधिक पुनरावृत्ति	• सप्ताह 12 तक सीखी हुई दक्षताओं का आकलन और सावधिक पुनरावृत्ति
सप्ताह 14 से 19 तक	• पाठ्यपुस्तक के पाठों (पाठ सं. 12 से 17) पर मौखिक भाषा विकास के अंतर्गत काम • मौखिक भाषा विकास (अनुभव, चित्र चार्ट पर चर्चा, कहानी पर चर्चा और मौखिक खेल गतिविधियाँ) • अभ्यास पुस्तिका के पाठ 55 से 84 पर कार्य • शिक्षक के मार्गदर्शन में पठन और स्वतंत्र पठन
सप्ताह 20 सावधिक पुनरावृत्ति	• सप्ताह 19 तक सीखी हुई दक्षताओं का आकलन और सावधिक पुनरावृत्ति
सप्ताह 21 से 25 तक	• पाठ्यपुस्तक के पाठों (पाठ सं. 18 से 20) पर मौखिक भाषा विकास के अंतर्गत काम • अभ्यास पुस्तिका के पाठ 85 से 109 पर कार्य • शिक्षक के मार्गदर्शन में पठन और स्वतंत्र पठन • मौखिक भाषा विकास (अनुभव, चित्र चार्ट पर चर्चा, कहानी पर चर्चा और मौखिक खेल गतिविधियाँ)
सप्ताह 26	• वार्षिक आकलन एवं पुनरावृत्ति अभ्यास

11. साप्ताहिक शिक्षण योजना की रूपरेखा

सप्ताह 1 से 6

खंड	गतिविधि	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन	पाँचवाँ दिन	छठा दिन
पाठ्यपुस्तक पर कार्य/ मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन (40-45 मिनट)	कविता/बालगीत	✓	✓	✓	✓	✓	✓
	हिंदी शब्दावली विकास की गतिविधियाँ	✓	✓	✓	✓	✓	✓
	पाठ्यपुस्तक पर कार्य	✓	✓	✓			
	अनुभव/चित्र पर कार्य				✓		
	मौखिक रूप से कहानी सुनाना/ कहानी पढ़कर सुनाना और चर्चा					✓	
	मौखिक खेल गतिविधियाँ						✓
	संबंधित लेखन	✓	✓	✓	✓	✓	✓
अभ्यास पुस्तिका/ ध्वनि चेतना एवं संबंधित लेखन (20-25 मिनट)	ध्वनि चेतना की गतिविधियाँ	✓	✓	✓	✓	✓	✓
	अभ्यास पुस्तिका पर कार्य	✓	✓	✓	✓	✓	✓
पठन (15-20 मिनट)	बिग बुक/पुस्तकालय की किताबों से कहानी पढ़कर सुनाना और चर्चा करना (शिक्षक द्वारा)	✓	✓	✓	✓		
	बच्चों द्वारा किताबें उलटना-पलटना					✓	✓

सप्ताह 7 से 26

खंड	गतिविधि	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन	पाँचवाँ दिन	छठा दिन
पाठ्यपुस्तक पर कार्य/ मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन (20-25 मिनट)	कविता/बालगीत	✓	✓	✓	✓	✓	✓
	पाठ्यपुस्तक पर मौखिक एवं लेखन कार्य	✓	✓	✓			
	चित्र चार्ट/अनुभव पर चर्चा एवं लेखन				✓		
	मौखिक रूप से कहानी सुनाना/ कहानी पढ़कर सुनाना और चर्चा					✓	
	मौखिक खेल गतिविधियाँ						✓
अभ्यास पुस्तिका/ डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन (40-45 मिनट)	वर्ण/अक्षर पहचान एवं शब्द/वाक्य पठन	✓	✓	✓	✓		
	डिकोडिंग आधारित खेल	✓	✓	✓	✓		
	अभ्यास पुस्तिका पर कार्य	✓	✓	✓	✓		
	पुनरावृत्ति व आकलन					✓	✓
पठन (15-20 मिनट)	मार्गदर्शन में पठन	✓		✓		✓	
	स्वतंत्र पठन		✓		✓		✓

12. साप्ताहिक व दिवसवार योजना

कक्षा–1 में 26 सप्ताह के शिक्षण कार्य की योजना यहाँ दी गई है, जिसे साप्ताहिक व दिवसवार योजना के रूप में विभाजित किया गया है। दैनिक शिक्षण कार्य तीन अलग–अलग खंडों में होगा। प्रत्येक खंड की प्रस्तावित गतिविधियों पर कैसे काम करना है, इससे संबंधित दिशा–निर्देश संदर्शिका के पृष्ठ 47 पर दिए गए हैं। शिक्षक प्रत्येक दिन की कार्य योजना पूरी होने के बाद ट्रैकर वाले कॉलम के बॉक्स में टिक करें और अपने हस्ताक्षर करके दिनांक लिखें।

खंड 1 : सप्ताह 1 से सप्ताह 6

सप्ताह–1

दिन	मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन (40–45 मिनट)	ध्वनि चेतना एवं संबंधित लेखन (20–25 मिनट)	पठन (15–20 मिनट)	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • हिंदी शब्दावली विकास की गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के चित्र पाठ 'कक्षा का एक दृश्य' पर सामान्य चर्चा एवं संबंधित लेखन	• ध्वनि चेतना: परिवेशीय आवाजों की पहचान • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ–1	• बिग बुक से कहानी पढ़कर सुनाना व सामान्य चर्चा	☑ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • हिंदी शब्दावली विकास की गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के चित्र पाठ 'कक्षा का एक दृश्य' पर विस्तृत चर्चा एवं स्वतंत्र लेखन	• ध्वनि चेतना: परिवेशीय आवाजों की पहचान • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ–1	• बिग बुक से कहानी पढ़कर सुनाना व विस्तृत चर्चा	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • हिंदी शब्दावली विकास की गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के चित्र पाठ 'कक्षा का एक दृश्य' पर समझ आधारित चर्चा एवं साझा लेखन	• ध्वनि चेतना: परिवेशीय आवाजों की पहचान • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ–2	• बिग बुक से साझा पठन	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • हिंदी शब्दावली विकास की गतिविधि • अनुभव पर चर्चा • संबंधित लेखन	• ध्वनि चेतना: तुकांत शब्द बनाना • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ–2	• बिग बुक से लोगोग्राफिक पठन	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • हिंदी शब्दावली विकास की गतिविधि • मौखिक कहानी सुनाना और चर्चा करना • स्वतंत्र लेखन	• ध्वनि चेतना: तुकांत शब्द बनाना • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ–3	• बच्चों को कहानी की किताबें उलटने–पलटने के लिए देना और उन पर चर्चा करना।	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • हिंदी शब्दावली विकास की गतिविधि • मौखिक खेल गतिविधि	• ध्वनि चेतना: तुकांत शब्द बनाना • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ–3	• बच्चों को कहानी की किताबें उलटने–पलटने के लिए देना और उन पर चर्चा करना।	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy

• शिक्षक बालगीत व कविता के लिए स्थानीय कविताओं और लोकगीतों को भी शामिल कर सकते हैं।

सप्ताह-2				
दिन	मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 40-45 मिनट	ध्वनि चेतना एवं संबंधित लेखन 20-25 मिनट	पठन 15-20 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • हिंदी शब्दावली विकास की गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-1 'आम की टोकरी' कविता गाना और चर्चा (बच्चों की भाषा में)	• ध्वनि चेतना: तुकांत शब्द बनाना • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-4	• बिग बुक से कहानी पढ़कर सुनाना व सामान्य चर्चा	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • हिंदी शब्दावली विकास की गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-1 'आम की टोकरी' कविता गाना और चर्चा (बच्चों की भाषा में)	• ध्वनि चेतना: तुकांत शब्द बनाना • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-4	• बिग बुक से कहानी पढ़कर सुनाना व विस्तृत चर्चा	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • हिंदी शब्दावली विकास की गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-1 'आम की टोकरी' कविता गाना और चर्चा (हिंदी भाषा में)	• ध्वनि चेतना: वाक्य में शब्द पहचान • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-5	• बिग बुक से साझा पठन	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • हिंदी शब्दावली विकास की गतिविधि • चित्र पर कार्य • स्वतंत्र लेखन	• ध्वनि चेतना: वाक्य में शब्द पहचान • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-5	• बिग बुक - लोगोग्राफिक पठन	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत • हिंदी शब्दावली विकास की गतिविधि • कहानी पढ़कर सुनाना और चर्चा करना • स्वतंत्र लेखन	• ध्वनि चेतना: शब्दों में ध्वनि पहचान • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-6	• बच्चों को कहानी की किताबें उलटने-पलटने के लिए देना और उन पर चर्चा करना।	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • हिंदी शब्दावली विकास की गतिविधि • मौखिक खेल गतिविधि	• ध्वनि चेतना: शब्दों में ध्वनि पहचान • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-6	• बच्चों को कहानी की किताबें उलटने-पलटने के लिए देना और उन पर चर्चा करना।	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy

* सप्ताह 2 में मौखिक भाषा विकास के साथ-साथ संबंधित लेखन की गतिविधियाँ प्रतिदिन करवाएँ।

* शिक्षक कहानी को बच्चों की भाषा में भी सुनाएँ अथवा अन्य स्थानीय कहानी का भी उपयोग कर सकते हैं।

सप्ताह-3				
दिन	मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 40-45 मिनट	ध्वनि चेतना एवं संबंधित लेखन 20-25 मिनट	पठन 15-20 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • हिंदी शब्दावली विकास की गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-2 'चार चने' कविता गाना और चर्चा (बच्चों की भाषा में) • संबंधित लेखन	• ध्वनि चेतना: तुकांत शब्द बनाना • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-7	• बिग बुक से कहानी पढ़कर सुनाना व सामान्य चर्चा	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • हिंदी शब्दावली विकास की गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-2 'चार चने' कविता गाना और चर्चा (बच्चों की भाषा में) • संबंधित लेखन	• ध्वनि चेतना: तुकांत शब्द बनाना • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-7	• बिग बुक से कहानी पढ़कर सुनाना व विस्तृत चर्चा	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • हिंदी शब्दावली विकास की गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-2 'चार चने' कविता गाना और चर्चा (हिंदी भाषा में) • संबंधित लेखन	• ध्वनि चेतना: शब्दों में ध्वनि पहचान • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-8	• बिग बुक से साझा पठन	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • हिंदी शब्दावली विकास की गतिविधि • अनुभव पर चर्चा • संबंधित लेखन	• ध्वनि चेतना: शब्दों में प्रथम ध्वनि की पहचान • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-8	• बिग बुक - लोगोग्राफिक पठन	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत • हिंदी शब्दावली विकास की गतिविधि • मौखिक कहानी सुनाना और चर्चा करना • स्वतंत्र लेखन	• ध्वनि चेतना: शब्दों में प्रथम ध्वनि की पहचान • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-9	• बच्चों को कहानी की किताबें उलटने-पलटने के लिए देना और उन पर चर्चा करना।	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • हिंदी शब्दावली विकास की गतिविधि • मौखिक खेल गतिविधि	• ध्वनि चेतना: शब्दों में प्रथम ध्वनि की पहचान • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-9	• बच्चों को कहानी की किताबें उलटने-पलटने के लिए देना और उन पर चर्चा करना।	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy

* हिंदी शब्दावली विकास की गतिविधियों के लिए शिक्षक संदर्शिका का पृष्ठ-46 देखें।

सप्ताह-4				
दिन	मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 40-45 मिनट	ध्वनि चेतना एवं संबंधित लेखन 20-25 मिनट	पठन 15-20 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • हिंदी शब्दावली विकास की गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-3 'चूहो! म्याऊँ सो रही है' कविता गाना और चर्चा (बच्चों की भाषा में)	• ध्वनि चेतना: तुकांत शब्द बनाना • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-10	• बिग बुक से कहानी पढ़कर सुनाना व सामान्य चर्चा	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • हिंदी शब्दावली विकास की गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-3 'चूहो! म्याऊँ सो रही है' कविता गाना और चर्चा (बच्चों की भाषा में) और गतिविधि 1 पर मौखिक कार्य	• ध्वनि चेतना: तुकांत शब्द बनाना • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-10	• बिग बुक से कहानी पढ़कर सुनाना व विस्तृत चर्चा	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • हिंदी शब्दावली विकास की गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-3 'चूहो! म्याऊँ सो रही है' कविता गाना और चर्चा (हिंदी भाषा में) और गतिविधि 2 पर मौखिक कार्य	• ध्वनि चेतना: शब्दों में ध्वनि पहचान • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-11	• बिग बुक से साझा पठन	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • हिंदी शब्दावली विकास की गतिविधि • चित्र पर चर्चा • संबंधित लेखन	• ध्वनि चेतना: शब्दों में प्रथम ध्वनि की पहचान • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-11	• बिग बुक - लोगोग्राफिक पठन	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत • हिंदी शब्दावली विकास की गतिविधि • कहानी पढ़कर सुनाना और चर्चा करना • संबंधित लेखन	• ध्वनि चेतना: शब्दों में प्रथम ध्वनि की पहचान • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-12	• बच्चों को कहानी की किताबें उलटने-पलटने के लिए देना और उन पर चर्चा करना।	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • हिंदी शब्दावली विकास की गतिविधि • मौखिक खेल गतिविधि • संबंधित लेखन	• ध्वनि चेतना: शब्दों में प्रथम ध्वनि की पहचान • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-12	• बच्चों को कहानी की किताबें उलटने-पलटने के लिए देना और उन पर चर्चा करना।	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

* सप्ताह 4 में मौखिक भाषा विकास के साथ-साथ संबंधित लेखन की गतिविधियाँ प्रतिदिन करवाएँ।

सप्ताह-5				
दिन	मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 40-45 मिनट	ध्वनि चेतना एवं संबंधित लेखन 20-25 मिनट	पठन 15-20 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • हिंदी शब्दावली विकास की गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-3 'चूहो! म्याऊँ सो रही है' कविता गाना और चर्चा (बच्चों की भाषा में) और गतिविधि 1 पर मौखिक कार्य	• ध्वनि चेतना: शब्दों में ध्वनि पहचान • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-13	• बिग बुक से कहानी पढ़कर सुनाना व सामान्य चर्चा	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • हिंदी शब्दावली विकास की गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-3 'चूहो! म्याऊँ सो रही है' कविता गाना और चर्चा (बच्चों की स्थानीय भाषा में) और गतिविधि 2 पर मौखिक कार्य	• ध्वनि चेतना: प्रथम ध्वनि की पहचान • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-14	• बिग बुक से कहानी पढ़कर सुनाना व विस्तृत चर्चा	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • हिंदी शब्दावली विकास की गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-3 'चूहो! म्याऊँ सो रही है' कविता गाना और चर्चा (हिंदी भाषा में) और गतिविधि 3 पर मौखिक कार्य	• ध्वनि चेतना: प्रथम ध्वनि की पहचान • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-15	• बिग बुक से साझा पठन	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • हिंदी शब्दावली विकास की गतिविधि • अनुभव पर चर्चा • संबंधित लेखन	• ध्वनि चेतना: शब्दों में प्रथम ध्वनि की पहचान • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-16	• बिग बुक - लोगोग्राफिक पठन	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत • हिंदी शब्दावली विकास की गतिविधि • मौखिक कहानी सुनाना और चर्चा करना • संबंधित लेखन	• ध्वनि चेतना: शब्दों में प्रथम ध्वनि की पहचान • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-17	• बच्चों को कहानी की किताबें उलटने-पलटने के लिए देना और उन पर चर्चा करना।	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • हिंदी शब्दावली विकास की गतिविधि • मौखिक खेल गतिविधि • संबंधित लेखन	• ध्वनि चेतना: तुकांत शब्द बनाना • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-18	• बच्चों को कहानी की किताबें उलटने-पलटने के लिए देना और उन पर चर्चा करना।	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy

* सप्ताह 5 में मौखिक भाषा विकास के साथ-साथ संबंधित लेखन की गतिविधियाँ प्रतिदिन करवाएँ।

* 'चूहो! म्याऊँ सो रही है' कविता पर सप्ताह 4 व 5 काम करवाएँ।

सप्ताह-6				
दिन	मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 40-45 मिनट	ध्वनि चेतना एवं संबंधित लेखन 20-25 मिनट	पठन 15-20 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • हिंदी शब्दावली विकास की गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-4 'पगड़ी' कविता गाना और चर्चा (बच्चों की भाषा में)	• ध्वनि चेतना: प्रथम ध्वनि की पहचान • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-19	• बिग बुक से कहानी पढ़कर सुनाना व सामान्य चर्चा	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • हिंदी शब्दावली विकास की गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-4 'पगड़ी' कविता गाना और चर्चा (बच्चों की भाषा में) और पृष्ठ 9 की गतिविधि पर कार्य	• ध्वनि चेतना: प्रथम ध्वनि की पहचान • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-20	• बिग बुक से कहानी पढ़कर सुनाना व विस्तृत चर्चा	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • हिंदी शब्दावली विकास की गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-4 'पगड़ी' कविता गाना और चर्चा (हिंदी भाषा में) और पृष्ठ 9 व 10 की गतिविधि पर कार्य	• ध्वनि चेतना: शब्दों में प्रथम ध्वनि की पहचान • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-21	• बिग बुक से साझा पठन	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • हिंदी शब्दावली विकास की गतिविधि • अनुभव पर चर्चा • संबंधित लेखन	• ध्वनि चेतना: शब्दों में प्रथम ध्वनि की पहचान • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-22	• बिग बुक - लोगोग्राफिक पठन	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत • हिंदी शब्दावली विकास की गतिविधि • कहानी पढ़कर सुनाना और चर्चा करना • संबंधित लेखन	• ध्वनि चेतना: शब्दों में प्रथम ध्वनि की पहचान • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-23	• बच्चों को कहानी की किताबें उलटने-पलटने के लिए देना और उन पर चर्चा करना।	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • हिंदी शब्दावली विकास की गतिविधि • मौखिक खेल गतिविधि • संबंधित लेखन	• ध्वनि चेतना: तुकांत शब्द बनाना • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-24	• बच्चों को कहानी की किताबें उलटने-पलटने के लिए देना और उन पर चर्चा करना।	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

• शिक्षक कहानी सुनाने के लिए स्थानीय कहानिओं और लोककथाओं को भी शामिल कर सकते हैं।

खंड 2 : सप्ताह 7 से सप्ताह 26

सप्ताह-7				
दिन	मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 20-25 मिनट	डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 40-45 मिनट	पठन 15-20 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-5 'गमला' कविता गाना और चर्चा (बच्चों की भाषा में) और गतिविधि 1 पर कार्य	• 'ग' वर्ण पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-25	• बिग बुक से कहानी पढ़कर सुनाना व सामान्य चर्चा	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-5 'गमला' कविता गाना और चर्चा (बच्चों की भाषा में) और गतिविधि 2 पर कार्य	• 'ग' वर्ण पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-26	• बिग बुक से कहानी पढ़कर सुनाना व विस्तृत चर्चा	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-5 'गमला' कविता गाना और चर्चा (हिंदी भाषा में) और गतिविधि 4 से 6 पर कार्य	• 'म' वर्ण पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-27	• बिग बुक से साझा पठन	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • चित्र-चार्ट पर चर्चा • संबंधित लेखन	• 'म' वर्ण पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-28	• बिग बुक - लोगोग्राफिक पठन	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत • मौखिक कहानी सुनाना और चर्चा करना	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य - पाठ-29 (साप्ताहिक पुनरावृत्ति)	• बच्चों को कहानी की किताबें उलटने-पलटने के लिए देना और उन पर चर्चा करना।	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • मौखिक खेल गतिविधि	• अभ्यास पुस्तिका - 'मैंने सीख लिया' (साप्ताहिक आकलन) • समूह-1 के बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से पुनरावृत्ति कार्य	• समूह-2 के बच्चों को कहानी की किताबें उलटने-पलटने के लिए देना और उन पर चर्चा करना।	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

• डिकोडिंग खेल गतिविधियों के लिए शिक्षक संदर्शिका के पृष्ठ सं 64–65 देखें।

सप्ताह-8				
दिन	मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 20-25 मिनट	डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 40-45 मिनट	पठन 15-20 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-5 'गमला' कविता गाना और चर्चा (बच्चों की भाषा में) और गतिविधि 6 पर कार्य	• 'न' वर्ण पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-30	• बिग बुक से कहानी पढ़कर सुनाना व सामान्य चर्चा	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-5 'गमला' कविता गाना और चर्चा (बच्चों की भाषा में) और गतिविधि 7, 8 व 9 पर कार्य	• 'न' वर्ण पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-31	• बिग बुक से कहानी पढ़कर सुनाना व विस्तृत चर्चा	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-5 'गमला' कविता गाना और चर्चा (हिंदी भाषा में) और गतिविधि 10 व 11 पर कार्य	• 'र' वर्ण पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-32	• बिग बुक से साझा पठन	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत • अनुभव पर चर्चा	• 'र' वर्ण पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-33	• बिग बुक - लोगोग्राफिक पठन	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत • कहानी पढ़कर सुनाना और चर्चा करना	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य - पाठ-34 (साप्ताहिक पुनरावृत्ति)	• बच्चों को कहानी की किताबें उलटने-पलटने के लिए देना और उन पर चर्चा करना।	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • मौखिक खेल गतिविधि	• अभ्यास पुस्तिका - 'मैंने सीख लिया' (साप्ताहिक आकलन) • समूह-1 के बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से पुनरावृत्ति कार्य	• समूह-2 के बच्चों को कहानी की किताबें उलटने-पलटने के लिए देना और उन पर चर्चा करना।	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

• वर्ण/अक्षर/शब्द पहचान पर कार्य करने का तरीका शिक्षक संदर्शिका के पृष्ठ सं. 62 पर दिया गया है।

सप्ताह-9				
दिन	मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 20-25 मिनट	डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 40-45 मिनट	पठन 15-20 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-6 'अनार' कविता गाना और चर्चा (बच्चों की भाषा में) और पृष्ठ 20 पर चर्चा	• 'क' वर्ण पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-35	• बिग बुक से कहानी पढ़कर सुनाना व सामान्य चर्चा	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-6 'अनार' कविता गाना और चर्चा (बच्चों की भाषा में) और गतिविधि 1 पर कार्य	• 'क' वर्ण पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-36	• बिग बुक से कहानी पढ़कर सुनाना व विस्तृत चर्चा	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-6 'अनार' कविता गाना और चर्चा (हिंदी भाषा में) और गतिविधि 2 व 3 पर कार्य	• 'आ' वर्ण पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-37	• बिग बुक से साझा पठन	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत • चित्र चार्ट पर चर्चा	• 'आ' वर्ण पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-38	• बिग बुक - लोगोग्राफिक पठन	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत • मौखिक कहानी सुनाना और चर्चा करना	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य - पाठ-39 (साप्ताहिक पुनरावृत्ति)	• बच्चों को कहानी की किताबें उलटने-पलटने के लिए देना और उन पर चर्चा करना।	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • मौखिक खेल गतिविधि	• अभ्यास पुस्तिका - 'मैंने सीख लिया' (साप्ताहिक आकलन) • समूह-1 के बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से पुनरावृत्ति कार्य	• समूह-2 के बच्चों को कहानी की किताबें उलटने-पलटने के लिए देना और उन पर चर्चा करना।	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

• वर्णों/अक्षरों को जोड़कर शब्द बनाने का तरीका शिक्षक संदर्शिका के पृष्ठ सं. 63 पर दिया गया है।

सप्ताह-10				
दिन	मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 20-25 मिनट	डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 40-45 मिनट	पठन 15-20 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-6 'अनार' कविता गाना और चर्चा (बच्चों की भाषा में) और गतिविधि 4 व 5 पर कार्य	• 'ा' मात्रा पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-40	• बिग बुक से कहानी पढ़कर सुनाना व सामान्य चर्चा	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-6 'अनार' कविता गाना और चर्चा (बच्चों की भाषा में) और गतिविधि 6 व 7 पर कार्य	• 'ा' मात्रा पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-41	• बिग बुक से कहानी पढ़कर सुनाना व विस्तृत चर्चा	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-6 'अनार' कविता गाना और चर्चा (हिंदी भाषा में) और गतिविधि 8, 9 व 10 पर कार्य	• 'ा' मात्रा पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-42	• बिग बुक से साझा पठन	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत • अनुभव पर चर्चा	• 'ा' मात्रा पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-43	• बिग बुक से लोगोग्राफिक पठन	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत • कहानी पढ़कर सुनाना और चर्चा करना	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य – पाठ-44 (साप्ताहिक पुनरावृत्ति)	• बच्चों को कहानी की किताबें उलटने-पलटने के लिए देना और उन पर चर्चा करना।	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • मौखिक खेल गतिविधि	• अभ्यास पुस्तिका – 'मैंने सीख लिया' (साप्ताहिक आकलन) • समूह-1 के बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से पुनरावृत्ति कार्य	• समूह-2 के बच्चों को कहानी की किताबें उलटने-पलटने के लिए देना और उन पर चर्चा करना।	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

• जहाँ भी ग्रिड पर कार्य दिया गया है, वहाँ अब तक सीखे गए वर्ण मात्रा का उपयोग कर बोर्ड पर ग्रिड बनाकर कार्य करवाएँ।

सप्ताह–11				
दिन	मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 20–25 मिनट	डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 40–45 मिनट	पठन 15–20 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ–7 'राजा आ' कविता गाना और चर्चा (बच्चों की भाषा में) और गतिविधि 1 पर कार्य	• 'स' वर्ण पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ–45	• शब्द दीवार/ शब्द चार्ट से मार्गदर्शन में पठन	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ–7 'राजा आ' कविता गाना और चर्चा (बच्चों की भाषा में) और गतिविधि 2 व 3 पर कार्य	• 'ज' वर्ण पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ–46	• शब्द दीवार/ शब्द चार्ट से मार्गदर्शन में पठन	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ–7 'राजा आ' कविता गाना और चर्चा (हिंदी भाषा में) और गतिविधि 4, 5 व 6 पर कार्य	• डिकोडिंग का खेल • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ–47	• शब्द दीवार/ शब्द चार्ट से मार्गदर्शन में पठन	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत • चित्र चार्ट पर चर्चा	• 'ल' वर्ण पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ–48	• शब्द दीवार/ शब्द चार्ट से मार्गदर्शन में पठन	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत • मौखिक कहानी सुनाना और चर्चा करना	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ–49 (साप्ताहिक पुनरावृत्ति)	• बच्चों को कहानी की किताबें उलटने–पलटने के लिए देना और उन पर चर्चा करना।	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • मौखिक खेल गतिविधि	• अभ्यास पुस्तिका – 'मैंने सीख लिया' (साप्ताहिक आकलन) • समूह–1 के बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से पुनरावृत्ति कार्य	• समूह–2 के बच्चों को कहानी की किताबें उलटने–पलटने के लिए देना और उन पर चर्चा करना।	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

• जहाँ भी ग्रिड पर कार्य दिया गया है, वहाँ अब तक सीखे गए वर्ण मात्रा का उपयोग कर बोर्ड पर ग्रिड बनाकर कार्य करवाएँ।

• शब्द दीवार/ शब्द चार्ट बनाए और उन पर मार्गदर्शन में पढ़ने का अभ्यास कराएँ।

सप्ताह–12				
दिन	मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 20–25 मिनट	डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 40–45 मिनट	पठन 15–20 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ–8 'इमली–ईख' कविता गाना और चर्चा (बच्चों की भाषा में) और गतिविधि 1 पर कार्य	• 'त' वर्ण पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ–50	• शब्द दीवार/ शब्द चार्ट से मार्गदर्शन में पठन	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ–8 'इमली–ईख' कविता गाना और चर्चा (बच्चों की भाषा में) और गतिविधि 2, 3 व 4 पर कार्य	• 'प' वर्ण पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ–51	• शब्द दीवार/ शब्द चार्ट से मार्गदर्शन में पठन	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ–8 'इमली–ईख' कविता गाना और चर्चा (हिंदी भाषा में) और गतिविधि 5, 6 व 7 पर कार्य	• ' ि ' मात्रा पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ–52	• शिक्षक के मार्गदर्शन में पठन:अभ्यास पुस्तिका (खंड–2) के पठन अभ्यास पर कार्य • शब्द दीवार/ शब्द चार्ट से मार्गदर्शन में पठन	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत • अनुभव पर चर्चा	• ' ि ' मात्रा पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ–53	• शिक्षक के मार्गदर्शन में पठन:अभ्यास पुस्तिका (खंड–2) के पठन अभ्यास पर कार्य • शब्द दीवार/ शब्द चार्ट से मार्गदर्शन में पठन	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत • कहानी पढ़कर सुनाना और चर्चा करना	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य – पाठ–54 (साप्ताहिक पुनरावृत्ति)	• बच्चों को कहानी की किताबें उलटने–पलटने के लिए देना और उन पर चर्चा करना।	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • मौखिक खेल गतिविधि	• अभ्यास पुस्तिका – 'मैंने सीख लिया' (साप्ताहिक आकलन) • समूह–1 के बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से पुनरावृत्ति कार्य	• समूह–2 के बच्चों को कहानी की किताबें उलटने–पलटने के लिए देना और उन पर चर्चा करना।	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

नोट: जहाँ भी ग्रिड पर कार्य दिया गया है, वहाँ अब तक सीखे गए वर्ण मात्रा का उपयोग कर बोर्ड पर कोई नई ग्रिड बनाकर कार्य करवाएँ।

सप्ताह-13				
दिन	मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 20-25 मिनट	डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 40-45 मिनट	पठन 15-20 मिनट	ट्रैकर
		आकलन और स्तरानुसार पुनरावृत्ति		
1	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-8 'इमली-ईख' कविता गाना और चर्चा (बच्चों की भाषा में) और गतिविधि 8 व 9 पर कार्य	• आकलन • बिग बुक से कहानी पढ़कर सुनाना व सामान्य चर्चा		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-8 'इमली-ईख' कविता गाना और चर्चा (बच्चों की भाषा में) और गतिविधि 10 व 11 पर कार्य	• आकलन • बिग बुक से कहानी पढ़कर सुनाना व विस्तृत चर्चा		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-8 'इमली-ईख' कविता गाना और चर्चा (हिंदी भाषा में) और गतिविधि 12 पर कार्य	• पुनरावृत्ति व उपचारात्मक कार्य • शिक्षक के मार्गदर्शन में पठनः अभ्यास पुस्तिका (खंड-2) के पठन अभ्यास पर कार्य		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • चित्र चार्ट पर चर्चा • संबंधित लेखन	• पुनरावृत्ति व उपचारात्मक कार्य • शिक्षक के मार्गदर्शन में पठनः अभ्यास पुस्तिका (खंड-2) के पठन अभ्यास पर कार्य		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत • कहानी पढ़कर सुनाना और चर्चा करना	• पुनरावृत्ति व उपचारात्मक कार्य		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• पाठ्यपुस्तक के चित्र पाठ 'यह स्कूल में किस समय का दृश्य है' पर बच्चों से मौखिक चर्चा (हिंदी में)	• मैंने सीख लिया		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

- इन गतिविधियों के दौरान अनौपचारिक आकलन और स्तरानुसार पुनरावृत्ति कार्य करवाएँ।
- शिक्षक पाठ्यपुस्तक में आए वर्ण / अक्षर / शब्द गतिविधियों का अभ्यास करवाएँ।

सप्ताह-14				
दिन	मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 20-25 मिनट	डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 40-45 मिनट	पठन 15-20 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-10 'उल्लू आया' कविता गाना और चर्चा (बच्चों की भाषा में)	• 'ह' वर्ण पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-55	• शब्द दीवार/ शब्द चार्ट से मार्गदर्शन में पठन	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-10 'उल्लू आया' कविता गाना और चर्चा (बच्चों की भाषा में) और गतिविधि 1 व 2 पर कार्य	• 'ई' वर्ण पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-56	• शब्द दीवार/ शब्द चार्ट से मार्गदर्शन में पठन	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-10 'उल्लू आया' कविता गाना और चर्चा (हिंदी भाषा में) और गतिविधि 3, 4, 5 व 6 पर कार्य	• 'ा' और 'ि' मात्रा पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-57	• शिक्षक के मार्गदर्शन में पठन: अभ्यास पुस्तिका (खंड-2) के पठन अभ्यास पर कार्य • शब्द दीवार/ शब्द चार्ट से मार्गदर्शन में पठन	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • अनुभव पर चर्चा	• 'ब' वर्ण पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-58	• शिक्षक के मार्गदर्शन में पठन: अभ्यास पुस्तिका (खंड-2) के पठन अभ्यास पर कार्य • शब्द दीवार/ शब्द चार्ट से मार्गदर्शन में पठन	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • कहानी पढ़कर सुनाना और चर्चा करना	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य - पाठ-59 (साप्ताहिक पुनरावृत्ति)	• बच्चों को कहानी की किताबें उलटने-पलटने के लिए देना और उन पर चर्चा करना।	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • मौखिक खेल गतिविधि	• अभ्यास पुस्तिका - 'मैंने सीख लिया' (साप्ताहिक आकलन) • समूह-1 के बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से पुनरावृत्ति कार्य	• समूह-2 के बच्चों को कहानी की किताबें उलटने-पलटने के लिए देना और उन पर चर्चा करना।	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

नोट: जहाँ भी ग्रिड पर कार्य दिया गया है, वहाँ अब तक सीखे गए वर्ण मात्रा का उपयोग कर बोर्ड पर कोई नई ग्रिड बनाकर कार्य करवाएँ।

सप्ताह–15				
दिन	मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 20–25 मिनट	डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 40–45 मिनट	पठन 15–20 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ–11 'लालू और पीलू' पर चर्चा (बच्चों की भाषा में)	• 'व' वर्ण पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ–60	• शिक्षक के मार्गदर्शन में पठन: अभ्यास पुस्तिका (खंड–2) से पाठ–1 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ–11 'लालू और पीलू' पर चर्चा (बच्चों की भाषा में) और गतिविधि 1, 3 व 4 पर कार्य	• 'ट' वर्ण पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ–61	• स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका (खंड–2) से पाठ–1 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ–11 'लालू और पीलू' पर चर्चा (हिंदी भाषा में) और गतिविधि 5, 6, 7 व 9 पर कार्य	• ' े ' मात्रा पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ–62	• शिक्षक के मार्गदर्शन में पठन: अभ्यास पुस्तिका (खंड–2) से पाठ–2 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत • चित्र चार्ट पर चर्चा	• ' े ' मात्रा पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ–63	• स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका (खंड–2) से पाठ–2 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत • मौखिक कहानी सुनाना और चर्चा करना	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य – पाठ–64 (साप्ताहिक पुनरावृत्ति)	• शिक्षक के मार्गदर्शन में पठन: अभ्यास पुस्तिका (खंड–2) से पाठ–3 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • मौखिक खेल गतिविधि	• अभ्यास पुस्तिका – 'मैंने सीख लिया' (साप्ताहिक आकलन) • समूह–1 के बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से पुनरावृत्ति कार्य	• समूह–2 के बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन : अभ्यास पुस्तिका (खंड–2) से पाठ–3, छोटी कहानी या पुस्तकालय की किताबों का पठन	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

सप्ताह-16

दिन	मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन (20-25 मिनट)	डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन (40-45 मिनट)	पठन (15-20 मिनट)	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-12 'बंदर आया' कविता गाना और चर्चा (बच्चों की भाषा में)	• 'इ' वर्ण पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-65	• शिक्षक के मार्गदर्शन में पठन: अभ्यास पुस्तिका (खंड-2) से पाठ-4 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-12 'बंदर आया' कविता गाना और चर्चा (बच्चों की भाषा में) व गतिविधि 5, 6 व 7 पर कार्य	• 'द' वर्ण पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-66	• स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका (खंड-2) से पाठ-4 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-12 'बंदर आया' कविता गाना और चर्चा (हिंदी भाषा में) और गतिविधि 9 व 10 पर कार्य	• 'ि' मात्रा पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-67	• शिक्षक के मार्गदर्शन में पठन: अभ्यास पुस्तिका (खंड-2) से पाठ-5 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत • अनुभव पर चर्चा	• 'ि' मात्रा पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-68	• स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका (खंड-2) से पाठ-5 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत • कहानी पढ़कर सुनाना और चर्चा करना	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य – पाठ-69 (साप्ताहिक पुनरावृत्ति)	• शिक्षक के मार्गदर्शन में पठन: अभ्यास पुस्तिका (खंड-2) से पाठ-6 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • मौखिक खेल गतिविधि	• अभ्यास पुस्तिका – 'मैंने सीख लिया' (साप्ताहिक आकलन) • समूह-1 के बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से पुनरावृत्ति कार्य	• समूह-2 के बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन : अभ्यास पुस्तिका (खंड-2) से पाठ-6, छोटी कहानी या पुस्तकालय की किताबों का पठन	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

नोट: जहाँ भी ग्रिड पर कार्य दिया गया है, वहाँ अब तक सीखे गए वर्ण मात्रा का उपयोग कर बोर्ड पर कोई नई ग्रिड बनाकर कार्य करवाएँ।

सप्ताह-17				
दिन	मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 20-25 मिनट	डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 40-45 मिनट	पठन 15-20 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-13 'मेला' कविता गाना और चर्चा (बच्चों की भाषा में)	• 'अ' वर्ण पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-70	• शिक्षक के मार्गदर्शन में पठन: अभ्यास पुस्तिका (खंड-2) से पाठ-7 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-13 'मेला' कविता गाना और चर्चा (बच्चों की भाषा में) और गतिविधि 6 पर कार्य	• 'च' वर्ण पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-71	• स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका (खंड-2) से पाठ-7 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-13 'मेला' कविता गाना और चर्चा (हिंदी भाषा में) और गतिविधि 7 पर कार्य	• 'ि' मात्रा पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-72	• शिक्षक के मार्गदर्शन में पठन: अभ्यास पुस्तिका (खंड-2) से पाठ-8 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत • चित्र चार्ट पर चर्चा	• 'ि' मात्रा पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-73	• स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका (खंड-2) से पाठ-8 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत • कहानी पढ़कर सुनाना और चर्चा करना	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य - पाठ-74 (साप्ताहिक पुनरावृत्ति)	• शिक्षक के मार्गदर्शन में पठन: अभ्यास पुस्तिका (खंड-2) से पाठ-9 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • मौखिक खेल गतिविधि	• अभ्यास पुस्तिका - 'मैंने सीख लिया' (साप्ताहिक आकलन) • समूह-1 के बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से पुनरावृत्ति कार्य	• समूह-2 के बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन : अभ्यास पुस्तिका (खंड-2) से पाठ-9, छोटी कहानी या पुस्तकालय की किताबों का पठन	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

नोट: जहाँ भी ग्रिड पर कार्य दिया गया है, वहाँ अब तक सीखे गए वर्ण मात्रा का उपयोग कर बोर्ड पर कोई नई ग्रिड बनाकर कार्य करवाएँ।

सप्ताह-18				
दिन	मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 20-25 मिनट	डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 40-45 मिनट	पठन 15-20 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-14 'ओढ़नी' कविता गाना और चर्चा (बच्चों की भाषा में)	• 'उ' वर्ण पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-75	• शिक्षक के मार्गदर्शन में पठन: अभ्यास पुस्तिका (खंड-2) से पाठ-10 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-14 'ओढ़नी' कविता गाना और चर्चा (बच्चों की भाषा में)	• 'ख' वर्ण पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-76	• स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका (खंड-2) से पाठ-10 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-14 'ओढ़नी' कविता गाना और चर्चा (हिंदी भाषा में)	• 'ए ' वर्ण पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-77	• शिक्षक के मार्गदर्शन में पठन: अभ्यास पुस्तिका (खंड-2) से पाठ-11 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत • अनुभव पर चर्चा	• 'ओ' वर्ण पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-78	• स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका (खंड-2) से पाठ-11 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत • कहानी पढ़कर सुनाना और चर्चा करना	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य - पाठ-79 (साप्ताहिक पुनरावृत्ति)	• शिक्षक के मार्गदर्शन में पठन: अभ्यास पुस्तिका (खंड-2) से पाठ-12 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • मौखिक खेल गतिविधि	• अभ्यास पुस्तिका - 'मैंने सीख लिया' (साप्ताहिक आकलन) • समूह-1 के बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से पुनरावृत्ति कार्य	• समूह-2 के बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन : अभ्यास पुस्तिका (खंड-2) से पाठ-12, छोटी कहानी या पुस्तकालय की किताबों का पठन	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy

नोट: जहाँ भी ग्रिड पर कार्य दिया गया है, वहाँ अब तक सीखे गए वर्ण मात्रा का उपयोग कर बोर्ड पर कोई नई ग्रिड बनाकर कार्य करवाएँ।

सप्ताह-19				
दिन	मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 20-25 मिनट	डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 40-45 मिनट	पठन 15-20 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-15 'खिलौने वाला' कविता गाना और चर्चा (बच्चों की भाषा में)	• ' ु ' की मात्रा पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-80	• शिक्षक के मार्गदर्शन में पठन: अभ्यास पुस्तिका (खंड-2) से पाठ-13 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-15 'खिलौने वाला' कविता गाना और चर्चा (बच्चों की भाषा में) गतिविधि 4 पर कार्य	• 'फ' वर्ण पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-81	• स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका (खंड-2) से पाठ-13 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-15 'खिलौने वाला' कविता गाना और चर्चा (हिंदी भाषा में) व गतिविधि 5 पर कार्य	• 'ध' वर्ण पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-82	• शिक्षक के मार्गदर्शन में पठन: अभ्यास पुस्तिका (खंड-2) से पाठ-14 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत • चित्र चार्ट पर चर्चा	• 'भ' वर्ण पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-83	• स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका (खंड-2) से पाठ-14 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत • कहानी पढ़कर सुनाना और चर्चा करना	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य - पाठ-84 (साप्ताहिक पुनरावृत्ति)	• शिक्षक के मार्गदर्शन में पठन: अभ्यास पुस्तिका (खंड-2) से पाठ-15 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • मौखिक खेल गतिविधि	• अभ्यास पुस्तिका - 'मैंने सीख लिया' (साप्ताहिक आकलन) • समूह-1 के बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से पुनरावृत्ति कार्य	• समूह-2 के बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन : अभ्यास पुस्तिका (खंड-2) से पाठ-15, छोटी कहानी या पुस्तकालय की किताबों का पठन	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

नोट: जहाँ भी ग्रिड पर कार्य दिया गया है, वहाँ अब तक सीखे गए वर्ण मात्रा का उपयोग कर बोर्ड पर कोई नई ग्रिड बनाकर कार्य करवाएँ।

सप्ताह-20				
दिन	मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 20-25 मिनट	डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 40-45 मिनट / पठन 15-20 मिनट — आकलन और स्तरानुसार पुनरावृत्ति		ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-16 'झंडा' कविता गाना और चर्चा (बच्चों की भाषा में)	• आकलन • शिक्षक के मार्गदर्शन में पठन: अभ्यास पुस्तिका (खंड-2) से पाठ-16 पर कार्य		☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-16 'झंडा' कविता गाना और चर्चा (बच्चों की भाषा में) व गतिविधि 4 व 5 पर कार्य	• आकलन • स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका (खंड-2) से पाठ-16 पर कार्य		☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-16 'झंडा' कविता गाना और चर्चा (हिंदी भाषा में) व गतिविधि 6 व 7 पर कार्य	• पुनरावृत्ति व उपचारात्मक कार्य • शिक्षक के मार्गदर्शन में पठन: अभ्यास पुस्तिका (खंड-2) से पाठ-17 पर कार्य		☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • अनुभव पर चर्चा	• पुनरावृत्ति व उपचारात्मक कार्य • स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका (खंड-2) से पाठ-17 पर कार्य		☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत • कहानी पढ़कर सुनाना और चर्चा करना	• पुनरावृत्ति व उपचारात्मक कार्य • शिक्षक के मार्गदर्शन में पठन: अभ्यास पुस्तिका (खंड-2) से पाठ-18 पर कार्य		☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • मौखिक खेल गतिविधि	• मैंने सीख लिया • स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका (खंड-2) से पाठ-18 पर कार्य		☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy

• इन गतिविधियों के दौरान अनौपचारिक आकलन और स्तरानुसार पुनरावृत्ति कार्य करवाएँ।

सप्ताह-21				
दिन	मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 20-25 मिनट	डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 40-45 मिनट	पठन 15-20 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • हिंदी शब्दावली विकास की गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-21 'बंदर और गिलहरी' कविता गाना और चर्चा (बच्चों की भाषा में)	• 'ं' अनुस्वार पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-85	• शिक्षक के मार्गदर्शन में पठन: अभ्यास पुस्तिका (खंड-2) से पाठ-19 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • हिंदी शब्दावली विकास की गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-21 'बंदर और गिलहरी' कविता गाना और चर्चा (बच्चों की भाषा में) व गतिविधि 1 पर कार्य	• 'ऊ' वर्ण पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-86	• स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका (खंड-2) से पाठ-19 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • हिंदी शब्दावली विकास की गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-21 'बंदर और गिलहरी' कविता गाना और चर्चा (हिंदी भाषा में) व गतिविधि 2, 3 पर कार्य	• 'घ' वर्ण पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-87	• शिक्षक के मार्गदर्शन में पठन: अभ्यास पुस्तिका (खंड-2) से पाठ-20 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत • चित्र पर कार्य	• 'य' वर्ण पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-88	• स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका (खंड-2) से पाठ-20 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत • कहानी पढ़कर सुनाना और चर्चा करना	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य - पाठ-89 (साप्ताहिक पुनरावृत्ति)	• शिक्षक के मार्गदर्शन में पठन: अभ्यास पुस्तिका (खंड-2) से पाठ-21 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • मौखिक खेल गतिविधि	• अभ्यास पुस्तिका - 'मैंने सीख लिया' (साप्ताहिक आकलन)	• समूह-2 के बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन : अभ्यास पुस्तिका (खंड-2) से पाठ-21, छोटी कहानी या पुस्तकालय की किताबों का पठन	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
		• समूह-1 के बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से पुनरावृत्ति कार्य		

नोट: जहाँ भी ग्रिड पर कार्य दिया गया है, वहाँ अब तक सीखे गए वर्ण मात्रा का उपयोग कर बोर्ड पर कोई नई ग्रिड बनाकर कार्य करवाएँ।

सप्ताह-22				
दिन	मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 20-25 मिनट	डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 40-45 मिनट	पठन 15-20 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-22 'हलीम चला चाँद पर' पर चर्चा (बच्चों की भाषा में)	• 'ठ' वर्ण पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-90	• शिक्षक के मार्गदर्शन में पठन: अभ्यास पुस्तिका (खंड-2) से पाठ-22 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-22 'हलीम चला चाँद पर' पर चर्चा (बच्चों की भाषा में)	• 'छ' वर्ण पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-91	• स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका (खंड-2) से पाठ-22 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-22 'हलीम चला चाँद पर' पर चर्चा (हिंदी भाषा में) व गतिविधि 2 पर कार्य	• 'थ' वर्ण पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-92	• शिक्षक के मार्गदर्शन में पठन: अभ्यास पुस्तिका (खंड-2) से पाठ-23 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत • अनुभव पर चर्चा	• 'औ' वर्ण पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-93	• स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका (खंड-2) से पाठ-23 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत • कहानी पढ़कर सुनाना और चर्चा करना	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य – पाठ-94 (साप्ताहिक पुनरावृत्ति)	• शिक्षक के मार्गदर्शन में पठन: अभ्यास पुस्तिका (खंड-2) से पाठ-24 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • मौखिक खेल गतिविधि	• अभ्यास पुस्तिका – 'मैंने सीख लिया' (साप्ताहिक आकलन) • समूह-1 के बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से पुनरावृत्ति कार्य	• समूह-2 के बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन : अभ्यास पुस्तिका (खंड-2) से पाठ-24, छोटी कहानी या पुस्तकालय की किताबों का पठन	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

नोट: जहाँ भी ग्रिड पर कार्य दिया गया है, वहाँ अब तक सीखे गए वर्ण मात्रा का उपयोग कर बोर्ड पर कोई नई ग्रिड बनाकर कार्य करवाएँ।

सप्ताह-23				
दिन	मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 20-25 मिनट	डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 40-45 मिनट	पठन 15-20 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-19 'दौड़' कविता गाना और चर्चा (बच्चों की भाषा में)	• 'ड़' वर्ण पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-95	• शिक्षक के मार्गदर्शन में पठन: अभ्यास पुस्तिका (खंड-2) से पाठ-25 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-19 'दौड़' कविता गाना और चर्चा (बच्चों की भाषा में)व गतिविधि 1 पर कार्य	• 'ढ' वर्ण पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-96	• स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका (खंड-2) से पाठ-25 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-19 'दौड़' कविता गाना और चर्चा (हिंदी भाषा में) व गतिविधि 6 पर कार्य	• 'श' वर्ण पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-97	• शिक्षक के मार्गदर्शन में पठन: अभ्यास पुस्तिका (खंड-2) से पाठ-26 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत • चित्र चार्ट पर चर्चा	• 'ै' मात्रा पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-98	• स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका (खंड-2) से पाठ-26 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत • कहानी पढ़कर सुनाना और चर्चा करना	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य – पाठ-99 (साप्ताहिक पुनरावृत्ति)	• शिक्षक के मार्गदर्शन में पठन: अभ्यास पुस्तिका (खंड-2) से पाठ-27 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • मौखिक खेल गतिविधि	• अभ्यास पुस्तिका – 'मैंने सीख लिया' (साप्ताहिक आकलन)	• समूह-2 के बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन : अभ्यास पुस्तिका (खंड-2) से पाठ-27, छोटी कहानी या पुस्तकालय की किताबों का पठन	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
		• समूह-1 के बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से पुनरावृत्ति कार्य		

नोट: जहाँ भी ग्रिड पर कार्य दिया गया है, वहाँ अब तक सीखे गए वर्ण मात्रा का उपयोग कर बोर्ड पर कोई नई ग्रिड बनाकर कार्य करवाएँ।

सप्ताह–24				
दिन	मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 20–25 मिनट	डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 40–45 मिनट	पठन 15–20 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ–24 ‘इनको भी जानो’ कविता गाना और चर्चा (बच्चों की भाषा में)	• ‘ै’ मात्रा पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ–100	• पाठ्यपुस्तक के पाठ–3 की गतिविधि 1 की सचित्र कहानी का मार्गदर्शनयुक्त पठन	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ–24 ‘इनको भी जानो’ कविता गाना और चर्चा (बच्चों की भाषा में) व गतिविधि 5 पर कार्य	• ‘ड’, ‘झ’ वर्ण पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ–101	• पाठ्यपुस्तक के पाठ–5 की गतिविधि 7 ‘पढ़ो और समझो’ का मार्गदर्शनयुक्त पठन	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ–24 ‘इनको भी जानो’ कविता गाना और चर्चा (हिंदी भाषा में) व गतिविधि 6 पर कार्य	• ‘ष’, ‘ऐ’ वर्ण पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ–102	• पाठ्यपुस्तक के पाठ–7 की गतिविधि 3 ‘पढ़ो’ का मार्गदर्शन पठन	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत • अनुभव पर चर्चा	• ‘ु’ मात्रा पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ–103	• शिक्षक के मार्गदर्शन में पठन: अभ्यास पुस्तिका (खंड–2) से पाठ–26 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत • कहानी पढ़कर सुनाना और चर्चा करना	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य – पाठ–104 (साप्ताहिक पुनरावृत्ति)	• शिक्षक के मार्गदर्शन में पठन: अभ्यास पुस्तिका (खंड–2) से पाठ–27 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • मौखिक खेल गतिविधि	• अभ्यास पुस्तिका – ‘मैंने सीख लिया’ (साप्ताहिक आकलन)	• समूह–2 के बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन : अभ्यास पुस्तिका (खंड–2) से पाठ–27, छोटी कहानी या पुस्तकालय की किताबों का पठन	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
		• समूह–1 के बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से पुनरावृत्ति कार्य		

नोट: जहाँ भी ग्रिड पर कार्य दिया गया है, वहाँ अब तक सीखे गए वर्ण मात्रा का उपयोग कर बोर्ड पर कोई नई ग्रिड बनाकर कार्य करवाएँ।

सप्ताह-25				
दिन	मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 20-25 मिनट	डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 40-45 मिनट	पठन 15-20 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के चित्र पाठ 'सड़क सुरक्षा' पर चर्चा (बच्चों की भाषा में)	• 'ज्ञ', 'ढ़' वर्ण पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-105	• पाठ्यपुस्तक के पाठ 9 की गतिविधि 3 का मार्गदर्शनयुक्त पठन	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के चित्र पाठ 'सड़क सुरक्षा' पर चर्चा (बच्चों की भाषा में) व गतिविधि 5 पर कार्य	• 'क्ष', 'ँ' वर्ण पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-106	• पाठ्यपुस्तक के पाठ 11 की गतिविधि 2 का मार्गदर्शनयुक्त पठन	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के चित्र पाठ 'सड़क सुरक्षा' पर चर्चा (हिंदी भाषा में) व गतिविधि 6 पर कार्य	• 'ण', 'श्र' वर्ण पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-107	• पाठ्यपुस्तक के पाठ 12 की गतिविधि 8 का मार्गदर्शनयुक्त पठन	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत • चित्र चार्ट पर चर्चा	• 'त्र', 'ऋ' 'अं' वर्ण पर कार्य • डिकोडिंग का खेल • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-108	• पुस्तकालय की किताबों से मार्गदर्शनयुक्त पठन	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत • कहानी पढ़कर सुनाना और चर्चा करना	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य – पाठ-109 (साप्ताहिक पुनरावृत्ति)	• शिक्षक के मार्गदर्शन में पठन: अभ्यास पुस्तिका (खंड-2) से पाठ-27 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • मौखिक खेल गतिविधि	• अभ्यास पुस्तिका – 'मैंने सीख लिया' (साप्ताहिक आकलन) • समूह-1 के बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से पुनरावृत्ति कार्य	• समूह-2 के बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन : अभ्यास पुस्तिका (खंड-2) से पाठ-27, छोटी कहानी या पुस्तकालय की किताबों का पठन	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

नोटः जहाँ भी ग्रिड पर कार्य दिया गया है, वहाँ अब तक सीखे गए वर्ण मात्रा का उपयोग कर बोर्ड पर कोई नई ग्रिड बनाकर कार्य करवाएँ।

सप्ताह-26				
दिन	मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 20-25 मिनट	डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 40-45 मिनट	पठन 15-20 मिनट	ट्रैकर
		आकलन और स्तरानुसार पुनरावृत्ति		
1	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-11 'लालू और पीलू' पर चर्चा (बच्चों की भाषा में)	आकलन		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-11 'लालू और पीलू' पर चर्चा (हिंदी भाषा में)	आकलन		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-16 'झंडा' कविता गाना और चर्चा (हिंदी भाषा में)	पुनरावृत्ति व उपचारात्मक कार्य		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • अनुभव पर चर्चा	पुनरावृत्ति व उपचारात्मक कार्य		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत • कहानी पढ़कर सुनाना और चर्चा करना	पुनरावृत्ति व उपचारात्मक कार्य		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • मौखिक खेल गतिविधि	मैंने सीख लिया		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

• इन गतिविधियों के दौरान अनौपचारिक आकलन और स्तरानुसार पुनरावृत्ति कार्य करवाएँ।

13. कक्षा-1 की गतिविधियों पर कैसे कार्य करें?

इस संदर्शिका में साप्ताहिक और दिवसवार योजना की गतिविधियों का विस्तृत विवरण है, जिसे इस प्रकार रखा गया है-

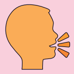

मौखिक भाषा विकास और संबंधित लेखन की गतिविधियाँ — पृष्ठ 48 से 59

डिकोडिंग और संबंधित लेखन की गतिविधियाँ — पृष्ठ 60 से 67

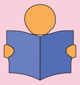

पठन गतिविधियाँ — पृष्ठ 68 से 70

शिक्षण योजना का उदाहरण — पृष्ठ 71 से 73

गतिविधियों को कक्षा में प्रभावी रूप से करवाने के लिए निम्न बातों का ध्यान रखें-

- शिक्षक दिवसवार योजना को ध्यानपूर्वक पढ़कर समझ लें तथा जिस गतिविधि को आपनी कक्षा में करवाना है, उस गतिविधि के लिए दी गई शिक्षण योजना एवं गतिविधियों के चरणों को समझते हुए आवश्यक पूर्व तैयारी कर लें।
- शिक्षण योजना में प्रत्येक गतिविधि/दिवस के लिए एक अधिगम उद्देश्य निर्धारित है।
- किसी गतिविधि को नई विषयवस्तु के साथ कक्षा में करने के लिए मुख्य चरण शिक्षण योजना के नीचे दिए गए हैं। इन चरणों को आधार बनाकर आप इस गतिविधि को आगे कक्षा में करवाएँ।
- गतिविधियों को करवाते समय तथा करवाने के बाद अनौपचारिक आकलन के द्वारा बच्चों के सीखने की स्थिति जाँचें और अपनी शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा करें। समय-समय पर समीक्षा के आधार पर शिक्षण प्रक्रिया में आवश्यक बदलाव करें।
- शिक्षक स्वयं भी अलग-अलग विषयवस्तु और दक्षताओं के लिए शिक्षण योजना का निर्माण करके लागू कर सकते हैं। शिक्षक अपनी शिक्षण योजना बनाने के लिए दिए गए शिक्षण योजना के उदाहरणों को आधार बना सकते हैं।

13.1 मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन की गतिविधियाँ

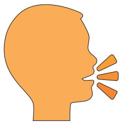

मौखिक भाषा विकास

1 से 6 सप्ताह (40 से 45 मिनट)

- कविताएँ गाना एवं मौखिक शब्दावली विकास की गतिविधियाँ (प्रतिदिन)
- पाठ्यपुस्तक पर कार्य (3 दिन)

7 से 26 सप्ताह (25 से 30 मिनट)

- कविताएँ गाना (प्रतिदिन)
- पाठ्यपुस्तक पर कार्य (3 दिन)

योजना अनुसार इनमें से कोई 1 गतिविधि 4 से 6 दिन

- चित्र चार्ट/अनुभव पर चर्चा
- मौखिक कहानी सुनाना और चर्चा
- कहानी पढ़कर सुनाना और चर्चा
- मौखिक खेल गतिविधियाँ

- चित्र चार्ट/अनुभव पर चर्चा
- मौखिक कहानी सुनाना और चर्चा
- कहानी पढ़कर सुनाना और चर्चा
- मौखिक खेल गतिविधियाँ

13.1.1 कविता पर कार्य (प्रतिदिन)

सामग्रीः लोकगीत, स्थानीय कविताएँ, पाठ्यपुस्तक

5-7 मिनट

इस गतिविधि के लिए पाठ्यपुस्तक और 'लोकगीत व स्थानीय कविताओं' से कोई भी कविता ली जा सकती है। आप स्थानीय कविताओं को भी शामिल करें। प्रतिदिन एक कविता पर कार्य करें। शुरुआत के दिनों में छोटी-छोटी कविताओं का चयन करें। कविताओं पर कार्य करने के लिए नीचे दिए गए क्रम के आधार पर कार्य करें।

- शिक्षक पहले बच्चों को कविता लय के साथ गाकर सुनाएँ।
- शिक्षक कविता गाएँ व बच्चों को साथ में दोहराने के लिए कहें।
- ऐसा 2-3 बार करें, ताकि बच्चे कविता की लय और शब्दों को अच्छे से पकड़ पाएँ।
- सुनाई गई कविता के विषय से जुड़ी कोई और कविता को याद दिलाएँ और उन्हें सुनाने के लिए कहें। अगर कोई ऐसी कविता नहीं है तो पिछली सुनी हुई कविता उनसे सुनें।

नोटः पाठ्यपुस्तक में कविताएँ छत्तीसगढ़ी और हिंदी दोनों भाषाओं में हैं। आप पहले छत्तीसगढ़ी कविताओं को काम में लें।

13.1.2 चित्र पर कार्य

सामग्रीः पाठ्यपुस्तक/आस-पास में दिखने वाली वस्तु या चित्र

20-25 मिनट

चित्र पर चर्चा के लिए कक्षा-1 में दिए गए चित्र चार्ट पाठ्यपुस्तक की सामग्री के चित्र अन्य स्रोत से काम में लें। चित्र पर बातचीत करने के विविध स्तर हो सकते हैं, जो क्रमशः सरल यानी जो दिख रहा है उनके नाम बताने से लेकर, संबंध बताने वाले, तर्क करने वाले और खुद के अनुभवों से जोड़ने वाले हो सकते हैं। इस बात का ध्यान रखने की अत्यधिक आवश्यकता है कि बातचीत के लिए बच्चों को अपनी भाषा के उपयोग के मौके मिलने चाहिए।

इस गतिविधि के लिए निम्नलिखित चरणों का अनुसरण करें-

- बच्चों को समूह में चित्र चार्ट दें या खुले मैदान में ले जाकर उन्हें आपस में चर्चा करने दें।
- बच्चों को चित्र के बारे में बताएँ या दिखने वाले चित्रों पर प्रश्नों के द्वारा उन्हें संवाद के लिए प्रेरित करें।
- बच्चों के बीच आपस में संवाद को बढ़ावा दें और गौर करें कि सभी बच्चे इस बातचीत में भाग ले रहे हैं या नहीं।
- सरल और अनुभव वाले प्रश्न पूछकर चर्चा करें।
- बच्चों से कल्पना करने, अनुमान लगाने (खुले छोर वाले) वाले प्रश्न इत्यादि की मदद से चर्चा करें।
- बच्चों को उनकी कल्पना से जुड़े लेखन कार्य करवाएँ। जैसे- दुकान से आपने क्या-क्या खरीदा, उनके चित्र बनाएँ?

ध्यान रखने योग्य बातेंः

- खुले छोर के प्रश्न अधिक हो सकते हैं।
- बातचीत के दौरान बच्चों के उच्चारण की गलतियों पर ध्यान न दें।
- बच्चों को घर की भाषा में अपने विचार रखने दें तथा उन्हें घर की भाषा प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित करें।
- यदि कक्षा में चित्र चार्ट उपलब्ध नहीं है तो पृष्ठ 18 पर दिए गए निर्देशों के अनुसार चित्र बनाए या उसकी व्यवस्था करें।

13.1.3 अनुभव पर चर्चा

सामग्रीः शिक्षक संदर्शिका

20-25 मिनट

अनुभव पर चर्चा करना मौखिक भाषा विकास की एक महत्वपूर्ण गतिविधि है। बच्चों से उनके अनुभव सुनने से पहले शिक्षक को भी अपने अनुभव सुनाने चाहिए। उदाहरण के लिए, अगर बच्चों से उनकी दिनचर्या पर बातचीत कर रहे हैं तो शिक्षक बता सकते हैं कि वे दिन भर क्या-क्या करते हैं। किसी एक दिन एक अनुभव पर बातचीत कर सकते हैं। अगर विषय ऐसा है, जिसमें बच्चों को मज़ा आ रहा है और उनकी खूब भागीदारी हो रही है तो एक विषय पर दो या तीन दिन तक भी बातचीत की जा सकती है।

इस गतिविधि के लिए निम्नलिखित चरणों का अनुसरण करें-

1. शिक्षक पहले किसी एक विषय का चयन करें। ये विषय बच्चे के स्तर एवं परिवेश वाले हों।
2. चयनित विषय पर शिक्षक बच्चों के साथ थोड़ी बातचीत करके उनके पूर्वज्ञान को सक्रिय करें।
3. शिक्षक विषय से संबंधित अपने अनुभव बच्चों के साथ साझा करें। इससे बच्चों को अपने अनुभव को व्यवस्थित रूप में आकार देकर दूसरों के साथ साझा करने में मदद मिलती है।
4. इसके बाद प्रत्येक बच्चे को अपने अनुभव कक्षा में सुनाने का अवसर दें। अगर कक्षा में ज्यादा बच्चे हों या समय की कमी हो तो दिन के अनुसार अलग-अलग बच्चों को अवसर दें। कोशिश करें कि प्रत्येक सप्ताह में सभी बच्चों को अपने अनुभव साझा करने के मौके मिले।

बच्चों के अनुभव पर चर्चा के लिए निम्नलिखित विषय लिए जा सकते हैं-

बच्चों के अनुभव के लिए कुछ मुख्य विषय:	
• बच्चों की दिनचर्या • खेल • गाँव/घर/सड़क में घटी कोई घटना • घर से स्कूल आते-जाते क्या-क्या दिखता है • यात्रा का कोई अनुभव • बच्चों द्वारा देखे गए सपने • खाने-पीने की चीजें और उनकी पसंद • परिवार में हुए आयोजन, जन्मदिन, शादी आदि • बाज़ार या मेले आदि में जाने के अनुभव	• खेत में किए जाने वाले काम • घर और गाँव में पाए जाने वाले जानवर • दोस्तों के बारे में • यातायात के साधन और उनके अनुभव • त्यौहार • मौसम-गर्मी, बरसात • गाने-नृत्य के बारे में • पोशाक के बारे में

शिक्षक प्रत्येक बच्चों के अनुभवों में आए कुछ मुख्य शब्द या वाक्य बोर्ड पर लिखें, फिर उनको पढ़कर सुनाएँ।

13.1.4 मौखिक रूप से कहानी सुनाना और चर्चा

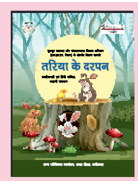

सामग्री: लोक कथाएँ, सुनी गई कहानी, स्थानीय कहानी, कविता-कहानी संकलन (तरिया के दरपन)

20-25 मिनट

कहानी सुनाने से पहले शिक्षक तैयारी के तौर पर कहानी समझ लें। बच्चों के लिए ऐसी कहानी ऐसी लें जो रोचक, छोटी, सरल और उनके बौद्धिक स्तर के अनुरूप हो। कहानी के लिए स्पष्ट और सरल भाषा शैली का इस्तेमाल करें। इसके साथ-साथ स्थानीय भाषा के शब्दों का उपयोग करें। आप स्थानीय कहानियों का भी चयन करें। कक्षा में उपलब्ध कहानी संकलन तरिया के दरपन से भी कहानी का चयन कर सकते हैं।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें :

- कहानी सुनाने के दौरान स्पष्ट और सरल भाषा शैली का इस्तेमाल करें।
- ऐसी कहानी का चयन करें जो बच्चों के लिए रोचक, सरल, छोटी व उनके बौद्धिक स्तर के अनुरूप हो।
- कहानी में अनुमान लगाते समय अधिक सवाल न पूछें क्योंकि इससे कहानी सुनने का मज़ा खराब हो सकता है।
- कहानी पर चर्चा बच्चों की भाषा में ही करें।

शिक्षक कहानी सुनाने की इस गतिविधि के निम्नलिखित चरणों का अनुसरण करें:

- कहानी सुनाने से पहले बच्चों को कहानी का नाम बताएँ और अनुमान लगवाएँ। (कहानी में क्या होगा? कहानी में कौन होंगे?)
- कहानी सुनाते समय आवाज़ में उतार-चढ़ाव और हाव-भाव का प्रयोग अवश्य करें।
- कहानी सुनाने के दौरान बच्चों से बीच-बीच में एक-दो अनुमान लगाने से संबंधित प्रश्न पूछें। यह भी ध्यान रखें कि बच्चों से अधिक सवाल न पूछे जाएँ क्योंकि इससे कहानी सुनने का मज़ा खराब हो सकता है।
- कहानी के दौरान अगर कोई कठिन या अनजान शब्द मिले तो बच्चों को उसका अर्थ स्थानीय भाषा की मदद से समझा दें।
- कहानी सुनाने के बाद बच्चों से बातचीत करें। बंद और खुले छोर के प्रश्नों की मदद लें, जो बच्चों की समझ बढ़ाने में मदद करे।
- अंत में, कहानी से जुड़ी कोई लेखन गतिविधि जैसे- चित्र बनाना, पात्रों के नाम लिखना, रंग भरना इत्यादि करवाएँ।

13.1.5 कहानी पढ़कर सुनाना और चर्चा

सामग्री: तरिया के दरपन, कहानी की किताबें (कक्षा-1 के स्तर की)

20-25 मिनट

पढ़कर सुनाना एक संवादात्मक प्रकिया है, जिसमें बच्चे और शिक्षक लिखित पाठ को आधार बनाकर समृद्ध चर्चा करते हैं। इसके लिए बिग बुक या कहानी की कोई अच्छी किताब ली जा सकती है। किताब का चयन बच्चों के परिवेश, भाषाई स्तर, रुचि, इत्यादि को ध्यान में रखकर करें । कहानी पढ़कर सुनाने और चर्चा की शिक्षण योजना इस प्रकार है-

शिक्षक कहानी को पढ़कर सुनाते समय इस गतिविधि के निम्नलिखित चरणों का अनुसरण करें:

- कहानी सुनाने से पहले कहानी के शीर्षक और चित्र को दिखाकर कहानी के बारे में अनुमान लगवाएँ।
- बच्चों को गोले या नज़दीक में बिठाकर ऊँची आवाज़ में उचित हाव-भाव और उतार-चढ़ाव के साथ कहानी को पढ़कर सुनाएँ। इसे 2-3 बार पढ़ें।
- पठन के दौरान अधिक चर्चा न करें। यह ज़रूर सुनिश्चित करें कि बच्चों का कहानी सुनने पर पूरा ध्यान हो।
- कहानी सुनाने के बाद बच्चों के अनुमान पर चर्चा करें और कठिन शब्दों के अर्थ समझाएँ।
- बच्चों से बंद छोर एवं खुले छोर दोनों तरह के प्रश्न पूछें।
- अंत में, कहानी से जुड़ी कोई लेखन गतिविधि करवाएँ।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

पढ़कर सुनाने के दौरान स्पष्ट और सरल भाषा शैली का इस्तेमाल करें। बातचीत के लिए बच्चों की भाषा का उपयोग करें। पठन के दौरान अधिक चर्चा न करें। यह ज़रूर सुनिश्चित करें कि बच्चों का पूरा ध्यान कहानी सुनने पर हो।

13.6 शब्दावली विकास

शब्दावली विकास

सामग्री: गतिविधि के अनुसार सामग्री

10-15 मिनट

शब्दावली विकास के लिए टी.पी.आर. (Total Physical Response) एक ऐसी गतिविधि है, जिसमें शिक्षकों के द्वारा बच्चों को किसी शब्द का अर्थ समझने के लिए उससे शारीरिक क्रियाओं के साथ बोलने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इसमें प्रारंभ में संज्ञा और क्रिया शब्द लिए जाते हैं, जैसे- किताब, खीरा, घर, पकड़ो, भागो इत्यादि। इसके बाद वाक्यांश और सरल वाक्य के साथ भी शारीरिक क्रियाएँ की जाती हैं, जैसे- 'मैं कूद सकता हूँ।' 'मैं भाग सकता हूँ।' इत्यादि।

नीचे दी गई तालिका में संज्ञा एवं क्रिया शब्द उदाहरण स्वरूप दिए गए हैं-

सप्ताह 1	सप्ताह 2	सप्ताह 3	सप्ताह 4	सप्ताह 5	सप्ताह 6
संज्ञा	क्रिया	संज्ञा	क्रिया	क्रिया	क्रिया
बोर्ड चॉक किताब दीवार पंखा	बैठना खड़े होना चलना भागना कूदना	गिलास कुर्सी बस्ता खिड़की दरवाजा	खाना पीना सोना हँसना रोना	हिंदी के 3-5 शब्द वाले वाक्य	हिंदी के 5-7 सरल शब्द वाले वाक्य

शिक्षक चाहें तो इसी प्रकार के अन्य हिंदी शब्द भी इस सूची में जोड़ सकते हैं।

दो सप्ताह की टी.पी.आर. गतिविधियों का विस्तार:

सप्ताह 1	**सामग्री:** बोर्ड/चॉक/किताब/दीवार/पंखा
4 दिन	• कमरे में उपस्थित वस्तुओं के बारे में बताने के लिए शिक्षक निम्नलिखित गतिविधि करें: ▫ शिक्षक (चॉक उठाते हुए): यह चॉक है। ▫ शिक्षक (किताबें दिखाते हुए): यह किताब है, आदि। इसी तरह सभी शब्दों के बारे में बताएँ। • अब पुन: शिक्षक किताबें पढ़ने, चॉक से लिखने का अभिनय करके बताएँ और उससे संबंधित बातें बोलें (जैसे- किताब पढ़ रहा हूँ, चॉक से लिख रहा हूँ, आदि।) बच्चों से दोहराने के लिए कहें। • अब यह क्रियाएँ बच्चों के साथ करें और बाद में बच्चों को स्वयं यह अभिनय करने के लिए कहें। अर्थात् बच्चों को बोली गई वस्तु को खोजने-छूने एवं किए गए अभिनय पर आधारित वाक्य हिंदी में बोलने संबंधित कार्य करवाएँ।

2 दिन

- तीसरे और चौथे दिन निम्नांकित खेल-खेलें- सभी बच्चों को एक घेरे में खड़े करें। शिक्षक जिस भी वस्तु का नाम लेंगे, बच्चे दौड़कर उस वस्तु के पास खड़े हो जाएँ या उसे छूकर बताएँ या इशारा करें और उनका नाम हिंदी में बताएँ।

नोटः आप चाहें तो शब्दों की सूची में अपनी ओर से भी नए शब्द जोड़ सकते हैं।

- दोहराने के लिए निम्नलिखित गतिविधियाँ की जा सकती हैं-
  - वस्तु का एक प्रयोग बताना।
  - उस पर आधारित एक वाक्य बोलना।
  - वस्तु बनकर अपने बारे में बताना, जैसे- 'मैं पंखा हूँ। मैं ठंडी हवा देता हूँ।'
  - वस्तु की तरह कुछ करके दिखाना और अपने बारे में एक अनोखी बात या राज़ बताना।

नोटः वाक्य बच्चों की भाषा में बोले जाएँगे, पर वस्तु का नाम हिंदी में ही बोला जाएगा।

सप्ताह 2 — **सामग्रीः** बैठना, खड़ा होना, चलना, भागना, कूदना

4 दिन

- पहले और दूसरे दिन शिक्षक बच्चों को ये काम करके बताएँ और बोलें-
  - शिक्षक बच्चों से (बैठते हुए): बैठो। बच्चे भी साथ में बैठेंगे।
  - शिक्षक बच्चों से (खड़े होते हुए): खड़े हो। बच्चे भी साथ में खड़े होंगे।
- यह प्रक्रिया हर शब्द के लिए कम से कम 6-7 बार करें, कभी जल्दी-जल्दी, कभी धीरे-धीरे।
- पहले शिक्षक बच्चों के साथ मिलकर करें और अंत में, बच्चों को निर्देश दें और बच्चे करें।
- तीसरे और चौथे दिन शिक्षक बच्चों को इन शब्दों के दोहरान के लिए 'तोता बोला' खेल खिलाएँ।

खेल खेलने की विधिः सभी बच्चे एक घेरे में खड़े हों। शिक्षक बीच में आकर 'तोता' बनें और सभी खेलने वाले बच्चों को निर्देश दें। इस खेल की मुख्य बात यह है कि सभी निर्देशों के साथ 'तोता बोला' ज़रूर बोलना है। जैसे- 'तोता कहता है चलो', 'तोता कहता है उछलो', 'तोता कहता है जल्दी-जल्दी चलो', 'तोता कहता है धीरे-धीरे रोओ' इत्यादि। यदि किसी निर्देश के साथ तोता बोला नहीं जोड़ा गया तो वह काम नहीं करना होगा। जब बच्चे इस खेल से सहज हो जाएँ, तब तोता बनने का काम स्वयं बच्चे भी कर सकते हैं।

2 दिन

- दोहराने के लिए निम्नलिखित गतिविधियाँ की जा सकती हैं-
  - शिक्षक जो बोलें, बच्चे उसे तुरंत करके दिखाएँ।
  - 'तोता बोला' खेल खेलना।
  - शिक्षक कुछ क्रिया करके बताएँ और बच्चे उसका नाम हिंदी में बताएँ।
  - उस क्रिया पर आधारित एक वाक्य बोलें।
  - सब क्रियाओं में जो सबसे ज्यादा पसंद है, उसके बारे में बताएँ।
  - शिक्षक बच्चे को बुलाकर उसके कान में कोई शब्द बोलें, जैसे- बैठो। वह बच्चा उसे करके दिखाए। बाकी बच्चे पहचानें और हिंदी में बताएँ। बच्चे भी एक-दूसरे के कान में शब्द बोल सकते हैं और खेल को आगे बढ़ा सकते हैं।

इसी तरह, सप्ताह 3-6 के लिए गतिविधियाँ करवाएँ।

13.1.7 मौखिक खेल और संबंधित लेखन की गतिविधियाँ

I. मौखिक भाषा विकास के खेल

सामग्रीः गतिविधियों के अनुसार अलग-अलग सामग्री

10-20 मिनट

- इन गतिविधियों का मुख्य उद्देश्य है- भाषा को मज़े के लिए इस्तेमाल करना, बच्चों की मानसिक क्षमताओं का विकास करना, विचारों को व्यक्त करने एवं अधिक से अधिक बोलने के अवसर देना, शब्दावली में वृद्धि करना। लगभग 10-15 मिनट के लिए सभी बच्चों के साथ छोटी-छोटी मौखिक खेल और गतिविधियाँ की जाएँगी, जिनका विवरण नीचे दिया गया है।

ध्यान रखने योग्य बातें:

- बच्चों की रुचि अनुसार एक गतिविधि को कुछ दिनों तक लगातार भी करवा सकते हैं या अदल-बदलकर भी करवा सकते हैं।
- कुछ गतिविधियाँ ऐसी हैं, जो एक से अधिक तरीके से करवाई जा सकती हैं। ज़रूरत के अनुसार गतिविधि का तरीका और जटिलता अवश्य बदलें।
- खेल के दौरान यह निश्चित करें कि हर बच्चे को बोलने का अवसर मिले। जो बच्चे कम बोल रहे हों, उन्हें अधिक प्रोत्साहन दें।

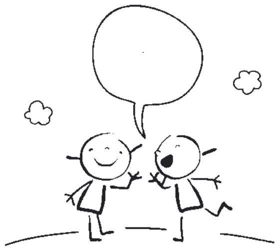

- कुछ गतिविधियों के उदाहरण दिए गए हैं, जिन्हें आप कक्षा में हू-ब-हू या थोड़े बदलाव के साथ करवा सकते हैं। अपनी ओर से नए-नए खेल भी जोड़ते रहें।

1. करके दिखाओ

10-15 मिनट

इस खेल में बच्चे अलग-अलग तरह की विधा, शैली एवं चीज़ों से संबंधित कुछ वाक्य बोलने का प्रयास करते हैं।

सामग्रीः कागज़ की गेंद, लिखी हुई कुछ पर्चियाँ

- विभिन्न विषयों से संबंधित पर्चियाँ बना लें, जैसे- कविता सुनाना, कहानी सुनाना, गाना गाना, जानवर की आवाज़ निकालना, चुटकुला सुनाना आदि।
- बच्चों के साथ गोल घेरे में बैठें। पर्चियों को अपने सामने रखें और किसी एक बच्चे को कागज़ की बनाई गई गेंद दें। अब ताली बजाएँ और जब तक ताली बजेगी, बच्चे उस गेंद को क्रम से एक-दूसरे को देते जाएँ।
- ताली रुकते ही, जिस बच्चे के पास गेंद हो, वह रखी हुई पर्चियों में से एक पर्ची उठाएँ और उसे पढ़कर बताएँ। यदि बच्चा पढ़ नहीं सकता तो शिक्षक उसे पढ़कर सुना दें।

- बच्चा पर्ची में लिखे गए कार्य को करके दिखाएँ, जैसे- यदि पर्ची में 'कविता सुनाओ' लिखा गया हो तो बच्चा कविता सुनाए। इसी तरह फिर शिक्षक ताली बजाएँ और खेल को आगे बढ़ाएँ।

2. मैं कौन हूँ

15-20 मिनट

इस खेल में कुछ बच्चे चयनित वस्तुओं के बारे में विस्तार से बताने का प्रयास करते हैं और कुछ बच्चे उन विशेषताओं के आधार पर नाम का अंदाज़ा लगाते हैं।

सामग्रीः कुछ चित्र कार्ड

- सभी बच्चे 'यू' आकार में बैठें। शिक्षक चित्र कार्ड को उल्टा करके रख दें।
- कोई एक बच्चा आगे आए व एक चित्र कार्ड उठाकर देखे। ध्यान रहे, यह चित्र कार्ड बाकी बच्चे न देख पाएँ।
- अब चित्र कार्ड में बने जानवर/फल/वस्तु के बारे में उसे कुछ बताने के लिए कहें, उदाहरण के लिए, अगर आम का चित्र आया है तो वह बता सकता है- 'यह एक फल है, बहुत मीठा होता है, हम इसे गर्मियों के मौसम में खाते हैं' इत्यादि।
- यह सुनकर कक्षा के बाकी बच्चों को अंदाज़ा लगाना होगा कि उसके पास जो कार्ड है, वह किस चीज़ का है।

(शुरुआत में शिक्षक बोल रहे बच्चे की मदद करें – 'अब इसके रंग के बारे में बताओ', 'इसका आकार कैसा है, वह बताओ', 'यह किस श्रेणी में आता है, वह बताओ – फल, जानवर, सब्ज़ी या पक्षी' आदि। एक बार बच्चे खेल समझ जाएँ तो शिक्षक मदद करना छोड़ दें।)

3. मैं होता तो क्या करता?

10-15 मिनट

इस खेल में बच्चे जानवरों की जगह खुद को रखकर कुछ अनोखा सोचने का प्रयास करते हैं।

सामग्रीः कुछ जानवरों के नाम की पर्चियाँ/चित्र कार्ड

- बच्चे गोल घेरे में बैठें। शिक्षक हर बच्चे को एक जानवर का नाम/चित्र कार्ड दें।
- एक-एक करके बच्चों को आगे बुलाएँ। हर बच्चे को बताना है कि अगर वह जानवर होता तो क्या करता?
- यहाँ ऐसी चीज़ें नहीं बता सकते, जो आमतौर पर जानवर करते हैं, जैसे- 'अगर मैं साँप होती तो दूध पीती।'
- ऐसे जवाब की जगह बच्चों को कोई अनोखा जवाब सोचने के लिए प्रेरित करें। जैसे- 'अगर मैं साँप होती तो शेर के साथ दोस्ती करती और उसकी पीठ पर बैठकर आराम से जंगल में घूमती।'

4. अजीब कहानी हमने बनाई

10 मिनट

इस खेल में बच्चे मिलकर मज़ेदार कहानी बनाने का प्रयास करते हैं।

सामग्रीः कागज़ की गेंद

- शिक्षक अपने हाथ में कागज़ की एक गेंद रखें और कोई भी एक अनोखा वाक्य बोलें। यह वाक्य कहानी का पहला वाक्य होगा।
- इसके बाद शिक्षक किसी एक बच्चे की ओर गेंद फेंकें। यह गेंद जिस बच्चे के पास जाए, वह उस वाक्य के साथ एक और मज़ेदार वाक्य जोड़े।
- फिर वह बच्चा गेंद को किसी दूसरे बच्चे की ओर फेंकें। जिस बच्चे के पास गेंद जाए, वह कहानी में एक नया वाक्य जोड़े। इस प्रकार पूरी कहानी बनाएँ। यह कहानी 8-10 वाक्यों से अधिक लंबी न हो।
- कहानी पूरी होने के बाद कुछ बच्चों से पूरी कहानी सुनें। अंत में, खुद भी कहानी को हाव-भाव सहित सुनाएँ।

5. ओला-ओला बम का गोला

10-15 मिनट

इस खेल में बच्चे अलग-अलग श्रेणियों के शब्दों का प्रयोग करते हैं।

सामग्री: कक्षा में पड़ी कुछ वस्तुएँ (जैसे- बोतल, कागज़ आदि)

- सभी बच्चे एक गोल घेरे में बैठें। हर बच्चे का दायाँ हाथ दूसरे बच्चे के बाएँ हाथ के ऊपर और बायाँ हाथ दूसरे बच्चे के दाएँ हाथ के नीचे हो।
- अब कोई एक बच्चा अपनी दायीं हथेली से दूसरे बच्चे की बायीं हथेली पर ताली मारते हुए बोले- 'ओला ओला'। दूसरा बच्चा तीसरे बच्चे की हथेली पर ताली मारते हुए बोले- 'बम का गोला'। तीसरा बच्चा चौथे बच्चे की हथेली पर ताली मारते हुए बोले- 'क्या बताऊँ?'
- अब शिक्षक किसी एक श्रेणी की चीज़ों के नाम बताने के लिए कहें, जैसे- 'फलों के नाम।'
- बस फिर क्या, सभी बच्चे एक-दूसरे की हथेली पर ताली मारते हुए अलग-अलग फलों के नाम बताएँ और खेल को आगे बढ़ाएँ।
- कोई बच्चा फल का नाम न बता पाए तो वह अपने से पहले वाले बच्चे के द्वारा बताए गए फल के बारे में एक वाक्य बोले।

फिर यह खेल दोबारा शुरू करें। इस बार किसी और चीज़ का नाम लें, जैसे- सब्जी, रंग, पशु-पक्षी इत्यादि।

6. बिल्कुल मेरी तरह

10-15 मिनट

बच्चे अपने बारे में कक्षा में बता सकें।

बच्चों को घेरे में आराम से बिठाएँ और कागज़ की गेंद बनाकर रखें।

- कागज़ की गेंद एक-एक करके बच्चों के बीच आगे बढ़ाएँ।
- गेंद जिस बच्चे के पास पहुँचेगी, उसे तीन से पाँच वाक्यों में अपने बारे में बताने के लिए कहें। उन्हें बताएँ कि इन वाक्यों में वे अपने परिवार, अपनी पसंद के भोजन, अपने पसंदीदा खेल और इस तरह की दूसरी चीज़ों के बारे में बता सकते हैं।
- बाकी बच्चों को गौर से सुनने के लिए कहें। अगर किसी अन्य बच्चे की पसंद-नापसंद भी वैसी ही है तो उन्हें कहें कि वे अपना हाथ उठाएँ और ज़ोर से कहें "बिल्कुल मेरी तरह।"
- सबसे पहले गेंद अपने हाथ में लेकर कुछ वाक्यों में अपना परिचय दें। इसके बाद गेंद बच्चों को सौंप दें।
- बच्चों की सहभागिता बढ़ाने के लिए एक सुरक्षित माहौल मुहैया कराएँ।

7. भावनाएँ

10-15 मिनट

बच्चे संकेतों की मदद से अपने आपको अभिव्यक्त करके दिखाएँगे।

- बच्चों को बताएँ कि आप उन्हें कुछ खास स्थितियाँ देंगे और उन्हें ये दिखाना है कि वे उस स्थिति में होते तो किस तरह की प्रतिक्रिया देते। उन्हें ये करके दिखाना है कि उस स्थिति में वे कैसा महसूस करते और क्या क्रिया करते।
- इसके बाद बच्चों को भावनाएँ चुननी हैं।
- बच्चों से निम्नलिखित प्रश्नों पर बातचीत करें:
  - मम्मी ने गुलाब जामुन बनाया हैं और आपको औरों से दो ज़्यादा गुलाब जामुन दिए हैं। आपको कैसा लगेगा?
  - आज सुबह सीढ़ियों से उतरते हुए आप गिर पड़े थे। गिरने पर क्या हुआ और आपको कैसा लगा?

8. बताओ मेरा नाम

15-20 मिनट

बच्चों के बीच घनिष्ठता का भाव पैदा करना।

बच्चों को घेरे में आराम से बिठाएँ और कागज़ की गेंद बनाकर रखें।

- बच्चों को बताएँ कि आप कागज़ की गेंद एक-एक बच्चे की तरफ़ आगे बढ़ाएँगे। जिसके पास भी कागज़ की गेंद पहुँचेगी, उसे अपने दोस्तों के नाम बताने होंगे। वे कक्षा के साथी या अपने मोहल्ले-पड़ोस के किसी भी दोस्त का नाम बता सकते हैं।
- बच्चों को बताएँ कि अगर कक्षा में से किसी एक बच्चे को पहले ही कोई दूसरा बच्चा अपने दोस्त के रूप में बता चुका है, तो ऐसे बच्चे का नाम न दोहराया जाए।
- बच्चों को बारी-बारी से इस गतिविधि में हिस्सा लेने के लिए मदद करें।
- ख्याल रखें कि गतिविधि में सभी शामिल हों और कोई भी छूटने न पाए, साथ ही अगर कोई बच्चा गतिविधि में असहज महसूस करता है, तो उसे हिस्सा लेने के लिए मजबूर भी न करें।
- आप भी इस गतिविधि में हिस्सा ले सकते हैं। इसके लिए बच्चों के साथ गोले में बैठ जाएँ। आपकी बारी आने पर अपने दोस्त का नाम बताएँ।

9. आओ करें, दोस्तों की तारीफ

15-20 मिनट

बच्चे संकेतों की मदद से अपने आपको अभिव्यक्त करके दिखाएँगे।

- **ज़रूरी चीज़ें:** बच्चों को आराम से घेरे में बिठाएँ। बच्चों के बीच घुमाने के लिए कागज़ की गेंद या खिलौना।
- बच्चों को बताएँ कि आप कागज़ की गेंद एक-एक बच्चे की तरफ़ आगे बढ़ाएँगे। जिसके पास भी कागज़ की गेंद पहुँचेगी, उसे कक्षा के किसी बच्चे के बारे में तारीफ़ की एक बात कहनी है। सभी बच्चे बारी-बारी से अपनी बात कहेंगे।
- शिक्षक पहल करें और पूरी कक्षा की तारीफ़ करें। ख़्याल रखें कि आप किसी एक बच्चे का नाम न लें, बल्कि पूरी कक्षा को संबोधित करते हुए अपनी बात कहें।
- बच्चों को बारी-बारी से अपनी बात कहने के लिए मदद करें।
- बच्चों की सहभागिता बढ़ाने के लिए एक सुरक्षित माहौल तैयार करें।

10. मुझे कब अच्छा लगा

15-20 मिनट

अपने अनुभव के आधार पर दूसरों के प्रति आभार व्यक्त कर पाना।

बच्चों को घेरे में आराम से बिठाएँ और कागज़ की गेंद बनाकर रखें।

- बच्चों को बताएँ कि आप कागज़ की गेंद बारी-बारी से उनके बीच घूमाएँगे। गेंद जिसके पास पहुँचेगी, उस बच्चे को यह बताना है कि एक ऐसा अनुभव जब उसे अच्छा लगा और थैंक यू (Thank you) बोलने का मन किया है। जैसे- आपकी किसी ने मदद की और आपका मन हुआ कि उसको थैंक यू (Thank you) बोलूँ। इस गतिविधि में सभी बच्चे बारी-बारी से हिस्सा लेंगे।
- गतिविधि की शुरुआत आप खुद करें और सबसे पहले बताएँ कि आप किन-किन चीज़ों के लिए थैंक यू (Thank you) बोलना चाहते हैं। इस गतिविधि में आप किसी खास बच्चे का नाम न लें बल्कि पूरी कक्षा को एक साथ संबोधित करें।
- बच्चों को बारी-बारी से अपनी बात कहने का मौका दें।
- बच्चों की सहभागिता बढ़ाने के लिए एक सुरक्षित माहौल तैयार करें।

II. मौखिक भाषा से जुड़ी लेखन गतिविधियाँ

मौखिक भाषा विकास की गतिविधियों के दौरान लेखन पर भी कार्य शामिल है। ये सभी गतिविधियाँ मौखिक गतिविधियाँ जैसे- चित्र चार्ट पर चर्चा, कहानी सुनाना, खेल आदि से जुड़ी हुई हैं। इन्हें करवाते समय दिए गए चरणों का अनुसरण करें-

चित्र बनाना — 10 मिनट

- मौखिक गतिविधि के बाद चित्र बनवाएँ, रंग भरवाएँ और नाम लिखवाएँ।
- बने हुए चित्र पर कक्षा में बातचीत करें।
- चित्र के बारे में बच्चों को कुछ शब्द लिखने को कहें।

ध्यान रखने योग्य बातें:

- बच्चों को चित्र बनाने के मौके दें। इस दौरान बच्चों को ये न सुझाएँ कि चित्र कैसे बनाएँ कौन-से रंग इस्तेमाल करें, आदि।
- इन चित्रों का संबंध कहानी या पाठ से हो सकता है, जो उस दिन उन्हें बताया/सुनाया गया हो। बच्चे जो कुछ भी बनाएँ, उन पर बातचीत करें।

साझा-लेखन * — 10 मिनट

- शिक्षक बच्चों से बात करें और उन्हें अनुभव/घटना/कहानी बताने के लिए कहें।
- शिक्षक बच्चों को बताएँ कि जो वो बता रहे हैं, उसको यहाँ बोर्ड पर लिखा जाएगा।
- बच्चे अपने अनुभव साझा करें और शिक्षक उन्हें बोर्ड पर लिखते जाएँ।
- लिखना पूरा होने पर शिक्षक बच्चों के साथ मिलकर इसे पढ़ें।
- पढ़ने के दौरान मुख्य शब्दों की ओर बच्चों का ध्यान दिलाएँ।

स्वतंत्र लेखन — 10 मिनट

- बच्चों को किसी चित्र/कहानी/कोई अनुभव के बारे में अपनी बात लिखने के लिए कुछ समय दें।
- लिखने के बाद उन्हें अपनी लिखावट साझा करने को कहें और इस पर बातचीत करें।
- बच्चों के लेखन कार्य को कक्षा में प्रदर्शित करें और एक निश्चित समय अंतराल के बाद इन्हें बदलें।

ध्यान रखने योग्य बातें:

- लेखन के दौरान जैसा चाहे लिख सकते हैं। वे शायद अच्छे से न लिख पाएँ, सिर्फ कोई लकीर, आकृति, वर्ण ऐसा ही कुछ लिखें। आप बच्चों के साथ पढ़ें और उन्हें प्रोत्साहित करते रहें।

नोट: शिक्षक गतिविधि का चुनाव दिवसवार योजना से करें। बच्चों की रूचि को ध्यान में रखकर गतिविधियों में बदलाव कर सकते हैं। यहाँ दी गई गतिविधियाँ मौखिक भाषा विकास की मुख्य गतिविधियों में शामिल हैं।

---

* साझा लेखन में शुरुआती सप्ताह 1 से 4 में शब्द आधारित लेखन कार्य करवाएँ। सप्ताह 5 से 10 तक वाक्य लिखने का कार्य करवाएँ तथा अंतिम सप्ताह 11 से 26 में बच्चों द्वारा बोली गई एक छोटी कहानी को लिखने का कार्य करवाएँ।

पाठ्यपुस्तक के पाठों पर मौखिक भाषा विकास की रणनीति

सामग्री: पाठ्यपुस्तक

20-25 मिनट

कक्षा-1 के पाठ्यपुस्तक के पाठों पर मौखिक भाषा विकास के लिए एक रणनीति बनाकर कार्य करने की योजना है। प्रत्येक पाठ पर तीन दिन तक कार्य किया जायेगा। इस दौरान बच्चों को पाठ सुनने, उस पर समझ बनाने, उच्चस्तरीय मौखिक कार्य (जैसे- तर्क करना, कल्पना करना, राय बनाना, इत्यादि कार्य) और समझ आधारित लेखन के मौके दिए जायेंगे।

पाठ पर कार्य करने की तीन दिन की योजना इस प्रकार है-

पहला दिन: बच्चों की भाषा में पाठ पढ़कर सुनाना और सामान्य चर्चा — 20-25 मिनट

- पाठ का चित्र और शीर्षक दिखाकर चर्चा करें और पाठ के बारे में अनुमान लगवाएँ।
- पाठ को बच्चों की भाषा में हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ। अगर कविता है तो उसे लय और हाव-भाव के साथ गाएँ।
- पाठ सुनाने के दौरान बीच-बीच में प्रश्न पूछकर पता कर लें कि बच्चे कहानी सुनकर समझ रहे हैं या नहीं।
- पाठ के बाद समझ के लिए बच्चों से पाठ के बारे में सामान्य चर्चा करें।

दूसरा दिन: हिंदी भाषा में पाठ पढ़कर सुनाना और विस्तृत चर्चा — 20-25 मिनट

- पाठ को हिंदी भाषा में हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ। अगर कविता है तो उसे लय और हाव-भाव के साथ गाएँ।
- पाठ के बाद बच्चों से समझ आधारित चर्चा करें।
- बच्चों से पाठ के अंत में दी गईं मौखिक गतिविधियाँ करवाएँ।
- बच्चों से पाठ के अंत में दिए अभ्यास को मौखिक रूप से करवाएँ।

तीसरा दिन: पाठ पर समझ आधारित गतिविधियाँ — 20-25 मिनट

- पाठ पर किन्हीं 2-3 बच्चों से मौखिक रूप से कहानी सुनाने को कहें।
- बच्चों से पाठ पर समझ आधारित गतिविधि करवाएँ, जैसे- शब्द-भंडार से जुड़े खेल, पाठ के मुख्य भाव को समझना, अभिनय करवाना, कहानी के मुख्य भाग को पहचानना, कहानी का अंत बदलना, कहानी में नए पात्रों को जोड़कर नई कहानी बनाना, इत्यादि।
- बच्चों से पाठ के अंत में दिए अभ्यास को मौखिक रूप से करवाएँ।

नोट:
- शिक्षक पाठ की प्रकृति के अनुसार अपनी योजना में बदलाव कर सकते हैं।
- पाठ से संबंधित अभ्यास कार्य पाठ के हर अगले दिन में किया जाएगा। इसके विवरण के लिए दिवसवार योजना को देखें।

13.2 डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन की गतिविधियाँ

ध्वनि चेतना/डिकोडिंग

1 से 6 सप्ताह
ध्वनि चेतना (20-25 मिनट)

- परिवेशीय आवाज़ों की पहचान कराना
- तुकांत शब्द बनाना
- वाक्यों में शब्द पहचान कराना
- शब्द में ध्वनि पहचान कराना
- शब्द में प्रथम ध्वनि कर पहचान कराना

7 से 26 सप्ताह
डिकोडिंग (40-45 मिनट)

- वर्ण पहचान
- अक्षर पहचान
- वर्णों और अक्षरों को जोड़कर शब्द बनाना।
- शब्द पठन

13.2.1 परिवेशीय आवाज़ों की पहचान

10-15 मिनट

सामग्रीः कुछ नहीं

बच्चों को ध्वनि-चेतना की प्रारंभिक गतिविधि के रूप में उनके परिवेश में पाई जाने वाली विभिन्न आवाज़ों की पहचान करवाएँ और उन्हें नकल करने के लिए कहें।

बच्चे अलग-अलग आवाज़ों को पहचानें और उसे बोलकर बताएँ।
जैसे- पक्षी, जानवर, वाहन, घंटी इत्यादि।

13.2.2 तुकांत शब्द बनाना

10-15 मिनट

सामग्रीः कुछ नहीं

तुकांत शब्द बनाने की गतिविधि से वर्ण/अक्षर और ध्वनि संबंध की पहचान मज़बूत होती है। इसके लिए वैसे शब्दों का चयन पहले कर लेना अच्छा है, जिसके साथ आप गतिविधि करना चाहते हैं। तुकांत शब्दों पर कार्य करने के दौरान शिक्षक को यह ध्यान देने की आवश्यकता है कि ये शब्द सार्थक एवं निरर्थक दोनों ही हो सकते हैं। इस गतिविधि का मुख्य उद्देश्य यह है कि बच्चे ध्वनियों में भेद कर सकें, समान सुनाई देने वाले शब्दों को छाँट/पहचान सकें। इसके साथ-साथ बच्चे ध्वनियों को मिलाकर मौखिक रूप से शब्द बनाना (सार्थक/निरर्थक) भी सीखेंगे।

तुकांत शब्द बनाने की शिक्षण योजना का उदाहरण

पहले शिक्षक अपनी तरफ से कुछ तुकांत शब्दों के उदाहरण बोलकर बताएँ।
ताला-काला, मदन-बदन, कपट-पपट।

फिर बच्चों को एक शब्द देकर तुकांत शब्द बताने के लिए कहें, जैसे- हरी।
इसके तुकांत शब्द होंगे- परी, दरी, मरी, चरी आदि।

अलग-अलग शब्द लेकर प्रत्येक बच्चे के साथ इस गतिविधि को कराएँ,
जैसे- लकड़ी-मकड़ी-ककड़ी, लहर-शहर-टहर, चील-गील-नील आदि।

बच्चे ध्वनियों की तुकबंदी कर पाएँगे

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- तुकांत शब्द बनाने की प्रक्रिया में शिक्षक बच्चों द्वारा बनाए गए सार्थक और निरर्थक दोनों प्रकार के शब्दों को स्थान दें।
- बच्चों को आपस में (जोड़ों में एवं छोटे समूह में) कार्य करने के मौके दें।
- शिक्षक यह ध्यान दें कि शब्दों में शामिल ध्वनियों का स्पष्ट रूप से बच्चे उच्चारण करें।

13.2.3 वाक्य में शब्द पहचान कराना

10-15 मिनट

वाक्य में शब्द पहचानने का काम मौखिक रूप में ध्वनि चेतना के लिए किया जाता है। बच्चे इससे यह समझ पाते हैं कि एक वाक्य में कई शब्द होते हैं।

- शिक्षक पहले खुद 2-3 छोटे वाक्यों के साथ करके दिखाएँ। शिक्षक वाक्य बोलते समय हर शब्द पर एक ताली बजाएँ।
- बच्चों के लिए वाक्य को धीरे-धीरे और स्पष्ट रूप से बोलें।
- बच्चों से पूछें कि इस वाक्य में कितने शब्द हैं।
- फिर पूछें, इस वाक्य में पहला शब्द क्या है? अंतिम शब्द कौन-सा है? बोलकर बताओ

13.2.4 शब्द में ध्वनि पहचान करवाना

10-15 मिनट

शब्द में ध्वनि पहचानने का काम भी मौखिक रूप में ध्वनि चेतना के लिए किया जाता है। बच्चे इससे यह समझ पाते हैं कि एक शब्द में कई ध्वनियाँ होती हैं।

- शिक्षक पहले शब्द बोलें। शब्द में शामिल ध्वनियों का धीरे-धीरे और स्पष्ट रूप से उच्चारण करें और यह करते हुए प्रत्येक वर्ण/अक्षर पर एक ताली बजाएँ। फिर शब्द बोलें।
- बच्चों के साथ इन ध्वनियों का उच्चारण करें और शब्द बोलें।
- 3-4 नए शब्दों के साथ यह जारी रखें।
- अब आप शब्द बोलें और बच्चों को ध्वनियों का उच्चारण करने के लिए कहें।

13.2.5 शब्द में प्रथम ध्वनि पहचान

10-15 मिनट

- शिक्षक किसी खास ध्वनि (जैसे 'म') से शुरू होने वाले शब्द बोलें। फिर शब्द की पहली ध्वनि का स्पष्ट रूप से उच्चारण करें। फिर 3-4 ऐसे शब्द बोलें, जिसमें 'म' पहली ध्वनि हो। बच्चों का ध्यान 'म' ध्वनि के उच्चारण पर दिलाएँ।
- फिर बच्चों को कुछ शब्द बोलें। अगर किसी शब्द में पहली ध्वनि 'म' है तो वे हाथ ऊपर करेंगे। अगर 'म' नहीं है तो हाथ नहीं उठाएँगे। इसे नए-नए शब्दों के साथ करें।
- अब बच्चों को इस ध्वनि से शुरू होने वाले शब्द बताने के लिए कहें।

13.2.6 वर्ण पहचान पर कार्य

सामग्री: वर्ण कार्ड, पाठ्यपुस्तक, अभ्यास पुस्तिका

10-15 मिनट

म

शिक्षक आगे की योजना तैयार करने के लिए इस गतिविधि के निम्नलिखित चरणों का अनुसरण करें:

- शिक्षक किसी परिचित शब्द (जैसे- नल) की आवाज़ों को तोड़कर-जोड़कर बोलें (नल/न/ल/) (/न/ल/ नल) और पहली आवाज़ / न / को अलग करें।
- 'नल' को बोर्ड पर लिखें और उसकी पहली आवाज़ के प्रतीक पर घेरा लगाएँ। फिर 'न' का कार्ड दिखाकर/न/ का 3-5 बार उच्चारण करें। बच्चों से 'न' की आवाज़ से शुरू होने वाले शब्द/नाम पूछकर बोर्ड पर लिखें। जैसे-नाम, नाक, नजर, नहर, शब्द को तोड़कर पहली ध्वनि पर बल दें और /न/ पर गोला लगवाएँ।
- बच्चों को 'न' वर्ण को कक्षा में प्रदर्शित सामग्रियों और कक्षा-1 की पाठ्यपुस्तक से ढूँढ़कर बताने के लिए कहें।
- वर्ण पहचान का कोई एक खेल करवाएँ।
- अलग-अलग तरीके से खेल द्वारा हवा में वर्ण लेखन का अभ्यास कराएँ।
- अभ्यास पुस्तिका और पाठ्यपुस्तक में से वर्ण पहचान और लेखन का अभ्यास करवाएँ।

13.2.7 अक्षर पहचान एवं मात्रा पर कार्य

सामग्री: अक्षर कार्ड, ग्रिड, अभ्यास पुस्तिका, पाठ्यपुस्तक

10-15 मिनट

ना

न	ना	नी
ग	गा	गी
म	मा	मी

इसे अब तक सीखे गए वर्णों के साथ मिलाकर अक्षर की तरह सिखाया जाएगा।

शिक्षक आगे की योजना तैयार करने के लिए इस गतिविधि के निम्नलिखित चरणों का अनुसरण करें:

- वर्ण-मात्रा से लक्षित क्रमिक ग्रिड बनाएँ और 4-5 बार उच्चारण करके दिखाएँ।
- वर्ण-मात्रा से बने इस ग्रिड से वर्ण-अक्षर पढ़ें ओर बच्चे को अपने बाद बोलने के लिए कहें।
- फिर बच्चों को छोटे ग्रिड कार्ड चार-पाँच के समूह में दें और साथ-साथ पढ़ने के लिए कहें और गतिविधि करवाएँ।
- अक्षर पहचान का कोई एक खेल करवाएँ।
- अभ्यास पुस्तिका से अक्षर पहचान एवं लेखन का अभ्यास करवाएँ।

13.2.8 वर्णों/अक्षरों को जोड़कर शब्द बनाना (ब्लेंडिंग)

सामग्री: वर्ण/अक्षर कार्ड, अभ्यास पुस्तिका

10-15 मिनट

न	ना
म	मा
ग	गा
र	रा

ना

शिक्षक आगे की योजना तैयार करने के लिए इस गतिविधि के निम्नलिखित चरणों का अनुसरण करें:

- बोर्ड पर दो बॉक्स बनाएँ और उसमें वर्ण/अक्षर बोलते हुए लिखें। फिर उसके सामने बड़े बॉक्स में इन दोनों वर्णों/अक्षरों से बने शब्द को लिखें (अभ्यास पुस्तिका में दिए गए तरीके के अनुसार)। पहले अलग-अलग उच्चारण करके, फिर जोड़कर 2-3 बार पढ़ें।
- 2-3 बार दोनों शब्दों को बच्चों के साथ ऊपर की तरह जोड़कर पढ़ें।
- बच्चों के साथ मिलकर एक शब्द मिलाकर पढ़ने की गतिविधि करवाएँ।
- अब बच्चों को अभ्यास पुस्तिका में इस गतिविधि पर आधारित अभ्यासों को करने को कहें।

13.2.9 शब्द पढ़ना

सामग्री: अभ्यास पुस्तिका, ग्रिड

10-15 मिनट

ना	ना	नी
मा	मा	मी
का	का	की

शिक्षक आगे की योजना तैयार करने के लिए इस गतिविधि के निम्नलिखित चरणों का अनुसरण करें:

- अभ्यास पुस्तिका में दिए शब्दों (4-5 शब्द) को बोर्ड पर लिखें। इन्हें दो बार धीरे-धीरे पढ़ें।
- फिर इन्हें बच्चों को शब्द-दर-शब्द पढ़ने को कहें। आप बच्चों की ज़रूरत के अनुसार मदद करें।
- अब बच्चों को अभ्यास पुस्तिका से इन शब्दों को पढ़ने को कहें। आवश्यकतानुसार उनकी मदद करें।
- शब्द स्तर का कोई खेल बच्चों से करवाएँ।
- अभ्यास पुस्तिका में इस गतिविधि से जुड़ा कार्य करवाएँ।

13.2.10 डिकोडिंग से जुड़ी खेल गतिविधियाँ

डिकोडिंग के लिए कई तरह की गतिविधियाँ तय की गई हैं। उन गतिविधियों के साथ खेल गतिविधियाँ भी शामिल हैं। इन खेल गतिविधियों में योजनानुसार कार्य करें।

इनमें से कोई एक गतिविधि कक्षा में करें, जो उस दिन सिखाए जा रहे वर्ण या सारणी के लिए उपयुक्त हो।

1. यह है मेरा अक्षर

10–15 मिनट

इस खेल में जमीन पर वर्ग सारणी में लिखे गए अक्षर/शब्द पर बच्चे बारी-बारी से कूदते हैं।

- ज़मीन पर वर्ग सारणी बनाएँ और प्रत्येक खाने में एक अक्षर लिख दें।
- बारी–बारी से किसी बच्चे को वर्ग सारणी में लिखे गए अक्षर पर कूदने के लिए कहें। उदाहरण के लिए आप किसी एक बच्चे को 'ब' पर कूदने को कहें। ये बच्चा 'ब' अक्षर पर कूदे और ऊँची आवाज़ में बोले 'ब'। इसके बाद बाकी बच्चे बताएँ कि वह सही अक्षर पर कूदा है या नहीं।
- यदि बच्चा गलत अक्षर पर कूदे तो बाकी बच्चे बताएँ कि वह कौन–सा अक्षर है।
- इसी प्रकार, अलग–अलग बच्चों के लिए कोई अक्षर बोलें और बच्चे उस बोले गए अक्षर पर कूदें।

2. मिलकर खोजें

10–15 मिनट

इस गतिविधि में बच्चे विभिन्न प्रकार की किताब, कॉपी, आस-पास की पठन सामग्री इत्यादि में वर्ण/अक्षर खोजते हैं।

- सभी बच्चे गोल घेरे में बैठें। घेरे के बीच में वर्ण/अक्षर की कुछ पर्चियाँ रख दें। प्रत्यके वर्ण/अक्षर की दो–दो पर्चियाँ बनाएँ।
- सभी बच्चे एक–एक पर्ची ले लें और उसे पढ़ें।
- बच्चे एक–दूसरे से खोजें कि उनके जैसा वर्ण/अक्षर और किसके पास है। इसके लिए अपनी पर्ची पर लिखे वर्ण/अक्षर को बोल–बोलकर अपने साथी को ढूँढ़ सकते हैं।
- अपने जोड़ीदार साथी मिलने के बाद बच्चे उस वर्ण/अक्षर को कहानी की किताब, दीवार पर लगे चार्ट, कॉपी इत्यादि में खोजें और शिक्षक को दिखाएँ।

3. मैंने खोज लिया

5–10 मिनट

इस गतिविधि में बच्चे कहानी या कविता में से अक्षर/ शब्द खोज कर लिखते हैं।

- आप कोई वर्ण/अक्षर बोले (जैसे 'क') और बच्चों से कहें कि उन्हें किताब का कोई भी एक पन्ना खोलना है और बताए गए वर्ण/अक्षर को उसी पन्ने में पाँच जगह ढूँढ़ना है। ढूँढे गए वर्ण/अक्षर पर उन्हें पेंसिल से गोला लगाना है। यह करने के लिए उनके पास केवल 1 मिनट का समय होगा।
- जो बच्चे उस वर्ण/अक्षर को खोज लें, वे अपना हाथ ऊपर करें और बोलें– 'मुझ से नहीं छिपा, मैनें 'क' को खोज लिया।'
- इसी प्रकार से अलग–अलग वर्ण/अक्षर बोलें और खेल आगे बढ़ाएँ। इस दौरान शिक्षक कक्षा में घूमते हुए अवलोकन करें और जहाँ ज़रूरत हो, बच्चों की मदद करें।

(इस खेल के दौरान आप बच्चों से ढूँढ़े हुए वर्ण/अक्षर को अपनी कॉपी या चॉक से ज़मीन पर लिखने के लिए भी कह सकते हैं।)

4. हवा में अलग-अलग तरीके से लिखना (वर्ण) — 5-10 मिनट

इस गतिविधि में अपने शरीर के अलग-अलग अंगों से हवा में वर्ण/अक्षर लिखते हैं।

- शिक्षक वर्ण (जैसे: न) को पहले कोहनी से हवा में लिखकर दिखाएँ। फिर बच्चों को साथ-साथ ऐसा करने को कहें।
- इसी तरह पूरे हाथ से, सिर से, पैर से, घुटने से और उँगुली से 'न' लिखकर दिखाएँ। बच्चे साथ-साथ शिक्षक को देख कर इसी तरह करें।
- अंत में, बच्चों को खुद इन अंगों से हवा में लिखने को कहें।

5. शब्द बनाओ, पढ़कर सुनाओ — 5-10 मिनट

इस खेल में बच्चे वर्ण/अक्षर कार्ड के साथ सार्थक/निरर्थक शब्द बनाते व पढ़ते हैं।

- बच्चों को छोटे समूहों में बाँट दें और हर समूह को कम से कम 20-25 वर्ण/अक्षर कार्ड दे दें। हर बच्चे को दो-दो अक्षर कार्ड जोड़कर नए शब्द बनाने और पढ़ने को कहें। उदाहरण के लिए, अगर बच्चे ने दो अक्षर कार्ड जोड़ रखे हैं- 'कि' और 'बा', तो वो उनका बोलकर अभ्यास करें- कि....बा....किबा।
- हर बच्चा जितने हो सके, नए शब्द बनाए और पढ़े।

6. चलो, इस राह पर — 5-10 मिनट

इस गतिविधि में बच्चे अक्षरों को पढ़ते हैं एवं अक्षरों से शब्द भी बनाते हैं।

- कुछ अक्षर कार्ड ले लें और उन्हें एक बड़े गोल आकार में रख दें।
- किसी एक बच्चे को उस गोल घेरे के आस-पास चक्कर लगाते हुए अक्षर पढ़ने के लिए कहें। गलती होने पर शिक्षक उसे ठीक करें।
- एक चक्कर पूरा होने के बाद, उसी बच्चे को घेरे के बीच बुलाएँ।
- फिर उसे उन अक्षरों में से कोई 2-3 अक्षर चुनकर शब्द बनाने को कहें। बच्चा चुने हुए अक्षर घेरे से उठाए और उसे बीच में रखते हुए शब्द बनाए। अक्षर जोड़कर शब्द बनाते समय बच्चे से ऊँची आवाज़ में अक्षर और शब्द बोलने को कहें।
- फिर किसी दूसरे बच्चे को बुलाकर यह प्रक्रिया दोबारा करें। इसी प्रकार खेल आगे बढ़ाएँ।

7. डफली बजा जा (शब्द कार्ड से गतिविधि) — 10-15 मिनट

इस खेल में प्रत्येक बच्चे के पास शब्द कार्ड होता है और शिक्षक जो शब्द बच्चे के लिए बोलते हैं, वह बच्चा उस शब्द को खोजकर बताता है।

- गतिविधि प्रारंभ करने से पहले बच्चों की संख्या के अनुसार शब्द कार्ड बना लें।
- सभी बच्चे गोल घेरे में बैठें। सभी बच्चों के आगे एक-एक कार्ड रख दें।
- शिक्षक किसी बच्चे के पीछे आकर उसकी आँख बंद करके बोलें- 'आ जा घड़ी आ जा। डफली बजा जा।' यहाँ पर 'घड़ी' शब्द कार्ड पर लिखा एक शब्द है और यह शब्द जिसके पास भी हो, वह चुपके से आकर उस बच्चे के सिर को छूकर वापस अपनी जगह पर जाकर बैठ जाए।
- शिक्षक फिर उस बच्चे की आँखों से अपना हाथ हटाते हुए बोलें- 'डफली जिसने है बजाई, उसको ढूँढो।'

*यह गतिविधि अगले पृष्ठ पर जारी है

- वह बच्चा पूरे गोले में घूमे और सबके आगे रखे हुए शब्द पढ़कर डफली बजाने वाले की खोज करे। यानी जिसके पास घड़ी शब्द है, जैसे ही वो उस बच्चे को ढूँढ ले, सब मिलकर बोलें– ''पकड़ लिया उसे पकड़ लिया, जो डफली बजाकर भागा था।''
- खेल आगे बढ़ाने के लिए शिक्षक फिर किसी और बच्चे की आँखें बंद करें और ऊपर बताए नियम के अनुसार खेल को आगे बढ़ाएँ।

8. ढूँढो नया शब्द

10 मिनट

इस खेल में बच्चे बताए गए शब्द को ग्रिड से ढूँढकर लिखते हैं।

- बच्चों को 2–1 की जोड़ी में बैठाएँ और हर जोड़ी को एक अक्षर ग्रिड कार्ड दें।
- फिर कोई भी एक ऐसा शब्द बोलें, जो उस ग्रिड में हो। बच्चों से वह शब्द ढूँढ़ने के लिए कहें।
- जब बच्चे शब्द ढूँढ़ लें तो उनसे शब्द में आ रहे अक्षर/शब्द को ऊँची आवाज़ में बोलने के लिए कहें। उदाहरण– अगर शब्द है पानी तो बच्चे ऊँची आवाज़ में कहें– /पा/ /नी/ पानी।
- फिर बच्चों से सही शब्द अपनी कॉपी या चॉक से ज़मीन पर लिखने के लिए कहें।
- लिखे हुए शब्द को उन्हें फिर से पढ़ने के लिए कहें।

9. मेरे शब्दों की जोड़ी

50 मिनट

इस खेल में बच्चे पर्ची में लिखे गए शब्द का मिलान चार्ट में लिखे गए शब्द से करते हैं।

- कुछ शब्दों की एक सारणी चार्ट पेपर पर बनाएँ और उन्हीं शब्दों की छोटी पर्चियाँ भी तैयार कर लें।
- सभी बच्चे एक गोल घेरे में बैठें। चार्ट को सामने दीवार/बोर्ड पर लगा दें और पर्चियों को एक खुले बॉक्स में डालकर बच्चों के बीच रख दें।
- शुरुआत में कोई भी एक बच्चा घेरे के बीच में रखे बॉक्स में से कोई एक पर्ची ले और उस शब्द को लेकर गोले के आस-पास एक चक्कर लगाते हुए किसी भी बच्चे के पीछे पर्ची रख दे और उसे छूकर अपनी जगह पर आकर बैठ जाए।
- जिस बच्चे के पीछे पर्ची रखी गई है, वह उसे उठाए, पढ़कर बताए और सारणी में लिखे उस शब्द को खोजे।
- इसके बाद ये बच्चा बॉक्स में से कोई दूसरी पर्ची ले और घेरे के बाहर चक्कर लगाते हुए किसी भी बच्चे के पीछे रख दे।

13.2.11 ग्रिड पर कार्य का तरीका और संबंधित खेल गतिविधियाँ

1. बोर्ड पर लिखे वर्ण/अक्षर या शब्द को ग्रिड कार्ड में खोजना

- शिक्षक बोर्ड पर कुछ वर्ण/अक्षर या शब्द लिख दें।
- अब बच्चों को ग्रिड कार्ड में से उन वर्णों/अक्षरों या शब्दों को खोजकर उन पर उंगली या कंकड़ रखने को कहें।
- जब बच्चे जोड़ों या समूह में यह कार्य कर रहे हों, तब शिक्षक घूम-घूमकर बच्चों के कार्य का अवलोकन करें।
- शिक्षक बच्चों द्वारा खोजे गए वर्ण/अक्षर बताने के लिए कहें। यदि बच्चों ने सही वर्ण/अक्षर/शब्द खोज लिया हो तो उन बच्चों को खोजे गए वर्णों/अक्षरों/शब्दों को कॉपी में लिखने के लिए कहें।
- यदि बच्चों ने गलत वर्ण/अक्षर पर उँगली या कंकड़ रखा है तो उन्हें सही वर्ण/अक्षर खोजने में मदद करें।

2. मौखिक रूप से बोले गए वर्ण/अक्षर या शब्द को ग्रिड कार्ड में खोजना

- ऊपर दी गई गतिविधि की तरह ही वर्ण/अक्षर या शब्द खोजने की गतिविधि शिक्षक बोलकर भी करवाएँ।
- बच्चे शिक्षक द्वारा बोले गए वर्ण/अक्षर या शब्द ग्रिड में खोजकर कंकड़ या उंगली रखेंगे।
- शिक्षक घूम-घूमकर समूहों में बच्चों के कार्य का अवलोकन करें।
- शिक्षक बच्चों से खोजे गए वर्ण/अक्षर बोलकर बताने के लिए कहें।
- यदि बच्चों ने सही वर्ण/अक्षर/शब्द खोज लिया हो तो उन बच्चों को खोजे गए वर्णों/अक्षरों/शब्दों को कॉपी में लिखने को कहें। यदि बच्चों ने गलत वर्ण/अक्षर पर उंगली या कंकड़ रखा है तो उन्हें सही वर्ण/अक्षर खोजने में मदद करें।

3. ग्रिड कार्ड में दिए गए वर्ण/अक्षर से शब्द एवं फल, सब्ज़ी, जानवर आदि के नाम बनाना

- इस गतिविधि में शिक्षक बच्चों को ग्रिड में दिए गए वर्ण एवं अक्षरों को मिलाकर जितने शब्द हो सकते हैं, उतने शब्द खोजकर कंकड़ रखने और उन शब्दों को कॉपी में लिखने के लिए कहें।
- जब बच्चे कार्य कर रहे हों, तब शिक्षक घूम-घूमकर बच्चों के कार्य का अवलोकन करें।
- शिक्षक हर एक समूह/जोड़े द्वारा बनाए गए शब्दों को सबके सामने पढ़ने के लिए कहें और उनके लिखित कार्य को देखें। अगर कोई गलती हुई हो तो उसे भी सुधारें।
- बच्चे डिकोडिंग संबंधित कार्य में सहज महसूस करने लगें, तब उन्हें सार्थक शब्द जैसे- फल, सब्ज़ी, जानवर आदि का नाम खोजने के लिए कहें।

डिकोडिंग से जुड़ी लेखन गतिविधियाँ

अभ्यास पुस्तिका पर कार्य

- डिकोडिंग से संबंधित लेखन की गतिविधियाँ करवाने से पहले उदाहरण देकर निर्देश दें।
- लेखन के दौरान देखें कि बच्चे सही तरह लिख रहे हैं।
- प्रत्येक बच्चे को उसके लेखन पर अपनी राय दें और बेहतर करने के लिए प्रोत्साहित करें।

डिकोडिंग श्रुतलेख

- पिछले सप्ताह तक सीखे गए शब्दों में से 3 से 5 सरल वर्ण/अक्षर/शब्दों का चयन करें।
- जब बच्चे अपनी नोटबुक के साथ तैयार हों तो शिक्षक पहला वर्ण/अक्षर/शब्द बोलें। बच्चों को इसे दोहराने के लिए कहें। इससे ये पता चल जाएगा कि बच्चों ने सही सुना है या नहीं।
- अब बच्चों को लिखने के लिए कहें, फिर इसे कम से कम तीन बार बोलें।
- दूसरे और तीसरे वर्ण/अक्षर/शब्द के साथ भी यही प्रक्रिया दोहराएँ।
- फिर शिक्षक बच्चों के लेखन की जाँच करें और सुधार के लिए अपनी राय दें।

ध्यान रखने योग्य बातें:

- अभ्यास पुस्तिका में भी श्रुतलेख संबंधी गतिविधियाँ दी गई हैं, परंतु ये पर्याप्त नहीं हैं। श्रुतलेखन पर कार्य नियमित तौर पर किया जाना चाहिए ताकि बच्चों में डिकोडिंग कौशल सुदृढ़ हो सके।

13.3 पठन गतिविधियाँ

पठन (15-20 मिनट)

- **1-6 सप्ताह**
  - बिग बुक/ पुस्तकालय की किताबों से पठन
  - बच्चों द्वारा किताबें उलटना-पलटना
- **7-26 सप्ताह**
  - शिक्षक के मार्गदर्शन में पठन
  - स्वतंत्र पठन

13.3.1 बिग बुक पर कार्य

सामग्री: बिग बुक

10-15 मिनट

1 से 6 सप्ताह के लिए एक बिग बुक पर काम करना प्रस्तावित है। प्रारंभ में बच्चों की भाषा में बिग बुक पर कार्य होगा। शिक्षक नीचे दी गई योजना को आधार बनाकर बिग बुक पर कार्य करें।

पहला दिन : बिग बुक से परिचय

शिक्षक बिग बुक पर कार्य करने के लिए इस गतिविधि के निम्नलिखित चरणों का अनुसरण करें:

- शिक्षक बिग बुक के मुख्य पृष्ठ पर चर्चा कर अनुमान लगवाकर कहानी का नाम पढ़कर सुनाएँ।
- बच्चों को मुख्य पृष्ठ और कहानी के नाम के आधार पर अनुमान लगाने के लिए कहें कि कहानी में क्या होगा।
- बिग बुक में प्रत्येक पेज के चित्रों को दिखाते हुए चर्चा करें और कहानी को आगे बढ़ाएँ। बच्चों को भी चित्रों के आधार पर कहानी की घटनाओं का अनुमान लगाने के लिए कहें।
- पूरी कहानी को हाव-भाव और आवाज़ में उतार-चढ़ाव के साथ बिग बुक में से पढ़ते हुए सुनाएँ। अंत में, बच्चों के अनुभवों पर चर्चा करें।

दूसरा दिन : कहानी पर बेहतर पकड़

शिक्षक आगे की योजना तैयार करने के लिए इस गतिविधि के निम्नलिखित चरणों का अनुसरण करें:

- बच्चों से पिछले दिन की कहानी के बारे में चर्चा करें और मुख्य घटना को याद दिलाएँ।
- शिक्षक बिग बुक को बच्चों की ओर दिखाएँ। फिर प्रत्येक पेज पर दिए गए चित्र को दिखाते हुए और शब्दों पर उँगली रखते हुए कहानी पढ़कर सुनाएँ।
- कहानी पर विस्तृत चर्चा करें। कहानी पर आधारित बंद एवं खुले छोर (उच्चस्तरीय चिंतन के लिए) के प्रश्न बच्चों से पूछें। ध्यान दें कि हर बच्चे को उत्तर देने का मौका ज़रूर मिले।

तीसरा दिन: शब्द दीवार एवं बिग बुक से साझा-पठन

शिक्षक साझा पठन के लिए निम्नलिखित चरणों का अनुसरण करें:

- शिक्षक बिग बुक से एक बार कहानी सुनाएँ। इस दौरान बच्चों की ओर किताब दिखाते हुए शब्दों पर उँगली रखकर धीरे-धीरे कहानी पढ़कर सुनाएँ।
- शिक्षक बच्चों को अपने साथ पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें (साझा-पठन)। साथ-साथ पढ़ने का मतलब बच्चे और शिक्षक का साथ-साथ पढ़ना है।
- पढ़ते समय मुख्य शब्दों पर थोड़ा रुकें, ताकि बच्चों को साथ में पढ़ने का मौका मिले।
- इस प्रक्रिया को दो बार करें। (धीरे-धीरे जैसे बच्चे पठन सामग्री से परिचित हो जाएँगे, वे शिक्षक के साथ-साथ पढ़ने का प्रयास करने लगेंगे।)

चौथा दिन: साझा-पठन एवं लोगोग्राफिक पठन

शिक्षक आगे की योजना तैयार करने के लिए इस गतिविधि के निम्नलिखित चरणों का अनुसरण करें:

- शिक्षक बच्चों के साथ तीसरे दिन की तरह 2 बार साझा पठन करें।
- शब्द दीवार का इस्तेमाल करते हुए बच्चों के साथ मुख्य शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करें। (लोगोग्राफिक पठन)
- बच्चों को शब्द दीवार के पास जाकर इन शब्दों पर उंगली रखकर पढ़ने में मदद करें।
- अंत में, 3-4 बच्चों को बिग बुक में से कहानी पढ़ने के लिए आमंत्रित करें। ऐसा करते समय उन्हें किताब पकड़ने और पन्नों पर छपे चित्रों और शब्दों को देखते हुए कहानी सुनाने के लिए प्रोत्साहित करें।

शब्दों की पहचान के लिए कुछ छोटे खेल और गतिविधियाँ भी करा सकते हैं। जैसे- शब्द दीवार में जिस शब्द पर उँगली रखी है, उसे बिग बुक में ढूँढ़ना या शिक्षक द्वारा बोले गए शब्द को शब्द दीवार पर ढूँढ़ना। इन शब्दों को पहले से बड़े अक्षरों में शब्द दीवार पर लिख कर रखें। ध्यान रखें कि शब्द दीवार पर लिखे शब्द अधिकतम 7-8 ही हों।)

13.3.2 शिक्षक के मार्गदर्शन में पठन (अभ्यास पुस्तिका खंड-2)

सामग्रीः अभ्यास पुस्तिका

15-20 मिनट

कक्षा-1 में बच्चों के पठन अभ्यास के लिए अभ्यास पुस्तिका के खंड-2 में छोटे और सरल पाठ दिए गए हैं। इन पाठों पर 'शिक्षक के मार्गदर्शन में पठन' की गतिविधि की जानी है। इसकी प्रक्रिया नीचे दी गई है-

- शिक्षक पाठ के शीर्षक और चित्र पर बच्चों से चर्चा करें।
- पाठ को उचित गति और हाव-भाव से पढ़कर सुनाएँ। इस दौरान बच्चे अपनी-अपनी किताब में इसे देखें।
- बच्चों को जोड़े में पाठ पढ़ने के लिए कहें और कक्षा में घूमते हुए बच्चों को पढ़ते हुए सुनें। अगर बच्चे किसी शब्द में कठिनाई महसूस कर रहे हैं तो आवश्यकतानुसार पढ़ने में उनकी मदद करें।
- कक्षा से 2-3 बच्चों को कक्षा के सम्मुख पाठ को पढ़ने के लिए कहें।

13.3.3 स्वतंत्र पठन (अभ्यास पुस्तिका खंड-2)

सामग्रीः अभ्यास पुस्तिका

15-20 मिनट

अभ्यास पुस्तिका के खंड-2 में दिए पाठों पर दिवस-2 में स्वतंत्र पठन का कार्य किया जाना प्रस्तावित है। इसकी प्रक्रिया नीचे दी गई है-

- बच्चों को पिछला पाठ एक बार पढ़कर सुनाएँ।
- अब बच्चों को स्वतंत्र रूप से पाठ को पढ़ने के लिए कहें। जो बच्चे अभी स्वतंत्र रूप से पाठ पढ़ने में सक्षम नहीं है। शिक्षक उन बच्चों की मदद शब्दों को पढ़ने में करें।
- किन्हीं 2-3 बच्चों से कक्षा में सामने आकर पढ़ने के लिए कहें। बाकी बच्चे अपनी किताब में देखें।

13.3.4 बच्चों द्वारा किताब पढ़ना (किताबें उलटना-पलटना)

सामग्रीः कहानी की किताबें

15-20 मिनट

शिक्षक इस गतिविधि के निम्नलिखित चरणों का अनुसरण करें:

- शुरुआत में ऐसी किताबें बच्चों को देखने के लिए दें, जिनमें अच्छे चित्र हों।
- बच्चों को किताबें देखने व पढ़ने के लिए कहें।
- पढ़ी हुई कहानी पर चर्चा करें कि उन्होंने क्या पढ़ा? क्या अच्छा लगा? इत्यादि।

गतिविधि का विवरण - बच्चों को किताब पढ़ने के लिए समय देना चाहिए। इस समय बच्चे कहानी पढ़ नहीं पा रहे होंगे, मगर उन्हें किताब पकड़ने, चित्र देखने इत्यादि के मौके मिलते हैं। इनमें पाठ्यपुस्तक के अलावा कविता-कहानियों की रोचक किताबें हों। बच्चे व्यक्तिगत रूप से अलग-अलग बैठकर किताबें पढ़ें।

14. दैनिक शिक्षण योजना के पाठ नमूने

14.1 वर्ण पहचान के लिए शिक्षण योजना का उदाहरण

'म' वर्ण पहचान कर उसकी ध्वनि बताना और लिखना।

डिकोडिंग — 40-45 मिनट

वर्ण सीखना (वर्ण 'म')

म

तैयारी और सामग्री

- सामग्री – बोर्ड, चॉक, वर्ण कार्ड, पाठ्यपुस्तक, अभ्यास पुस्तिका
- शिक्षक वर्ण कार्ड पहले से ही अलग छाँटकर रखें।
- 'म' वर्ण से शुरू होने वाले कुछ सरल शब्दों की सूची।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- वर्ण सीखने का अर्थ है कि बच्चे वर्ण की आकृति तथा उससे संबंधित ध्वनि को पहचान व बोल सकें।
- पाठ्यपुस्तक और अभ्यास पुस्तिका दोनों का उपयोग करें।

प्रक्रिया — 20-25 मिनट

- कक्षा की शुरुआत स्थानीय कविता या गीत को हाव-भाव के साथ गाकर करें। इसमें सभी बच्चों को हिस्सा लेने के लिए उनका प्रोत्साहन करें। इस खेल गतिविधि के लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- बच्चों को गोल घेरे में बैठाएँ और शिक्षक स्वयं भी बच्चों के साथ बैठ जाएँ।
- शिक्षक बच्चों के साथ किसी परिचित शब्द (जैसे- मछरी) को मौखिक रूप से तोड़कर-जोड़कर बोलें, जैसे- (मछली- 'म' 'छ' 'ली') और ('म' 'छ' 'ली'- मछली)। अब बच्चों से शब्द की पहली आवाज़ ('म') पहचानने को कहें। इस प्रक्रिया को 3-4 सरल एवं परिचित शब्दों के साथ करें, जैसे- मकान, महल।
- 'मछली' शब्द को बोर्ड पर लिखें और उसकी पहली आवाज़ के प्रतीक 'म' पर गोला लगाएँ और बच्चों को 'म' का उच्चारण करके बताएँ।
- फिर बच्चों को 'म' वर्ण का कार्ड दिखाएँ और 3-4 बार 'म' वर्ण का उच्चारण करें। अब बच्चों से 'म' वर्ण से शुरू होने वाले अन्य शब्द या नाम बताने को कहें और आप उन्हें बोर्ड पर लिखते जाएँ, जैसे- मनोज, ममता, मटर, मच्छर, महल, मगर, मकड़ी, मगरमच्छ, मक्खी आदि। शिक्षक लिखे हुए सभी शब्दों को बच्चों के साथ मिलकर पढ़ें और उनकी पहली आवाज़ के प्रतीक 'म' वर्ण पर गोला लगवाएँ।
- बच्चों को 'म' वर्ण कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और पाठ्यपुस्तक से ढूँढ़कर बताने को कहें। शिक्षक पाठ्यपुस्तक में 'म' वर्ण पर गोला लगाने को भी कह सकते हैं।
- डिकोडिंग की खेल गतिविधि **'यह है मेरा अक्षर'** करवाएँ।
- बच्चों को डिकोडिंग के खेल के माध्यम से 'म' वर्ण लिखने का अभ्यास करवाएँ। जैसे- सभी बच्चों को गोल घेरे में खड़े होने को कहें। अब शिक्षक हवा में उँगली से 'म' वर्ण लिखें और सभी बच्चों को दोहराने के लिए कहें। अब यही प्रक्रिया अलग-अलग प्रकार से करें और करवाएँ, जैसे- 'म' को पैर से, सिर से, कंधे से, कमर से, कोहनी से, घुटने से, जमीन पर चलकर आदि लिखने का अभ्यास करवाएँ।
- अंत में, 'म' वर्ण लेखन से संबंधित अभ्यास कार्य (पाठ-26) को अभ्यास पुस्तिका से समझते हुए पूरा करने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- बच्चे 'म' वर्ण पहचानने में कठिनाई महसूस कर रहे थे? जरूरत पड़ने पर गतिविधि को दोहराएँ।
- क्या बच्चे 'म' लिखने का तरीका समझ पाए? अवलोकन करें।

14.2 कहानी पर आधारित दैनिक शिक्षण योजना के उदाहरण

पाठ्यपुस्तक से कहानी सुनकर समझना और सरल प्रश्नों के उत्तर देना

मौखिक भाषा | पाठ्यपुस्तक पर कार्यः पहला दिन | 25-30 मिनट

तैयारी और सामग्री

- पाठ्यपुस्तक की कविता का उदाहरण
- कहानी- बंदर और गिलहरी (पाठ्यपुस्तक)।
- कहानी पर खुले और बंद छोर के प्रश्नों की सूची पहले से तैयार रखें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को गतिविधि में शामिल करें।
- बच्चों को अपनी भाषा में अलग-अलग श्रेणियों से जुड़े नामों को बताने के लिए प्रोत्साहित करें।
- कक्षा का माहौल रोचक बनाए रखें।

कविता पर कार्य

- कक्षा की शुरुआत स्थानीय कविता या गीत को हाव-भाव के साथ गाकर करें। इसमें सभी बच्चों को हिस्सा लेने के लिए उनका प्रोत्साहन करें। इस खेल गतिविधि के लिए 3 से 5 मिनट का ही समय दें।
- शिक्षक पहले बच्चों को कविता लय के साथ गाकर सुनाएँ, फिर बच्चों को साथ में दोहराने के लिए कहें।
- ऐसा 2-3 बार करें, ताकि बच्चे कविता की लय और शब्दों को अच्छे से पकड़ पाएँ।
- सुनाई गई कविता के विषय से जुड़ी कोई और कविता को याद दिलाएँ और उन्हें सुनाने को कहें।

मौखिक कहानी सुनाना

- शिक्षक बच्चों को गोल घेरे में बैठाएँ और शिक्षक स्वयं भी बच्चों के साथ बैठ जाएँ और कहें- आज मैं आपको पाठ की कहानी सुनाऊँगा/सुनाऊँगी, जिसका नाम है- 'बंदर और गिलहरी'। शिक्षक सप्ताह 19 में पाठ-17 कहानी के चित्रों को भी बच्चों को दिखाएँ। अब बच्चों से कहानी के नाम और चित्रों से कहानी का अनुमान लगाने के लिए कहें, जैसे- बच्चों के अनुसार कहानी में कौन-कौन होगा? क्या हुआ होगा? आदि। यह सभी बातचीत बच्चों की भाषा में करें।
- अब शिक्षक 'बंदर और गिलहरी' कहानी को बच्चों को आवाज़ में उतार-चढ़ाव और हाव-भाव का उपयोग करते हुए कहानी मौखिक रूप से सुनाएँ।
- कहानी सुनाते समय अधिक चर्चा करने से बचें। बीच-बीच में 1-2 अनुमान लगाने वाले प्रश्नों को पूछकर यह सुनिश्चित करें कि बच्चों का पूरा ध्यान कहानी सुनने पर है या नहीं। जैसे- गिलहरी ने क्या देखा? अगर बंदर गुस्सा होता तो क्या होता? आदि।
- कहानी सुनाने के दौरान यदि कोई कठिन या नया शब्द आता है तो बच्चों को उनका अर्थ संदर्भ के साथ समझाएँ, जैसे- गुदगुदी, उछलकूद, चौंकना आदि। कहानी सुनाते समय या चर्चा के लिए बच्चों की भाषा का प्रयोग करें, बच्चों को घर की भाषा उपयोग करने की अनुमति दें।
- कहानी सुनाने के बाद बच्चों से कहानी से संबंधित बंद छोर (तथ्यात्मक) और खुले छोर (उच्च स्तरीय चिंतन) दोनों तरह के प्रश्न पूछें। जैसे- कहानी में कौन-कौन थे? झूला कौन झूलना चाहता था? पूँछ किसकी थी? अगर बंदर पेड़ पर न होता तो गिलहरी कैसे झूला झूलती? गिलहरी की जगह आप होते तो क्या करते? इस कहानी को आगे कैसे बढ़ाया जा सकता है? आदि।

लेखन कार्य

- सुनी गई कहानी पर बच्चों को चित्र बनाने को कहें। तत्पश्चात बच्चों द्वारा बनाए गए चित्र सभी को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में सहभागिता की?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर अगले खंड में उन्हें थोड़े और मौके दें और उन्हें सहभागिता करने के लिए प्रोत्साहित करें।

14.3 दैनिक शिक्षण योजना 'अभ्यास पुस्तिका के खंड-2 का मार्गदर्शन में पठन' के उदाहरण

अभ्यास पुस्तिका के खंड-2 का मार्गदर्शन में पठन

पठन | अभ्यास पुस्तिका के खंड-2 पर कार्यः पाठ-13 | 15-20 मिनट

तैयारी और सामग्री

- अभ्यास पुस्तिका खंड-2
- पाठ पर चर्चा के लिए कुछ खुले और बंद छोर के प्रश्नों की सूची पहले से तैयार रखें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी को गतिविधि में शामिल करें।
- बच्चों को अपनी भाषा में चर्चा में भाग लेने दें।
- सभी बच्चों की बातों को ध्यान से सुनें और सकारात्मक प्रतिक्रिया दें।
- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें।
- सभी बच्चों को सप्ताह में कम से कम एक बार कक्षा के सामने पढ़ने का मौका दें।

प्रक्रिया

- शिक्षक बच्चों को गोल घेरे में बैठाएँ और पाठ-13 खोलने के लिए कहें।
- पाठ के शीर्षक और चित्र पर चर्चा करें।
- पाठ को उचित गति और हाव-भाव के साथ बच्चों को पढ़कर सुनाएँ। इस दौरान बच्चों को अपनी-अपनी किताब में देखने के लिए कहें।
- अब बच्चों को जोड़ी में बँटने के लिए कहें और कक्षा में घूमते हुए बच्चों को पढ़ते हुए देखें।
- किसी जोड़ी के पास बैठें और सुनें। आवश्यकता पड़ने पर पढ़ने में बच्चों की मदद करें।
- शिक्षक किन्हीं 2-3 बच्चों से कक्षा के सामने आकर पढ़ने के लिए कहें। बाकी बच्चों से अपनी-अपनी किताब में देखने के लिए कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का अभ्यास किया?
- यदि नहीं तो ऐसे बच्चों की पहचान करें, उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

पाठ-13

मजेदार जलेबी खाओ

उसमान ने जलेबी लाई।
उसमान ने तारा को भी एक जलेबी दी।
दोनों ने मजे से जलेबी खाई।

146

पाठ-15

नहर में कमल

उजमा नहर पर गई। वह नहर से कमल लाई। ओमी कमल लेने नहर गया। उसे भी कमल मिल गया।

148

पाठ-17

रसीले आम

बाजार में आम आ गए हैं। आम पीले और रसीले हैं। सभी को आम खाने हैं। पके आम खाने हैं।

150

14. आकलन एवं पुनरावृत्ति

आकलन अपने आप में कोई अलग प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह शिक्षण कार्य का ही अभिन्न अंग है। सीखने को सुनिश्चित करने के लिए दक्षता के अनुसार सतत आकलन करना शिक्षण प्रक्रिया को प्रभावशाली बनाता है। आकलन शिक्षण के उद्देश्य पर आधारित प्रक्रिया है जिसे नियमित और योजनाबद्ध रूप से किया जाना आवश्यक है।

2023-24 की आकलन प्रक्रिया

कक्षा प्रक्रिया को सशक्त करने के उद्देश्य से बच्चों के साथ तीन तरह के आकलन किए जाएँगे।

अनौपचारिक आकलन	साप्ताहिक आकलन	सावधिक आकलन
दैनिक गतिविधियों के दौरान या बाद में	सप्ताह के अंत में	वर्ष में 2 बार

14.1 दैनिक गतिविधियों के दौरान अनौपचारिक आकलन/समीक्षा

कक्षा में गतिविधियों के दौरान यह जानना आवश्यक है कि बच्चे गतिविधि के अधिगम उद्देश्य को प्राप्त कर पाए या नहीं। इसके लिए गतिविधि के बीच में या अंत में विषयवस्तु और कौशल के हिसाब से अलग-अलग तरीकों से आकलन/अवलोकन किए जाते हैं। इसे अनौपचारिक आकलन भी कहा जाता है। यहाँ नीचे इस अनौपचारिक आकलन के लिए कुछ सुझाव दिए जा रहे हैं, शिक्षक कक्षा के दौरान इन्हें अपनाकर अपनी शिक्षण-प्रक्रिया को समृद्ध और प्रभावी बना सकते हैं।

मौखिक कार्य के दौरान

- ✓ कक्षा में मौखिक कहानी या किताब/बिग बुक से कहानी सुनाने के दौरान बच्चों से सरल और सीधे प्रश्न पूछें, ताकि आप पता लगा पाएँ कि बच्चे कहानी को समझ रहे हैं या नहीं।
- ✓ बातचीत, चर्चा या खेल गतिविधि के दौरान हर 5-7 मिनट में एक बार यह ज़रूर देखें कि क्या सभी बच्चों ने बात की है या प्रतिभाग किया है? अगर नहीं तो सभी बच्चों को शामिल करने के लिए प्रोत्साहित करें।

डिकोडिंग के दौरान

- ✓ डिकोडिंग के दौरान किसी नए दिन की शुरुआत में पिछले दिन सिखाई गई विषयवस्तु के बारे में 5 बच्चों से प्रश्न पूछें। वर्ण/अक्षर और शब्द पहचान के लिए बोर्ड का सहारा ले सकते हैं। अगर ज्यादातर बच्चे नहीं बता पाते हैं तो पहले 3-5 मिनट तक पिछली विषयवस्तु को बच्चों के साथ दोहराएँ।
- ✓ वर्ण/अक्षर पहचान के दौरान अभ्यास पुस्तिका पर कार्य करने से पहले शिक्षक कुछ बच्चों से बोर्ड पर नए और पुराने वर्ण लिखने को कहें और बाकी को उसे पहचानने को कहें।
- ✓ शब्द और वाक्य के श्रुतलेख कार्य के दौरान बच्चों को जोड़े में एक-दूसरे का लेखन देखने के लिए कहें। जब बच्चे पहले एक-दूसरे का लेखन देख लें, तब शिक्षक बोर्ड पर शब्द या वाक्य लिखें। फिर सभी बच्चों को उसे देखकर अपना कार्य जाँच करने के लिए कहें।

14.2 साप्ताहिक योजना में आकलन

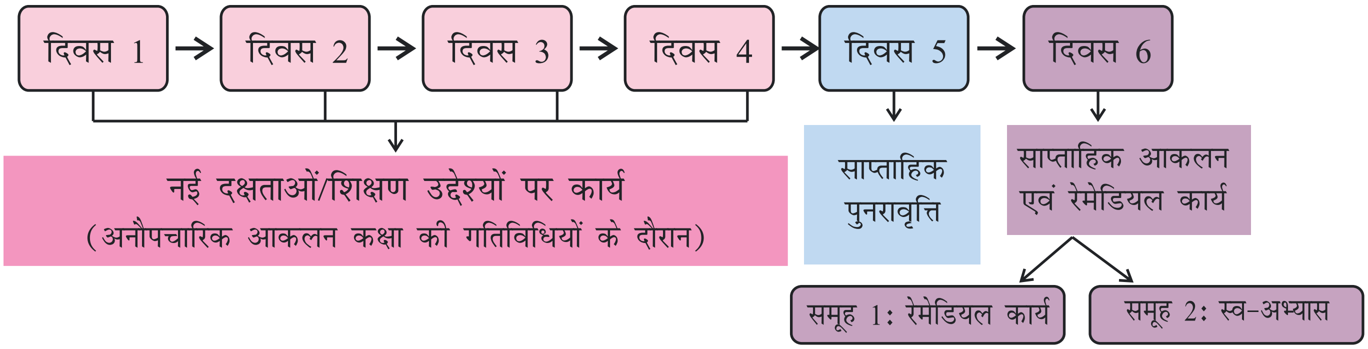

(दिन 1-4) नई दक्षताओं/शिक्षण उद्देश्यों पर कार्य

सप्ताह के पहले चार दिनों में हम बच्चों के साथ नई दक्षताओं/शिक्षण उद्देश्यों पर कार्य करेंगे, जिसमें डिकोडिंग कौशल के अंतर्गत नए वर्ण/मात्रा पहचान और शब्द पठन का कार्य होगा। दैनिक योजना के अनुसार इन पर कार्य किया जाएगा।

(दिन 5) साप्ताहिक पुनरावृत्ति

- साप्ताहिक पुनरावृत्ति का कार्य प्रत्येक सप्ताह के 5वें दिन रखा गया है।
- सीखी गई विषयवस्तु का दोहरान किया जाएगा। इससे बच्चों के सीखने के बेहतर परिणाम देखे जा सकते हैं। पुनरावृत्ति में वर्ण स्तर की गतिविधियों के साथ-साथ ब्लेंडिंग, शब्द पठन, वाक्य पठन की गतिविधियों को भी सम्मिलित किया गया है।

(दिन 6) साप्ताहिक आकलन- 'मैंने सीख लिया'

- डिकोडिंग से संबंधित दक्षताओं के साप्ताहिक आकलन का मुख्य उद्देश्य बच्चों द्वारा सीखी गई दक्षताओं को जानना और उन बच्चों को पहचानना है, जो उन दक्षताओं को हासिल नहीं कर पाए हैं।
- साथ-साथ उन बिन्दुओं को चिह्नित करना है, जहाँ कक्षा के अधिकतर बच्चों को कठिनाई हो रही है और फिर से इन दक्षताओं का शिक्षण करना है।
- इस कार्य के प्रत्येक सप्ताह के दिवस 6 में किया जाएगा। इस दौरान, आकलन के बाद जिन बच्चों ने लक्षित दक्षता प्राप्त नहीं की है, उनके साथ योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जाना है।
- छठे दिन समूह-1 के बच्चों के साथ पठन वाले खंड में भी पुनरावृत्ति अभ्यास का कार्य जारी रहेगा।

14.2.1 समूह निर्धारण : रेमेडियल एवं पुनरावृत्ति/स्व अभ्यास कार्य

आकलन के आधार पर शिक्षकों को बच्चों के सीखने के कई स्तर मिलेंगे, शिक्षक बच्चों को सीखी गईं दक्षताओं के विश्लेषण के आधार पर दो समूहों में बाँटें:

समूह 1 : आकलन में जिन बच्चों के 50% या उससे कम अंक आए हैं।

समूह 2 : आकलन में जिन बच्चों के 50% से अधिक अंक आए हैं।

जब आप समूह 1 के बच्चों के साथ कार्य कर रहे हों तब कक्षा के समूह-2 के बच्चों को उनकी दक्षता के अनुसार स्वतंत्र पठन, लेखन, अभ्यास पुस्तिका और पाठ्यपुस्तक में कार्य करने दें।

14.2.2 साप्ताहिक आकलन के बाद बच्चों के साथ रेमेडियल/पुनरावृत्ति कार्य

दो समूहों में कार्य

समूह-1
50% या उससे कम
(जैसे- 10 में से 5 या उससे कम, 20 में से 10 या उससे कम)

वर्ण स्तर का कार्य
- वर्णों/अक्षरों की दोबारा पहचान करवाएँ।
- शब्दों में वर्णों/अक्षरों को ढूँढकर गोला लगवाएँ।
- ग्रिड से वर्ण/अक्षर की पहचान करवाएँ।
- कॉपी में वर्ण/अक्षर को लिखवाएँ और गृहकार्य दें।

शब्द स्तर का कार्य
- ग्रिड से खोजकर शब्द पढ़ने का अभ्यास।
- वर्ण/अक्षर जोड़कर शब्द पढ़ने का अभ्यास। (शिक्षक करके दिखाएँ, फिर बच्चे करें।)
- वर्ण/अक्षर जोड़कर शब्द लिखवाएँ और पढ़वाएँ।

समूह-2
50% या उससे अधिक
(जैसे- 10 में से 6 या उससे अधिक, 20 में से 11 या उससे अधिक)

शिक्षक इसके लिए कुछ समय देकर निर्देश दें, ताकि ये बच्चे खुद इन गतिविधियों को कर पाएँ:
- डिकोडिंग खेल
- कहानी की किताबें पढ़ना।
- देखकर शब्द/वर्ण/अक्षर लिखना
- 'कार्य पत्रक' पर काम करना।
- शब्द दीवार से फलों, सब्ज़ियों, कहानी के पात्रों के नाम लिखना आदि।

14.3 सावधिक आकलन प्रक्रिया

26 सप्ताह की शिक्षण योजना में दो बार सावधिक आकलन किया जाएगा। पहला आकलन 13वें सप्ताह में और दूसरा आकलन 20वें सप्ताह में किया जाना है। इसे आंतरिक प्रक्रिया के तौर पर देखा जाना चाहिए। इसका उद्देश्य भी बच्चों को कक्षा स्तर की दक्षताओं को हासिल करने में मदद करना है। इस संदर्भ में दिशा निर्देश :

सावधिक आकलन एवं समूह निर्धारण

बच्चों द्वारा लाए गए अंकों के आधार पर ट्रैकर में बच्चों की प्रगति को दर्ज करना होगा और समूह निर्धारण करना होगा।

✍ **समूह 1 :** आकलन में जिन बच्चों ने 50% या उससे कम अंक पाए हैं।

✍ **समूह 2 :** आकलन में जिन बच्चों ने 50% से अधिक अंक पाए हैं।

सावधिक रेमेडियल एवं पुनरावृत्ति/अभ्यास कार्य

इस दौरान सावधिक पुनरावृत्ति के पाठों पर कार्य किया जाएगा। समूह-1 के बच्चों के साथ शिक्षक दक्षता/विषय आधारित गतिविधियाँ करवाएँ, जिनसे बच्चों के सीखने के स्तर में सुधार हो। समूह-2 के बच्चे इन सावधिक पुनरावृत्ति पाठों पर स्वतंत्र रूप से कार्य करेंगे। साथ ही, कक्षा में उपलब्ध पठन सामग्री जैसे कहानी की किताबें, पाठ्यपुस्तक के पाठ पढ़ने का कार्य करेंगे।

सावधिक आकलन और पुनरावृत्ति के लिए दो सप्ताह तक कार्य किया जाएगा।

हर सप्ताह
दिवस 6

सप्ताह 7–26 में डिकोडिंग से संबंधित आकलन एवं मौखिक भाषा विकास से संबंधित अवलोकन करें। डिकोडिंग से संबंधित आकलन 'मैंने सीख लिया' के आधार पर जो बच्चे स्तर–1 (समूह–1 के बच्चे) पर हैं, उनके लिए 1 और जो स्तर–2 (समूह–2 के बच्चे) पर हैं, उनके लिए 2 लिखें। मौखिक भाषा विकास से संबंधित अवलोकन नियमित रूप से करें और जिन बच्चों को अधिक मदद की आवश्यकता है, उनके नाम के आगे '–' चिह्नका निशान लगाएँ।

डिकोडिंग

- अभ्यास पुस्तिका में दिए गए पाठ 'मैंने सीख लिया' से आकलन करें।

मौखिक भाषा में नीचे दिए गए बिंदुओं पर अवलोकन करें–

- किसी चित्र को पहचानकर उसका नाम अपनी भाषा में बता पाना।
- चर्चा के दौरान अपनी भाषा में प्रश्नों के जवाब देना या प्रश्न पूछना।

15.1 डिकोडिंग एवं पढ़कर मौखिक रूप से उत्तर देना का ट्रेकर (सप्ताह 7 से 16)

क्र.	बच्चों के नाम	7		8		9		10		11		12		13		14		15		16	
1																					
2																					
3																					
4																					
5																					
6																					
7																					
8																					
9																					
10																					
11																					
12																					
13																					
14																					

क.	बच्चों के नाम	7		8		9		10		11		12		13		14		15		16	
		क स म		क स म		क स म		क स म		क स म		क स म		क स म		क स म		क स म		क स म	
15																					
16																					
17																					
18																					
19																					
20																					
21																					
22																					
23																					
24																					
25																					
26																					
27																					
28																					
29																					
30																					

15.2 डिकोडिंग एवं पढ़कर मौखिक रूप से उत्तर देना का ट्रैकर (सप्ताह 17 से 26)

डिकोडिंग

- अभ्यास पुस्तिका में दिए गए पाठ 'मैंने सीख लिया' से आकलन करें।

मौखिक भाषा में नीचे दिए गए बिंदुओं के आधार पर अवलोकन करें–

- किसी चित्र को पहचानकर उसका नाम अपनी भाषा में बता पाना।
- चर्चा के दौरान अपनी भाषा में प्रश्नों के जवाब देना या प्रश्न पूछना।

क्र.	बच्चों के नाम	17		18		19		20		21		22		23		24		25		26	
		क स म		क स म		क स म		क स म		क स म		क स म		क स म		क स म		क स म		क स म	
1																					
2																					
3																					
4																					
5																					
6																					
7																					
8																					
9																					
10																					
11																					
12																					
13																					
14																					
15																					

क्र.	बच्चों के नाम	17		18		19		20		21		22		23		24		25		26	
16																					
17																					
18																					
19																					
20																					
21																					
22																					
23																					
24																					
25																					
26																					
27																					
28																					
29																					
30																					

16. प्रिंट रिच वातावरण

पढ़ने-लिखने के शुरुआती चरणों में बच्चों को जितनी अलग-अलग तरह की शिक्षण अधिगम सामग्री और प्रिंट की चीजें मिलती हैं, उनका सीखना उतना ही रोचक हो जाता है। समृद्ध कक्षा-कक्ष बच्चों के पढ़ने-लिखने, कक्षा और अपने सहपाठियों से जुड़कर कार्य करने एवं झिझक दूर करने में काफी मददगार होता है। यह वातावरण उन बच्चों के सीखने में और ज़्यादा मदद करता है, जिनके घरों में प्रिंट सामग्री पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं है।

प्रिंट रिच वातावरण के मुख्य 6 घटक हैं।

1. किताबों का कोना

बच्चों के स्तर की किताबों को कक्षा के किसी कोने में सजाकर इस तरह रखें कि बच्चे उसे लेकर देख सकें। दीवार में रस्सी टाँगकर भी कुछ किताबों को रखा जा सकता है।

2. चित्र चार्ट

इनको कक्षा में इस तरह दीवारों और खिड़कियों के सहारे रखें कि ये सबको दिख जाएँ। इन्हें दीवारों पर न चिपकाएँ, क्योंकि चित्र पर चर्चा के लिए इन्हें बच्चों के बीच में रखकर कार्य करना पड़ता है।

3. कविता/कहानी पोस्टर

इन्हें दीवारों पर लगाएँ। ज़मीन से इनकी ऊँचाई ऐसी हो कि बच्चे आसानी से इन्हें देख सकें और इनके साथ कार्य कर सकें।

4. लेबलिंग

कक्षा में मौजूद वस्तुओं के नाम कागज़ पर लिखकर उन्हें प्रत्येक वस्तु के पास चिपकाया जा सकता है। जैसे- दरवाजा, खिड़की, अलमारी आदि।

5. बच्चों का कोना

बच्चों द्वारा बनाए गए चित्रों को दीवार पर प्रदर्शित करने के लिए एक निश्चित जगह चुनें। उस पर उनके नाम सहित उनके द्वारा बनाए गए चित्रों को चिपकाएँ या टाँग दें।

6. शब्द दीवार

दीवारों पर कई तरह के शब्द चार्ट लगाए जा सकते हैं, जैसे- बच्चों के नाम, जन्मदिन चार्ट, स्थानीय शब्द, कहानी/कविता के शब्द आदि।

नोट- कक्षा में प्रदर्शित सामग्री को समय-समय पर शिक्षण योजना के अनुरूप बदलते रहना चाहिए। इससे कक्षा में नवीनता बनी रहती है और बच्चे इस सामग्री के उपयोग से स्व-अभ्यास करते हैं तथा नया सीखने के लिए आतुर रहते हैं।

17. कक्षा प्रबंधन

कक्षा प्रबंधन एक विशेष प्रकार की रणनीति एवं तकनीक है, जो सभी बच्चों को सक्रिय रूप से कक्षा में हो रही गतिविधियों से जोड़कर रखती है। प्रभावी कक्षा प्रबंधन वह है, जो सीखने में मदद करे, जैसे- शिक्षक का व्यवहार एवं कक्षा का वातावरण, वास्तविक अपेक्षाएँ, अधिगम शिक्षण सामग्री का उपयोग, गतिविधियों एवं शिक्षण कार्य में विविधता, समय प्रबंधन/नियोजन आदि।

प्रभावी कक्षा प्रबंधन के मुख्य बिंदु-

1. बैठक व्यवस्था

- बैठक की व्यवस्था, कक्षा-कक्ष में हो रही गतिविधियों के अनुसार हो, जैसे- गोल घेरे में बैठना, छोटे-छोटे समूहों में बैठना।
- शिक्षण के समय बच्चों और बोर्ड के बीच में दूरी कम हो।

2. बच्चों के साथ जुड़ाव

- कक्षा में शिक्षण के दौरान, आप जब भी बच्चों के साथ बातचीत करें तो उनकी भावनाओं के प्रति सचेत और संवेदनशील रहें।
- ऐसी बातचीत में सभी बच्चों को मौका दें।
- जो बच्चे डर या झिझक महसूस करें, उन्हें कक्षा में जुड़ने के लिए अधिक मौके दें।

3. सहज वातावरण

- कक्षा के सभी बच्चों को अपनी बात रखने के भरपूर मौके दें।
- कक्षा-व्यवस्था संबंधी नियमों को बच्चों के साथ मिलकर तय करें।
- शिक्षण कार्य के दौरान, बच्चों के साथ बराबरी का व्यवहार करें।

4. समय प्रबंधन/नियोजन

- बेहतर शिक्षण के लिए यह समझना आवश्यक है कि बच्चों को 'इंतजार का समय' (wait time) और 'काम का समय' (time on task) कितना मिला।
- इंतज़ार का समय वह समय होता है, जिसमें बच्चों को सोचने का समय दिया जाता है और काम के समय में बच्चे किसी गतिविधि आदि पर समय लगाते हैं।
- जिन शिक्षण सामग्रियों को काम में लेना है, उन्हें पहले से ही इकट्ठा कर लें।
- शिक्षण योजनाओं को कक्षा में क्रियान्वयन करने से एक दिन पहले अवश्य पढ़ें एवं आवश्यक तैयारी कर लें।
- बहुकक्षीय शिक्षण की अवस्था में शिक्षक को अपने समय-संतुलन पर भी खास ध्यान देना चाहिए।

भाषायी सर्वेक्षण

छत्तीसगढ़ एक बहुभाषी राज्य है। यहाँ के लोग 93 से अधिक भाषाओं (या उनकी किस्मों) का प्रयोग करते हैं। यहाँ के शासकीय स्कूलों में शिक्षण का माध्यम मुख्य रूप से हिंदी है। शोध बताते हैं कि जब स्कूल की भाषा बच्चों के घर की भाषा से भिन्न होती है, तो बच्चों को स्कूल के प्रारंभिक वर्षों में भाषा संबंधी बहुत-सी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। राज्य में फरवरी-अप्रैल 2022 के दौरान 29,755 प्राथमिक स्कूलों में 'भाषायी सर्वेक्षण' किया गया था। यह सर्वेक्षण इन स्कूलों की पहली कक्षा की स्थितियों पर आधारित है। भारत में यह स्कूली शिक्षा का भाषायी मानचित्रण तैयार करने की आज तक की सबसे बड़ी योजना थी। सर्वेक्षण से पता चलता है कि लगभग 75 प्रतिशत स्कूलों में घर की भाषा और स्कूली भाषा में अंतर के कारण बच्चों को सीखने में मध्यम से गंभीर स्तर तक की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

छत्तीसगढ़ में किए गए भाषायी सर्वेक्षण का दायरा	
जिलों की संख्या : 28	शामिल विकासखंडों की संख्या : 146
शामिल संकुलों की संख्या : 2451	सहभागी स्कूलों की संख्या : 29,755
प्रतिनिधित्व करने वाले कक्षा -1 के बच्चों की संख्या : 4,12,973	

क्र.सं.	भाषा	कक्षा -1 में बोलने वाले बच्चों का %
1.	छत्तीसगढ़ी	65.83
2.	सरगुजिहा	9.38
3.	हिंदी	5.65
4.	हल्बी	4.19
5.	सादरी	3.97
6.	गोंडी (दंतेवाड़ा)	2.33
7.	ओडिया	1.74
8.	गोंडी (बस्तर)	1.73
9.	भतरी	1.04
10.	कुड़ुख	0.7

हिंदी में कक्षा-1 के बच्चों की निपुणता के लिहाज से स्कूलों का वितरण

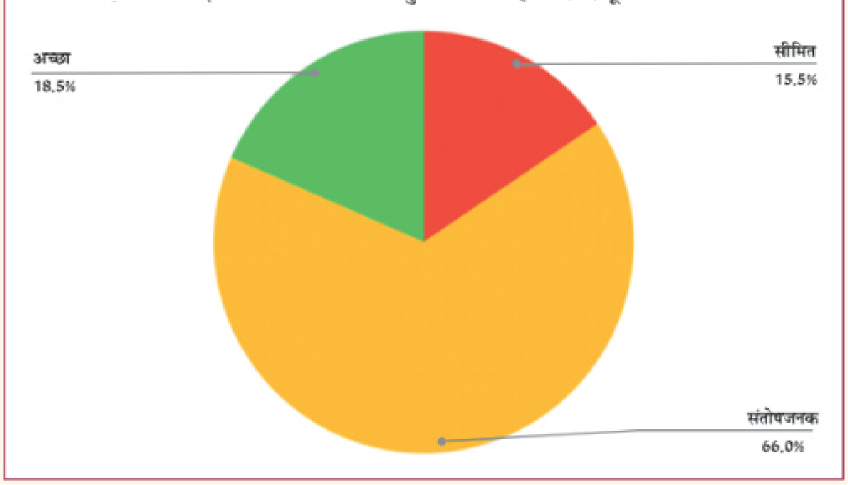

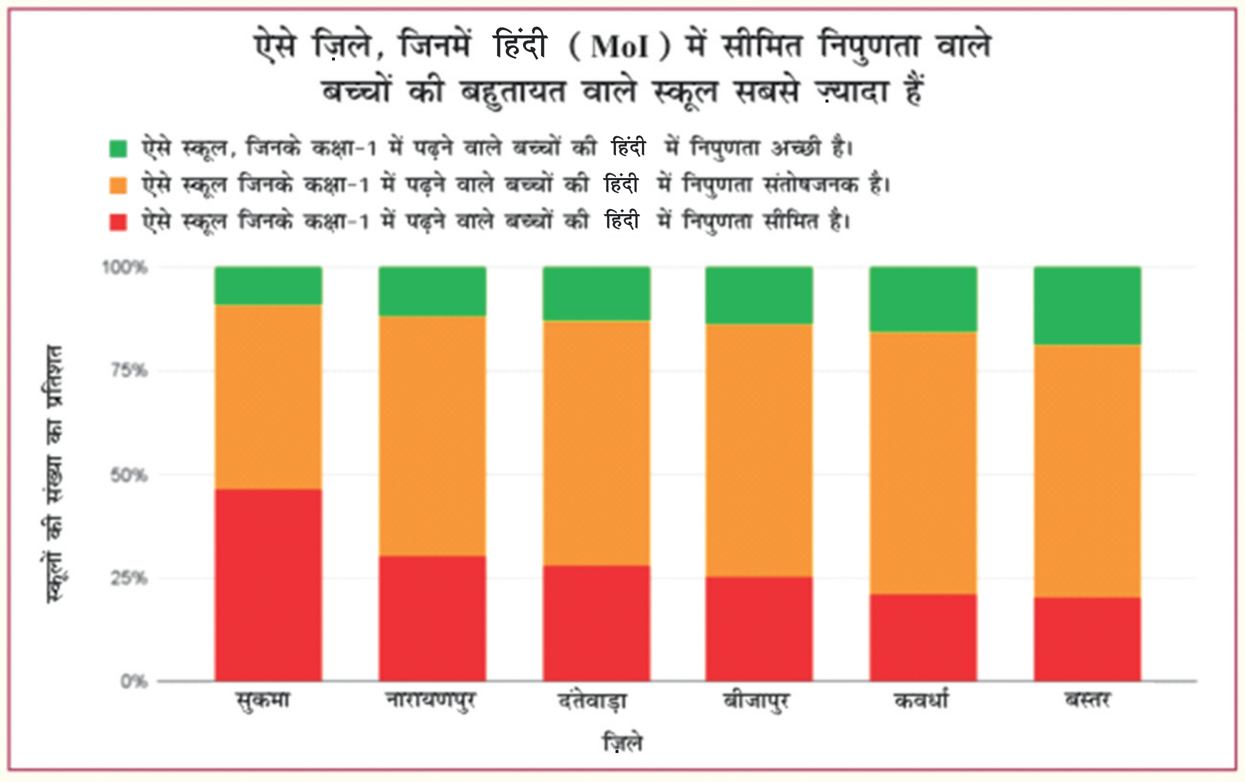
ऐसे ज़िले, जिनमें हिंदी (MoI) में सीमित निपुणता वाले बच्चों की बहुतायत वाले स्कूल सबसे ज़्यादा हैं
ऐसे स्कूल, जिनके कक्षा-1 में पढ़ने वाले बच्चों की हिंदी में निपुणता अच्छी है।
ऐसे स्कूल जिनके कक्षा-1 में पढ़ने वाले बच्चों की हिंदी में निपुणता संतोषजनक है।
ऐसे स्कूल जिनके कक्षा-1 में पढ़ने वाले बच्चों की हिंदी में निपुणता सीमित है।
स्कूलों की संख्या का प्रतिशत
100%
75%
50%
25%
0%
सुकमा
नारायणपुर
दंतेवाड़ा
बीजापुर
कवर्धा
बस्तर
ज़िले

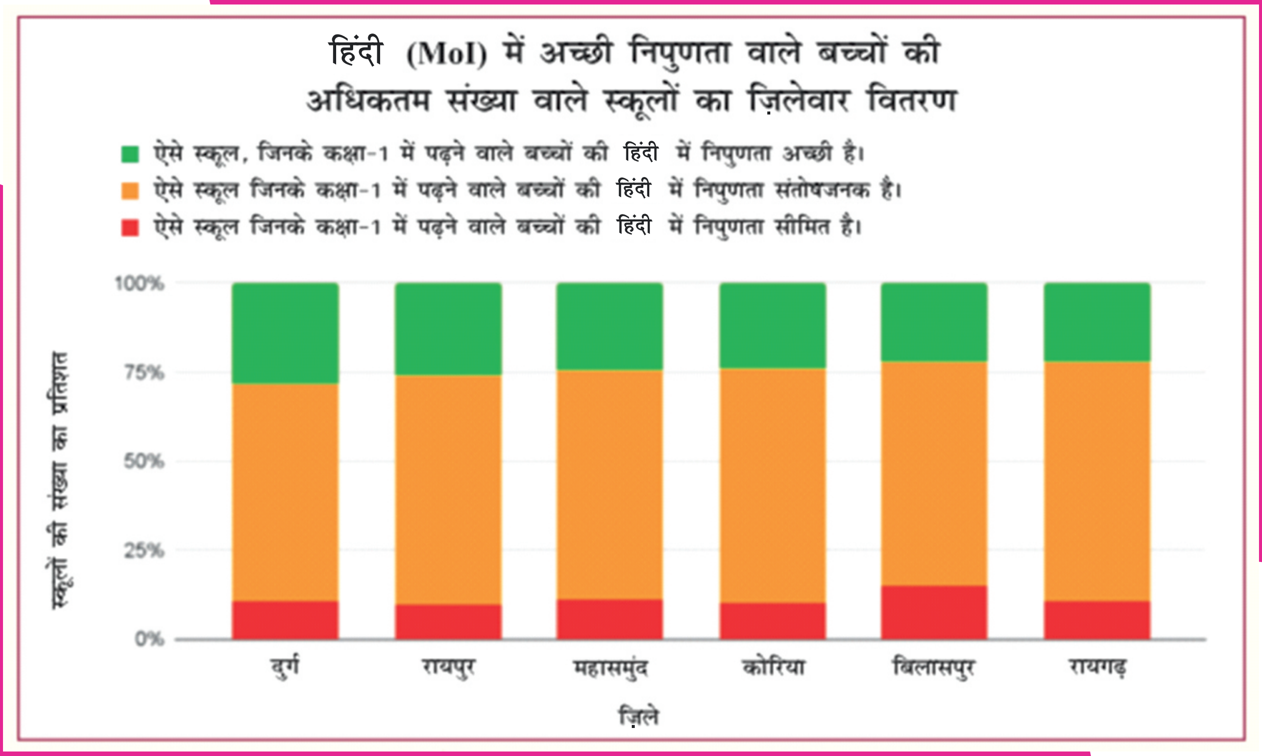
हिंदी (MoI) में अच्छी निपुणता वाले बच्चों की अधिकतम संख्या वाले स्कूलों का ज़िलेवार वितरण
ऐसे स्कूल, जिनके कक्षा-1 में पढ़ने वाले बच्चों की हिंदी में निपुणता अच्छी है।
ऐसे स्कूल जिनके कक्षा-1 में पढ़ने वाले बच्चों की हिंदी में निपुणता संतोषजनक है।
ऐसे स्कूल जिनके कक्षा-1 में पढ़ने वाले बच्चों की हिंदी में निपुणता सीमित है।
स्कूलों की संख्या का प्रतिशत
100%
75%
50%
25%
0%
दुर्ग
रायपुर
महासमुंद
कोरिया
बिलासपुर
रायगढ़
ज़िले